जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 44 संख्याः 27 प्रभात बीकानेर, सोमवार 22 अगस्त, 2022 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 1.20 रू.

अमेरिका में मेरीलैण्ड और वर्जीनिया के समुद्र तट के पास एक द्वीप पर हज़ारों वर्षों से जंगली घोड़े स्वतंत्र विचरण कर रहे हैं। लेकिन ये घोड़े द्वीप पर कैसे पहुँचे यह अभी तक रहस्य बना हुआ था। अब, एक अध्ययन में कहा गया है कि, वो पुरानी लोककथा सत्य हो सकती है कि, स्पेन का एक जहाज टूटने के बाद ये घोड़े एसटीग द्वीप पर फंस गए थे। सोलहवीं सदी के एक दांत के अवशेष का डी.एन.ए. टैस्ट करके यह निष्कर्ष निकाला गया है। एक परित्यक्त करीबिअन कॉलोनी, जिसके बारे में सदियों बाद लोगों को पता चला तथा एक दांत की गलत पहचान (लंबे समय तक जिसे गाय का दांत समझा जाता रहा) ने समुद्र में एक हज़ार मील दूर स्थित इस बैरिअर आइलैण्ड (एसटीग द्वीप) का इतिहास पुनः लिखा है। फ्लोरिडा म्यूज़ियम ऑफ नैचुरल हिस्ट्री के शोध छात्र निकोलस डैल्सोल ने जब पुरा क्षेत्रों से प्राप्त गाय की हड्डियों के डी.एन.ए. का विश्लेषण किया तब मानो सभी सूत्र एक साथ जुड़ गए। डैल्सोल जानना चाहते थे कि अमेरिका में मवेशियों को कैसे पालतू बनाया गया। उन्होंने कहा, ''मैं गाय के दांत के जीवाश्म से प्राप्त मायटोकॉण्ड्रिअल डी.एन.ए. की सीक्वैन्सिंग कर रहा था, लेकिन मुझे एक स्पैसिमैन कुछ अलग लगा। वो असल में एक वयस्क मोलर का अंश था और गाय का नहीं बल्कि घोड़े का दांत था। उस दांत से जो डी.एन.ए. मिला वो अमेरिका के किसी पालतू घोड़े का ऐसा सबसे पुराना स्पैसिमैन है जिसकी सीक्वैन्सिंग की गई है। यह दांत स्पेन की पहली कॉलोनी (उपनिवेश), हिस्पैनिओला आइलैंड के पोर्तो रिअल शहर में मिला था, जो 1507 में स्थापित हुआ था तथा 1578 ईस्वी में जिसे त्याग दिया गया था। डैल्सोल ने इस दांत के डी.एन.ए. की तुलना दुनियाभर के आधुनिक घोड़ों से की। स्पैनिश लोग सदर्न यूरोप के आइबेरियन प्रायद्वीप से इन घोड़ों को लाए थे, इस तथ्य को देखते हुए डैल्सोल को उम्मीद थी कि, आइबेरियन क्षेत्र में अभी जो घोड़े हैं वो 500 साल पुराने पोर्तो रिअल स्पैसिमैन के एकदम करीबी सम्बंधी होंगे। इसके बजाय, डैलसोल को पता चला कि, इस घोड़े के निकटतम संबंधी हैं, वर्जीनिया व मेरीलैण्ड समुद्र तट के पास, हिस्पानोलिया से 1000 मील उत्तर में एस्टीग द्वीप पर सैंकड़ों साल से स्वच्छंद विचरण कर रहे घोड़े। नैशनल पार्क सर्विस, जो एसटीग आईलैण्ड के उत्तरी भाग की देखरेख करती है, के अनुसार 16 वीं सदी में अंग्रेज यहां घोड़े लाए थे। कुछ का मत है कि, ये घोड़े किसी स्पैनिश जहाज में थे जो डूब गया और घोड़े तैरकर किनारे पहुंच गए। यह बात 1947 में लिखी एक किताब में भी उल्लिखित थी, पर इसके पक्ष में ज्यादा प्रमाण नहीं मिले हैं। लेकिन डी.एन.ए. विश्लेषण से यह तो स्पष्ट है कि एसटीग के घोड़ों का स्रोत स्पेन है।

20 सितम्बर तक कांग्रेस का नया अध्यक्ष चुन लिया जायेगा

उदयपुर अधिवेशन में तय हुआ था कि, 2024 का आम चुनाव कांग्रेस नये स्थाई अध्यक्ष के नेतृत्व में ही लड़ेगी

- **कांग्रेस के अन्दर एक बड़ा धड़ा चाहता है कि, भाजपा की ओर से परिवारवाद के आरोपों का तोड़ निकालने के लिए गाँधी परिवार से बाहर का कोई व्यक्ति कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाले।**
- **सी.डब्ल्यु.सी. के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक इस हिसाब से राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सबसे उपयुक्त साबित हो सकते हैं। गहलोत पहले कांग्रेस महासचिव की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं और उन्हें राहुल गाँधी का सबसे विश्वासपात्र माना जाता है।**

नई दिल्ली, 21 अगस्त (वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया एक महीने के भीतर पूरी करने के लिए नाम तय करने की कवायद रविवार से तेज हो गई है।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यु.सी.) के एक नेता ने बताया कि 20 सितंबर तक नया अध्यक्ष चुन लिया जाएगा।

इस नेता ने कहा कि, उदयपुर अधिवेशन में इस बात पर सहमति बनी थी कि, इसी साल 21अगस्त से 20 सितंबर के बीच नये अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। लेकिन मुश्किल यह है कि अब तक तय नहीं है कि नया अध्यक्ष कौन होगा।

उन्होंने बताया कि पार्टी का एक बड़ा धड़ा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को फिर अध्यक्ष बनाना चाहता है, लेकिन गांधी ने वर्ष 2019 के आम चुनाव में पार्टी को मिली करारी हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस पद से इस्तीफा दे दिया था और पार्टी नेताओं की ज़बरदस्त मांग के बावजूद वह दोबारा अध्यक्ष बनने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। अध्यक्ष पद छोड़ते समय भी उन पर इस्तीफा नहीं देने का दबाव था लेकिन गांधी ने जब अध्यक्ष पद पर बने रहना स्वीकार नहीं किया तो सोनिया गांधी को नये अध्यक्ष के चुनाव तक पार्टी का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया।

कांग्रेस के इस नेता का कहना है कि पार्टी का एक धड़ा चाहता है कि वर्ष 2024 में कांग्रेस की मजबूती के लिए उसे अन्तरिम नहीं बल्कि एक पूर्णकालिक अध्यक्ष चाहिए इसलिए पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्यसमिति में निर्णय लिया गया कि 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच पार्टी अध्यक्ष के नये अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

राहुल गांधी ने लगभग साफ कर दिया है कि वह दोबारा अध्यक्ष नहीं बनेंगे। इस स्थिति में पार्टी के अंदर उहापोह का माहौल है जिससे उबरने के लिए कई नेता उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को नया अध्यक्ष बनाने की मांग कर रहे हैं। पार्टी के भीतर एक धड़ा ऐसा भी है जो 2024 के आम चुनाव में परिवारवाद के विरुद्ध चल रहे भाजपा के हमले को निष्क्रिय करने के लिए गांधी परिवार से बाहर के व्यक्ति को कांग्रेस का नया अध्यक्ष बनाने को बड़ा राजनीतिक दांव मान रहा है।

कांग्रेस के अंदर हलचल है कि यदि गांधी परिवार से बाहर के व्यक्ति आम चुनाव के मद्देनजर अध्यक्ष बनाना है तो इसमें रणनीति के लिहाज से सबसे उपयुक्त राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत साबित हो सकते हैं ,हालांकि गहलोत पहले कह चुके हैं कि वह अध्यक्ष पद के दावेदार नहीं है।

गहलोत मुख्यमंत्री बनने से पहले पार्टी में महासचिव संगठन के पद का उत्तर दायित्व निभा चुके हैं और उन्हें पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का विश्वासपात्र माना जाता है।

कांग्रेस के एक अन्य नेता का कहना है कि पार्टी का एक और धड़ा है जो दलित, आदिवासी और पिछड़ा वर्ग के वोटों को साधने के लिए दलित नेता मुकुल वासनिक, सुशील कुमार शिंदे, कुमारी सैलजा तथा मलिकार्जुन खडगे जैसे नेताओं में से किसी को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपने के पक्ष में है। उनका कहना है कि इस दौड़ में मुकुल वासनिक सबसे आगे होते लेकिन कांग्रेस के असंतुष्ट गुट समूह 23 के नेताओं ने पिछली बार उनका नाम आगे किया था इसलिए वह पार्टी नेतृत्व की पसंद और विश्वासपात्र नहीं हो सकते। इस क्रम में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे पार्टी के पूर्व अध्यक्ष के बहुत करीबी और अत्यंत विश्वासपात्र माने जाते है।

कर्नाटक विधानसभा के चुनाव भी होने हैं इस क्रम में उनकी महत्ता को देखते हुए उन्हें अध्यक्ष बनाने की कवायद चल सकती है।

आनंद शर्मा ने हिमाचल कांग्रेस संचालन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया

आनंद शर्मा ने सोनिया गाँधी को लिखे पत्र में कहा है कि, वे अपने स्वाभिमान के साथ समझौता नहीं कर सकते

- **आनंद शर्मा के इस कदम को कांग्रेस पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।**
- **आनंद शर्मा से पहले गुलामनबी आज़ाद भी कश्मीर कांग्रेस की चुनाव समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे चुके हैं।**
- **भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और मनीष तिवारी सहित कई अन्य दिग्गज नेताओं वाला यह जी-23 समूह कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यु.सी.) के चुनाव संवैधानिक तरीके से कराये जाने पर जोर दे रहा है।**

नई दिल्ली, 21 अगस्त। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पार्टी की राज्य की संचालन समिति के अध्यक्ष पद से रविवार को इस्तीफा दे दिया। उनके इस कदम को कांग्रेस के लिए बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, समझा जा रहा है कि शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे पत्र में कहा है कि उनके स्वाभिमान के साथ 'समझौता नहीं किया जा सकता' और उन्होंने पार्टी की हिमाचल इकाई की संचालन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है।

वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा से पहले जी-23 समूह के एक अन्य नेता गुलाम नबी आजाद जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस की चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे चुके हैं। शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष से कहा है कि परामर्श प्रक्रिया में उनकी अनदेखी की गई है। हालांकि, उन्होंने भरोसा दिलाया है कि वह राज्य में पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करना जारी रखेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता शर्मा को 26 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश में पार्टी की संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।

आजाद और शर्मा, दोनों ही जी23 समूह के प्रमुख नेता हैं, जो पार्टी नेतृत्व के फैसलों की आलोचना करने से नहीं चूके हैं।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा और मनीष तिवारी सहित कई अन्य दिग्गज नेताओं वाला यह समूह ब्लॉक से लेकर केंद्रीय कार्य समिति स्तर तक सही तरीके से चुनाव कराने पर जोर दे रहा है। हिमाचल प्रदेश के सबसे वरिष्ठ नेताओं में शुमार शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे अपने पत्र में कथित तौर पर कहा है कि उनके स्वाभिमान को ठेस पहुंची है, क्योंकि उनसे पार्टी की किसी भी बैठक के लिए परामर्श नहीं किया गया और न ही उन्हें उनमें आमंत्रित किया गया। शर्मा ने पहली बार 1982 में विधानसभा चुनाव लड़ा था।

1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें राज्यसभा भेजा था। वह तभी से राज्यसभा सदस्य हैं और पार्टी में कई प्रमुख पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

मु.मंत्री की बेटी ने डॉक्टर को थप्पड़ मारा

आइजवाल, 21 अगस्त। मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा की बेटी का वीडियो वायरल होने के बाद सी.एम. ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कहा कि वह अपनी बेटी

- **मिजोरम के मु.मंत्री की बेटी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें वे एक चर्म रोग विशेषज्ञ को थप्पड़ मार रही हैं। इस घटना के बाद डॉक्टरों ने भारी रोष जताया है।**

के इस व्यवहार को किसी भी तरह उचित नहीं ठहरा सकते। सी.एम. ने कहा, बेटी ने डॉक्टर के पास जाकर उनसे माफी मांगी है। मुख्यमंत्री की बेटी मिलारी छांगते का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था जिसमें वह एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति पुतिन का ''ब्रेन'' कहे जाने वाले अलैक्जेंडर दुगिन की बेटी की हत्या

अलैक्जेंडर दुगिन को यूक्रेन-रूस युद्ध का मास्टरमाइण्ड माना जाता है

- **मॉस्को शहर के बाहर अलैक्जेंडर दुगिन की बेटी मारिया दुगिन की कार को एक बम विस्फोट में उड़ा दिया गया।**
- **कहा जा रहा है कि, अलैक्जेंडर दुगिन भी उनकी बेटी की कार में ही सवार होने वाले थे, लेकिन किन्हीं कारणों से वे दूसरी कार में अपनी बेटी को फॉलो कर रहे थे।**

मॉस्को, 21 अगस्त। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का ब्रेन यानी दिमाग कहे जाने वाले एलेक्जेंडर दुगिन की बेटी दारिया की कार धमाके में हत्या हो गई है। खबर है कि हादसा राजधानी मॉस्को के बाहर शनिवार रात को हुआ। माना जा रहा है कि यह विस्फोट एलेक्जेंडर के लिए लगाया गया था, जिसका शिकार उनकी बेटी हो गई हैं।

खबर है कि दारिया की कार में मॉस्को क्षेत्र के ओदिनसोस्की डिस्ट्रिक्ट में आग लग गई थी। एलेक्जेंडर रूसी फिलॉस्फर और राजनीतिक विश्लेषक हैं। वह भी घटनास्थल पर पहंच गए थे। मीडिया में जारी वीडियोज में नजर आ रहा है कि हादसे को देखकर वह स्तब्ध रह गए थे। खास बात है कि दुगिन पर साल यूरोपियन यूनियन, अमेरिका और कनाडा प्रतिबंध लगा चुके हैं।

पुतिन का दिमाग माने जाने वाले एलेक्जेंडर की यूक्रेन के साथ युद्ध में भी बड़ी भी भूमिका रही है। वह ही क्रीमिया और और यूक्रेन के खिलाफ हुई सैन्य कार्रवाई के पीछे उनका हाथ था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 30 वर्षीय दारिया एक कार्यक्रम से घर लौट रही थी। रास्ते में उनकी कार टोयोटा लैंड क्रूजर हादसे का शिकार हो गई। कहा जा रहा है कि इस कार में एलेक्जेंडर सवार होने वाले थे, लेकिन अंतिम समय में उन्होंने फैसला बदल लिया था। खबर है कि वह अपने बेटी के पीछे ही आ रहे थे और उन्होंने हादसा होते हुए देखा है।

रूस की जांच समिति ने रविवार को कहा कि जांचकर्ताओं का मानना है कि रूसी राजनीतिक दार्शनिक और विश्लेषक अलेक्जेंडर दुगिन की बेटी डारिया दुगिना की एक घातक कार दुर्घटना में मौत की घटना पूर्वनियोजित थी।

जांच समिति की ओर से जारी बयान के मुताबिक पहले से प्रारंभिक जानकारी के आधार पर जांचकर्ताओं का मानना है कि अपराध की योजना पहले और विशेष रूप से बनाई गई थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अभिनेता रणवीर सिंह

मुबंई, 21 अगस्त (वार्ता)। फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह ने नग्न फोटोशूट मामले में उनकी संलिप्तता पर पुलिस के सामने पेश होने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि रणवीर को 22 अगस्त को तलब किया गया था। उसने दो सप्ताह का समय मांगा है इसलिए नई तारीख तय होने के बाद

- **रणवीर सिंह ने नग्न फोटोशूट मामले में मुम्बई पुलिस के समक्ष पेश होने के लिए दो सप्ताह की मोहलत मांगी।**

चैम्बूर पुलिस उसे नया समन जारी करेगी। इससे पहले जारी एक बयान में मुंबई पुलिस ने कहा कि अभिनेता रणवीर सिंह ने पैसे कमाने के लिए अपनी नग्न फोटो को ऑनलाइन पोस्ट करने के साथ पत्रिकाओं में प्रकाशित कराई। प्राथमिकी में उसके खिलाफ दर्ज बयान के आधार पर उसने युवा पीढ़ी और समाज को खराब करने की कोशिश की।

यह सच है, अगर ''टैलिकॉम रैव्योल्यूशन'' नहीं होता, तो भारत आई.टी. में वहाँ नहीं पहुँचता, जहाँ है... (2)

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

पर राजीव गाँधी इससे ज्यादा इसलिए याद किए जायेंगे कि, वे एक ''डीसैन्ट'' राजनीतिज्ञ थे और अंत तक रहे

- **उन्हें जब मालूम पड़ा कि, अटल बिहारी वाजपेयी ''किडनी'' पेशैन्ट हैं, तथा इस गंभीर बीमारी के इलाज के लिए अमेरिका नहीं जा पा रहे, तो, राजीव ने उन्हें संसद में अपने प्रधानमंत्री कार्यालय में बुलाया और यू.एन. जनरल असैम्बली की बैठक में जा रहे भारत के ''ऑफीशिअल डैलिगेशन'' का सदस्य बनाया और उनका न्यूयॉर्क जाना संभव किया। वाजपेयी सैशन खत्म होने के बाद भी रूके और उनका पूरा इलाज हुआ। वाजपेयी के जीवन में कुछ और साल जुड़े तथा भाजपा का प्रथम प्रधानमंत्री बनना संभव हुआ।**

नई दिल्ली, 21 अगस्त। राजीव गांधी ने कम्प्यूटर्स के महत्व को अनुभव कर लिया था और उन्होंने इसके उपकरणों के आयात को सस्ता कर दिया। देश को नई दिशा की ओर ले जाने में कम्प्यूटर हार्डवेयर महत्वपूर्ण और अनिवार्य था।

यह सब 80 के दशक के मध्य के राजीव गांधी के सपनों में शुमार थे।

आयातों सहित आर्थिक सुधारों ने निश्चित रूप से अगले दशक की शुरूआत में उभरने वाले संकट में अपना योगदान दिया। 1990 के दशक की शुरूआत में विदेशी भुगतानों के संकट से दो-चार होना पड़ा।

लेकिन यह संकट एक अप्रत्यक्ष कृपादान साबित हुआ। एक गहरे और ऊर्जावान संकट के बिना भारत नियमों और प्रतिबंधों के भारी मार से कभी छुटकारा नहीं पा सकता था तथा इस संकट ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक सांचे में ढाल दिया।

अर्थव्यवस्था इस सांचे से बाहर नहीं निकल सकी और रेंगने लगी।

नरसिम्हाराव ने प्रधानमंत्री बने, बाद में अपने वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के सहयोग से दमघोटू प्रतिबंधों का जाल हटा दिया पर निश्चित रूप से इसकी शुरूआत राजीव गांधी ने की थी।

राजीव गांधी ने भारतीय राजनीति में शिष्टता और गरिमा का नया अंदाज लाए थे।

वे बेहद भद्र और शिष्ट इसांन थे। मुझे कई बार सौभाग्य मिला राजीव गांधी के "आउटटीच" कार्यक्रम का हिस्सा बनने का, जिसकी शुरूआत उन्होंने तब की थी जब वे सत्ता से बाहर हो गए थे। तब वे दस जनपथ की लायब्रेरी में पत्रकारों से मिला करते थे वहां अनौपचारिक व खुली चर्चाएं होती थी। ऐसे माहौल में राजीव गांधी कई अलग तरह के मुद्दे भी रख सकते थे।

उन्हें ऐसे ऑफबीट मुद्दों पर चर्चा करना पसंद होता था, जिनकी वृहद स्तर पर प्रभाव पड़ता था। मुझे याद है वे सोच रहे थे कि टी.वी. क्रांति से किस प्रकार समाज और राजनीति प्रभावित होगी। आप भारतीयों को दूसरे देशों के समाचार, समकालीन मुद्दों से संबंधित कार्यक्रम या सोप ओपेरा देखने से नहीं रोक सकते हैं।

उनको लगता था इसका हल यह है कि भारतीय टी.वी. कंपनियों को बढ़ावा दिया जाए जो विदेशी कंपनियों को टक्कर दे सके। इसका नतीजा यह था कि भारतीय टी.वी. दूरदर्शन के शिकंजे से मुक्त हो गया और चैनलों की प्रतिस्पर्धा के लिए खुल गया।

लेकिन आज राजीव गांधी की उन स्मृतियों को अनदेखा नहीं किया जा सकता, जो कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश पुराने रिकॉड से निकालकर लाए हैं।

रमेश ने एक रीट्वीट किया जिसमें अटल बिहारी वाजपेयी बता रहे थे कि किस प्रकार भारत के प्रधानमंत्री ने एक विपक्षी नेता ''अटल बिहारी वाजपेयी'' की औपचारिक रास्तो से अलग जाकर मदद की और अमेरिका में उनका इलाज करवाया। वाजपेयी खुद यह सब करवाने में असमर्थ थे।

वाजपेयी को किडनी की समस्या हो गई थी। राजीव गांधी को इसकी जानकारी मिली। तब एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिश्वत केस में सेना के दो अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 21 अगस्त (वार्ता)। सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वैस्टिगेशन (सी.बी.आई.) ने रविवार को कहा कि, रिश्वतखोरी के कथित मामले में सेना के दो अधिकारियों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सी.बी.आई. सूत्रों ने अपने एक बयान में कहा कि आरोपियों की पहचान

- **सैन्य अधिकारियों पर आरोप है कि, उन्होंने अम्बाला कैन्ट की सभी निविदायें एक खास कंपनी को देने के लिए लाखों रू. की रिश्वत ली।**

एम.ई.एस. अंबाला केंट में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल राहुल पवार, वरिष्ठ बैरक स्टोर अधिकारी और सूबेदार मेजर प्रदीप कुमार तथा ठेकेदार दिनेश कुमार और प्रीतपाल के रूप में की गई है। कथित रूप से रिश्वत मांगने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जिस काम की तुम कल्पना करते हो उसमें जुट जाओ। साहस में प्रतिभा, शक्ति और जादू है। साहस से काम शुरु करो पूरा अवश्य होगा।

–अज्ञात

आपके विचारार्थ!

इधर देश में जो नई संस्कृति विकसित हुई है उसके प्रमुख घटकों में से एक है बायकॉट। जो हमारे साथ नहीं है, उसका, उसके रचे का बायकॉट करने का आव्हान। इसके बाद जैसी श्रद्धा हो। श्रद्धानुसार तोड़ फोड़, मार-पीट,आगजनी – कुछ भी की जा सकती है। अगर नहीं तो सोशल मीडिया पर बायकॉट का आव्हान तो सस्ता-सुंदर टिकाऊ तरीका है ही। इन दिनों एक फ़िल्म के बायकॉट का सीज़न चल रहा है। जैसे-जैसे यह सीज़न ढलेगा, अगली फ़िल्म का बायकॉट शुरू हो जाएगा। नाम तो घोषित हो ही चुका है। यह जान पाना कठिन है कि बायकॉट की वजह क्या है। वैसे वजह न हो तो बनाने में कोई ख़ास देर भी नहीं लगती है। वक़्त ज़रूरत हेडक्वार्टर से इसके वास्ते तर्क सप्लाई भी किए जाते हैं। उत्साही और कर्मठ कार्यकर्ता उन्हीं तर्कों को आगे ठेलते जाते हैं। ऐसा करके उनकी दिहाड़ी पक्की या अगर वे पेरोल पर न हों तो उनकी वफ़ादारी प्रमाणित हो जाती है।

ऐसे कर्मठ वीरों की कुछ टिप्पणियां देख रहा था तो एक मज़ेदार टिप्पणी पर ध्यान गया। उन्होंने लिखा कि वे यह फ़िल्म सिनेमाघर में जाकर नहीं देखेंगे। वे इसे अपने मोबाइल पर देखेंगे! यह घोषणा करके वे हर आम-ओ-ख़ास को बता देना चाहते थे कि ऐसा करके वे उस बायकॉटितफ़िल्म से जुड़े कलाकार को आर्थिक क्षति पहुंचा कर उसकी कमर तोड़ देंगे। कमर तोड़ देना हमारे समय की लोकप्रिय अभिव्यक्ति है। कमर लोगों की ही नहीं आतंकवाद जैसी प्रवृत्तियों की भी तोड़ी जाती है। अब अगर कोई किसी की कमर तोड़ना चाहे तो आपको आपत्ति क्यों होनी चाहिए? लेकिन इन महोदय ने कमर तोड़ने का जो तरीका निकाला है उसे मुझे काफी कुछ सोचने को प्रेरित किया। पहली बात तो यह कि इन्हें बायकॉट भी करना है और फ़िल्म भी देखनी है। ख़ैर, यह उनका चयन है। मूल बात यह कि क्या कोई भी ग़ैर कानूनी तरीका अपना कर आप सही काम कर सकते हैं? किसी फ़िल्म का विरोध क्या एक ग़ैर कानूनी तरीके से करना ठीक है? इन्होंने मोबाइल पर फ़िल्म देखने की जो बात की है वह सीधे-सीधे पाइरेसी की बात है, और हर कोई जानता है कि पाइरेसी हमारे देश में कानूनन अपराध है। इस अपराध के लिए तीन बरस तक की क़ैद और तीन लाख रुपये तक का ज़ुर्माना हो सकता है। ऐसा अपराध करके ये किस तरह का विरोध करना चाहते हैं?

लेकिन हमने उचित और अनुचित, सही और ग़लत की फ़िक्र पहले भी कब की है? केवल पाइरेसी की ही बात करें तो पुरानी पीढ़ी के लोगों को वह समय अभी भी याद होगा जब खाली कैसेट्स रिकॉर्डिंग सेण्टर पर ले जाकर उनमें अपनी पसंद के गाने भरवाए जाते थे! उस ज़माने में दिल्ली के एक ज्यूस बेचने वाले उद्यमी ने पाइरेसी के दम पर ही अपना बहुत बड़ा एम्पायर खड़ा कर लिया था। कैसेट्स का ज़माना बीता तो सीडी का ज़माना आया, और फिर पेन ड्राइव का ज़माना आ गया। ये साधन भले ही बदले, हम तो वैसे के वैसे रहे। पहले भी अवैध रूप से गाने भरवाते थे, बाद में भी भरवाते रहे। हमने कभी सही-ग़लत में भेद नहीं किया। हमारा संगीत प्रेम बरक़रार रहा। संगीत के साथ-साथ हमने फ़िल्मों से भी इसी तरह प्रेम किया। वीसीआर के ज़माने में हम धुंधले और ख़राब प्रिण्ट वाली फ़िल्में देखकर अपना मनोरंजन करते थे तो सीडी के ज़माने में ठेलों पर मिलती पाइरेटेड सीडी हमारे लिए मनोरंजन का बड़ा साधन बनी। अगर बीस-पच्चीस रुपये में फ़िल्म की पाइरेटेड सीडी मिल जाए तो हमें क्या पागल कुत्ते ने काटा है कि सौ-सवा सौ रुपये में ऑरिजिनल और वैध सीडी खरीदें। अब तो लोगों की पढ़ने की आदत कम हो गई है, अन्यथा एक ज़माना था जब हर महानगर, नगर और बड़े कस्बों के फुटपाथों पर लोकप्रिय किताबों के न्यूज़प्रिण्ट पर छपे पाइरेटेड संस्करण आसानी से सुलभ रहते थे। आजकल यही काम पीडीएफ वितरण के माध्यम से होने लगा है।

> **लेकिन हमने उचित और अनुचित, सही और ग़लत की फ़िक्र पहले भी कब की है? केवल पाइरेसी की ही बात करें तो पुरानी पीढ़ी के लोगों को वह समय अभी भी याद होगा जब खाली कैसेट्स रिकॉर्डिंग सेण्टर पर ले जाकर उनमें अपनी पसंद के गाने भरवाए जाते थे!**

और यही हाल तकनीक के मामले में भी रहा। कम ही लोग होंगे जिन्होंने अपने कम्प्यूटर्स में उपयुक्त कीमत देकर खरीदे गए सॉफ्टवेयर्स काम में लिये हों। ज़्यादातर तो अपना काम कॉपी किये हुए सॉफ्टवेयर्स से ही चलाते रहे हैं। अब भी चलाते हैं। अगर आप ऐसे किसी उपभोक्ता से बात करें तो उसका एक ही जवाब होता है, ''क्या करें, ऑरिजिनल सॉफ्टवेयर बहुत महंगे होते हैं!'' यह सही है कि ऑरिजिनल सॉफ्टवेयर महंगे होते हैं, लेकिन क्या किसी भी चीज़ का महंगा होना हमें चोरी करने और अनैतिक होने का अधिकार दे देता है? पाइरेसी असंदिग्ध रूप से एक अनधिकार चेष्टा है। यह चोरी का पर्याय है। जिस चीज़ का आपने मोल नहीं चुकाया है उसे आप अनुचित तरह से हासिल करके प्रयोग में ले, यह चोरी नहीं है तो क्या है? वैसे यही तर्क हममें से बहुत सारे लोग ट्रैफ़िक पुलिस की मुट्ठी गर्म करने के मामले में भी देते हैं। वैध चालान महंगा है इसलिए हमने सिपाही की मुट्ठी में सौ का नोट खिसका दिया। रोडवेज़ की बसों में नियमित रूप से अपडाउन करने वालों में से भी बहुत सारे ऐसा ही करते हैं। अपने जीवन में दो बार जब मुझे भी लम्बे समय के लिए अपडाउन करना पड़ा तो शुभ चिंतकों ने ऐसा ही करने की सद्भावनापूर्ण सलाह दी। यह अलग बात है कि अपनी मूर्खता के चलते मैंने उनकी सलाह को नहीं माना। लेकिन तब मैंने एक और मज़ेदार बात नोट की। जो यात्री इस समानांतर व्यवस्था का उपयोग करते थे कण्डक्टर महोदय उनका ख़ास ध्यान रखते थे, और मुझ जैसे लकीर के फकीर उनकी अवहलेना के पात्र बनते थे।

असल में यह समानांतर अवैध व्यवस्था पूरे देश में चल रही है। हमने इसे जीवन पद्धति के रूप में स्वीकार कर लिया है, यह बहुतों को रास भी आती है। पाइरेटेड कैसेट, सीडी बनाने वाले, मोबाइल में फ़िल्में और संगीत अपलोड करने वाले, कम्प्यूटर में पाइरेटेड सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करने वाले, बिना वैध टिकट यात्रा की सुविधा प्रदान करने वाले, बिना चालान काटे आपको छोड़ देने वाले – ये सब और इस तरह के अन्य अनेक लोग बिना किसी या बहुत कम लागत से ठीक-ठाक कमाई कर लेते हैं। एक उपभोक्ता या नागरिक के रूप में हम भी चार पैसे बचा लेने का सुख और संतोष प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन यह सब करते हुए हम कभी भी यह नहीं सोचते हैं कि ऐसा करना कितना ग़लत है! जब आप कोई फ़िल्म इस तरह देखते हैं, कोई गाना इस तरह सुनते हैं, कोई किताब इस तरह पढ़ते हैं, कोई सॉफ्टवेयर इस तरह काम में लेते हैं तो आप उनका हक़ मार रहे होते हैं जिन्होंने इनको रचने में कड़ी मेहनत की है। यह सब रचना बहुत आसान नहीं होता है। किसी फ़िल्म बनाने वाले से पूछिये कि उसने फ़िल्म बनाने के लिए कितने पापड़ बेले हैं, किसी लेखक से पूछिये कि उसने एक किताब लिखने के लिए कितनी रातें जागकर बिताई हैं। और आप हैं कि उनका हक़ मार कर उनके सृजन का उपभोग कर रहे हैं! सोचिये, अपने खून पसीने की कमाई से एक छोटा-सा घर बनवा कर उसमें रहने और गुण्डागिरी से किसी के बने बनाए घर को हथिया कर उसमें रहने में कोई फर्क है या नहीं? एक आदमी है जो बड़ी मुश्किल से पैसे बचा कर मोबाइल खरीदता है और दूसरा है जो झपट्टा मार कर उसे छीन ले जाता है! इस बात को समझा जाना ज़रूरी है कि पाइरेटेड चीज़ों का उपभोग आपको यही दूसरा आदमी बनाता है।

मुझे भारतीय समाज की सबसे बड़ी विडम्बना यही लगती है कि वैसे तो हम आदर्श की बहुत बड़ी-बड़ी बातें करते हैं लेकिन जब उन्हें अपने जीवन पर लागू करने का मौका आता है तो हम उन सबको भुला कर व्यावहारिक हो जाते हैं। आजकल तो तारीफ में भी यही कहा जाता है कि अमुक बड़ा प्रैक्टीकल है। प्रैक्टीकल अर्थात जो सही ग़लत के झमेले मेंपड़े बग़ैर येन केन प्रकारेण अपना काम निकाल ले। महात्मा गांधी साधनों की पवित्रता पर बहुत बल दिया करते थे। उनके लिए साध्य प्राप्त करने से ज़्यादा महत्ता साधनों की शुचिता की थी। आज हमारा सोच बदल चुका है। आज सिर्फ यह देखा जाता है कि हमने प्राप्त क्या किया है। यह बात शायद ही कभी देखी जाती हो कि हमने वह कैसे प्राप्त किया है। और अगर कभी देख भी ली जाती है तो उसे देख कर अनदेखा कर दिया जाता है। अपने चारों तरफ हम वैभवशाली और शक्तिशाली लोगों को देखते हैं, हमें इस बात की थोड़ी बहुत जानकारी भी होती है कि उन्होंने यह वैभव या ताकत कैसे हासिल किया है, लेकिन इस जानकारी के बावज़ूद उनकी इन उपलब्धियों के प्रति हमारे सम्मान में कोई कमी नहीं आती है।

सोचिये, हम कैसे हृदयहीन, आदर्शविहीन, मूल्य निरपेक्ष समाज में बदलते जा रहे हैं! क्या यह बदलाव हमारे व्यापक हित में है? इस तरह जो देश बनता जा रहा है उसका भविष्य कैसा होगा – यह कल्पना ही सिहरा देने वाली है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

बड़े भाग मानुष तनु पावा, अनुभूति यदि नहीं तो नित करे

मानस कार ने उपरोक्त चौपाई कह कर मनुष्य को यह तो जता दिया कि उसे यह मानव शरीर बड़े भाग्य अथवा ईश्वर कृपा से मिला है जबकि मनुष्य बहुधा इसे आटोमेटिक क्रिया समझता है। ऐसा नहीं होता। लोग कहते हैं कि शरीर बृद्ध होने पर आत्मा या शरीरी नए शरीर में आश्रय ले लेता है, जैसे हम पुराने फटे कपडे उतार कर नए वस्त्र धारण करते हैं। इस क्रिया के संपन्न होने में अनेक परिस्थितियां गौण रहती हैं जो प्रदर्शित नहीं होती, परन्तु अगले जन्म की योनि का निर्धारण करती हैं।

शास्त्र बताते हैं कि वर्तमान जन्म में मनुष्य की वृतियां कैसी रही हैं यथा सतोगुणी, रजोगुणी या तमोगुणी /गीता में इस बारे में विस्तार से बताया गया है। आवश्यक नहीं कि मनुष्य योनि मिले, सूअर का शरीर भी मिल सकता है।

इसलिए; **सुर दुर्लभ सब ग्रंथहि गावा;** शास्त्र कहते हैं कि मानव शरीर दुर्लभ है देवता भी इसके लिए लालायत रहते हैं,

इसलिए मनुष्य बड़भागी है तन को पाकर यह साधन योनि है, इसलिए मानव तन मोक्ष का द्वार भी कहा जाता है–

;साधन धाम मोक्ष कर द्वारा ;, और फिर भी मनुष्य अपना परलोक नहीं समारता तो इससे अधिक दुर्भाग्य और क्या हो सकता है? उसके लिए पछताने के सिवाय कुछ नहीं होता और वह दु:ख भोगता रहता है यह मानव शरीर सब कुछ दे सकने का सा मर्थ रखता है;

साधन धाम मोक्ष कर द्वारा, पाय न जेहि परलोक सँवारा;

सो परत्र दु:ख पावै सर धुनि धुनि पछताई।

कबहुँक करि करुणा नर देहि, देत ईश बिनु हेतु सनेही।

मानव जीवन प्राप्त कर विषय वासनाओं में मन लगाना, अमृत के बदले बिष ग्रहण करने जैसी मूर्खता है इसे कोई भी अच्छा नहीं कहता। नर तन प्राप्त कर भी बिषयों में आशक्ति है तो चौरासी लाख योनिओं में भटकने की निश्चित तैयारी है इन योनिओं में अंदाज, पिण्डज, स्वेदज और स्थावर, आते हैं, मानस में काकभुशुण्डि की कथा इस सम्बन्ध में पढ़ने लायक है।

नर समान नहि कवनिउ देही, मानव तन को पाकर भी यदि बड़भागी ने अपना परलोक नहीं सँवारा, फिर उसके भाग्य में पछताने के अतिरक्त कुछ नहीं बचता, और वह दु:ख भोगता रहता है। **;साधन धाम मोक्ष कर द्वारा, पाय न जेहि परलोक सँवारा;, सो परत्र दु:ख पावहि, सर धुनि धुनि पछिताय।** क्योंकि ईश्वर की बड़ी कृपा से ही हमें यह मानव शरीर प्राप्त होता है। फिर **कबहुँकी करि करुणा नर देहि, देत ईश बिनु हेतु सनेही।** इसलिए इस शरीर को विषयों में संलग्न करना एक तो समय की बर्बादी है और उस पर फिर अनंत दुखों को आमंत्रण। जीवन का समय इसलिये बड़ा अमूल्य है। विषय वासनाओं में मन लगाना अमृत के बदले बिष ग्रहण करने जैसी मूर्खता है और इसे कोई भी अच्छा व् हितकारी नहीं मानता।

प्रो. (डॉ.) वीर बहादुर सिंह

परिवारीय व्यक्ति के लिए कर्मों का त्याग संभव नहीं है इसलिए उनसे ये अपेक्षा है कि वे मन से ही विषयों का त्याग करें क्योंकि मन को विषयों में आसक्त करना मृत्यु वरन के समान है। विरक्त लोग जिन्होंने कर्मों का त्याग कर समस्त सांसारिक वृत्तिओं को त्यागकर सन्यास ठाहण कर लिया है उनके किये वासनाओं से पूर्ण विरक्ति थोडा कठिन अवश्य है किन्तु मोक्ष के लिए उत्तम साधन और शीघ्र फलदाई है। लेकिन उनेह भविष्य में किसी भी परस्तिथि हो, वापिस कर्म प्रवर्ति में नहीं लौटना चाहिए। विरक्तों को मन से भी विषय वासनाओं का चिंतन करना बड़ी भूल है। एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि एक मंदिर के सामने एक वेश्या का कोठा था वहां सदैव आरती के समय और बाद में नाच-गाना चलता रहता था जिससे वहां जाने वालों का मनोरंजन होता था और वैश्या की सुंदरता लोगों को मोहित करती थी। मंदिर के पुजारी भक्तो के साथ खूब जोर से आरती करते, लेकिन उनके मन में उस वैश्या की छवि और मधुर घुंघरुओं, गानों की आवाज हमेशा उनको लालायित करती उस वैश्या के समीप जाने की। लेकिन समाज के भय से वे अपनी उस कुंठा को प्रदर्शित नहीं करते। समय बीतता गया और काल के प्रभाव से जब दोनों मृत्यु को प्राप्त कर धर्मराज के सामने पेश किये गए। तो धर्मराज ने कर्म और सोच के अनुसार वैश्या को स्वर्ग और पुजारी को नर्क का हकदार कह कर उचित आदेश कर दिया। पुजारी ने क्रोध वश निवेदन किया कि आपका न्याय मुझे नर्क और वैश्या को स्वर्ग देना न्यायसंगत नहीं है। लेकिन जब धर्मराज ने उन्हे ये कहा कि भले ही आप ईश्वर की पूजा-अर्चना में लगे थे लेकिन वैश्या के नाच-गाने के स्वर आपको विचलित करते और आप मन में सोचते कि किस प्रकार उस सुंदरी के आगोश में प्रवेश किया जाय जबकि ये वैश्या मंदिर की घंटियों और आरती के वचन सुन मन अपने ग्राहकों को संतुष्ट करते हुए ईश्वर से अनुनय-विनय करती कि– **'हे प्रभो मुझे इस गंदे धंधे के नरक से कब मुक्ति दिलाएंगे।'** इसलिए मेरा न्याय बिलकुल उचित है, तुम नरक के लिए ही हकदार हो। यह प्रसंग मेरे विचार से कर्म और मन की सोच के परिणामों के अनुरूप है।

वर्तमान काल में सर्वत्र मानव कुत्सित कर्मों, भ्रष्टाचार, हत्या, बाल अपराध, बेईमानी, झूंठ-फरेब आदि में व्यष्त है और ऊपर से सफ़ेदपोश बनकर एक बनावटी चेहरा और दिखावटी आचरण लोगों को भ्रमित करने के लिए ऐसे लोग अपना परलोक तो क्या संभवत: आगे के अनेक जनम में भी मोक्ष के योग्य नहीं होते और निरन्तर मनुष्य योनि होते हुए भी निम्न श्रेडी में ही अनेक दु:ख भोगते रहते हैं। आजादी का अमृत महोत्सव हमने भले ही मना लिया हो लेकिन हम अपनी मानसिकता और कर्म अच्छी तरह जानते है, दूसरों को भले ही न दिखे।

भगवान् श्री कृष्ण ने महाभारत में अनेक रीत से अर्जुन को जीवन के सभी रहस्यों से अवगत कराया, तब कही जाकर अर्जुन का भ्रम खंडित हुआ और वह संग्राम लड़ने को तत्पर हुआ और सभी विधर्मिओं का वध करने में सक्षम हुआ, वे थे तो सभी उसके परिजन और सगे सम्बन्धी ही। इसलिए मनुष्य को कभी भी यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि कौन देख रहा है?

बिना किसी को बताये भ्रष्टाचार, छल, कपट, व्यभचार, हत्या आदि जधन्य पाप /अपराध करते रहो। अभी देश के दो प्रदेशों में करोड़ों की धन राशि और बहुमूल्य करोडो के आभूषण कई छापे मारी में सरकारी विभाग द्वारा पकडे गए। देश के कानून के अनुसार उनेह अपराध की सजा तो पुलिस दिलवा देगी लेकिन ईश्वर के यहाँ इस पाप की सजा भी निश्चित मिलेगी इसमें अन्य कोई भी दखल नहीं दे सकेगा, न वकील और न गवाह और न न्यायधीश।

मनुष्य आखिर अपने को जीवन के परम उद्देश्य को प्राप्त करने को क्यों नहीं प्रयत्नशील होता? इसका कारण यह नहीं कि वह उस उद्देश्य को पा नहीं सकता, अपितु अपने चहुँ ओर जो वातावरण यथा सामाजिक, नैतिक, मौद्रिक आदि परिलक्षित होता है उससे आकर्षित होकर सही रास्ते से हट जाता है विदेशी पश्चिमी सभ्यताओं व् संस्क्रतिओं के आकर्षण, अपमिश्रण और संकरण के प्रभाव से हमारी सनातनी संस्कृति प्रदूषित होती चली गयी फलस्वरूप सनातनी समाज में मानवीय नैतिक मूल्यों का ह्रास चरम पर पहुँच गया इनके प्रति आकर्षण या कहे दबाव इतना अधिक व प्रभावशील था कि लोग फिर वापिस अपनी पुरानी व्यवस्थाओं से मोह भंग होने से पुन: नहीं लौट सके। संक्रमण और संकरण का ये सिलसिला अब अधिक सुगम भी हो गया है और आवागमन एवं संचार माध्यमों के चरम विकास से स्वत: फलफूल रहा है।

लेकिन पश्चिमी सभ्यताएं भी अपनी संस्कृतिओं से अब ऊबने लगी हैं क्योंकि वहां मानसिक शांति और संतुष्टि नहीं है और उसकी खोज में वहां के धनाढ्य लोग यदा कदा सब कुछ त्याग भारत की तरफ आकर्षित हो यहाँ कही कम जरूरतों के साथ जीवनयापन को महत्व देने लगे हैं। इसलिए जीवन में सत्संग और स्वाध्याय की बहुत अनुशंसा बताई गयी है। जन श्रुति के अनुसार **;खरबूजा खरबूजे को देख रंग बदलता है ;** बहुधा खिलाडिओं के ग्रुप में हम खिलाडी बनते देखते हैं, किसानों के साथ किसान, फ़ौजिओं के साथ व्यक्ति फौज में जाने का मन बनाता है, यह अक्सर देखा जाता है कि डॉक्टर का बेटा / बेटी डॉक्टर ही बनना पसंद करते हैं। इसी प्रकार अपराधी प्रवर्ति वालों के साथी बहुधा अपराधी बन जाते हैं इसलिए जो हम सदैव देखते हैं हमारा मानस वही पृष्टभूमि पकड़ने या बनने की कोसिश करता है। एक दूसरा पक्ष भी है वह यह कि मानव मूल्यों या नैतिक मूल्यों के विपरीत जाने में सुगमता लगती है जब कि मानवीय मूल्यों के धारण करने के लिए साधन करना पड़ता है और साध्य तो तभी सिद्धि होता है जब उचित वातावरण मिले और साथ में वांच्छित निर्देशन अथवा स्वाध्याय। निर्देशन योग्य व्यक्ति/गुरु ही प्रदान कर सकता है अन्य कोई नहीं वर्तमान समय में चिटिओं की भाँति गुरु, निर्देशक, अलग-अलग समुदाय, धर्म। संप्रदाय के अपनी अपनी दूकान चला रहे हैं और हम उनसे आकर्षित हो उनके पिछलग्गू बन जाते हैं। और इन तथाकथित दुकानों में अपार भीड़ होने पर व्यभिचार पनपने लगता है ऐसे कई गुरु आज अनैतिक कार्यों के कारण जेल की हवा खा रहे हैं। लेकिन उनके और अन्य के अनुयायी में कोई कमी नहीं है ऐसे लोगों की सलाह, शिक्षा, वैज्ञानिक न होकर रूढ़िवादी होती है जो अशिक्षित व्यक्ति को चारित्रिक पैमाने पर नीचे गिरा देती है। अत: सत्संग सदैव विद्वान व चरित्रवान का ही करना चाहिए अन्यथा गलत व पोंगापंडितों से खुद तो डूबते ही हैं परिवार के अपरिपव्व बच्चे भी भ्रमित हो अवांछनीय कृत्यों का शिकार हो जाते हैं।

अत: **;बड़े भाग पाइव सत्संगा, बिनहि प्रयास होहि भव भंगा; इसलिए अनुशंसा की जाती है कि; धर्म न दूसरि सत्य समाना, आगम निगम पुराण बखाना;** धर्म के रास्ते पर चलने की सिफारिश की जाती है। यहाँ धर्म का अर्थ हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध आदि से बिलकुल नहीं है, बल्कि धर्म वो है जो धारण करने योग्य है, यथा मानवीय मूल्य, नैतिकता, निश्छल प्रेम, परोपकार, अहिंसा, दया सत्य व् अपरिग्रह। इन सभी मूल्यों के धारण से व्यक्ति निर्विकार और निर्लिप्त हो अपना कार्य करता रहता है और द्वेष, राग से ऊपर उठ जाता है यही वाँछित उपलब्धि है मनुष्य या मानव कह लाने के लिए।

; तात स्वर्ग अपवर्ग सुख धरिय तुला एक अंग, तूल न ताहि सकल मिलि जो सुख लव सत्संग ;

–प्रो. (डॉ.) वीर बहादुर सिंह,
डेरी व खाद्य विज्ञ, पूर्व कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय, उदयपुर, राजस्थान

हिन्दु-मुस्लिम समुदाय कर रहे गायों का उपचार

बीदासर के ग्राम जीली में गौ उपचार में जुटे ग्रामीण।

बीदासर, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम जिली में गायों को लम्पी बीमारी से बचाव के लिए ग्राम के हिन्दु-मुस्लिम समुदाय एकजुट होकर सामाजिक एकता का संदेश देते हुए नि:स्वार्थ उपचार कार्य में लगे हुए हैं। ग्राम के श्याम सुंदर पारीक ने बताया कि सभी लोग एकजुट होकर गोमाता की सेवा कर रहे हैं और जाति व धर्म से इतर सभी लोग आज गाय माता पर जो आपदा आई है उसको सभी मिलजुल कर दूर कर रहे हैं। लगभग 20 दिनों से ग्राम की श्रीगोपाल गो सेवा समिति के निर्देशन में कार्य कर रही ग्राम की टीमों ने पूरे गांव व आस-पास के क्षेत्र की गायों 40 गायों को ठीक कर दिया। गोशाला में कुल 220 गायें है जिनमें से 20 गायें रोग से ग्रसित है तथा 25 गायें आइसोलेशन में है। इनके अतिरिक्त 150 आवारा बीमार गाये है जिनमें से 25 गाय ज्यादा संक्रमित है। इन गायों पर फिनायल और सोडियम हाइपोक्लोराइड के द्वारा का छिड़काव किया जा रहा है तथा दवाई व आयुर्वेदिक काढा लगातार गायो को दिया जा रहा है। गांव में पशुचिकित्सक रिया द्वारा सुबह शाम गायो की देखभाल की जा रही है। ग्राम के सरपंच हरदेवाराम ने कहा कि गांव के हिन्दू और मुस्लिम मिलकर गो माता की सेवा कर रहे है। ऐसे ही सभी को मिलकर गोसेवा करनी चाहिए जिससे इस मुश्किल समय में गोमाता को इस भयंकर बीमारी से बचाया जा सके। ग्रामीणों ने बताया की प्रशासन के द्वारा इस मुश्किल समय मे गायो को किसी भी प्रकार की कोई भी सुविधा गांवों में उपलब्ध नही करवाई गई है।

> **■ लम्पी बीमारी से बचाव के लिए एकजुट होकर सामाजिक एकता का संदेश दे रहे हैं**

गौ उपचार में लगी टीमों में ग्रामवासी श्यामसुंदर पारीक, हरफूल बागडा, हरदेवराम बागड़ा, प्रेम सिंह भाटी , ताहिर वेलिम, अदरमान, आसिफ, श्याम सुंदर भार्गव, पुखराज, शिवराज, नाथुराम बागड़ा, सुरजाराम भार्गव, भोमसिंह, देवाराम, जयनारायण लुहार, देवाराम बांगड़ा, मूलचंद बांगड़ा, मनफूल, रामदेवराम , राकेश बांगड़ा, अल्ताफ , इदरीश गौरी, कमलसिंह सहित अनेक ग्रामीण गौ उपचार के कार्य में लगे हुए हैं।

आदिवासी बालिका की कल्पना 'व्हाट इज दिस' किताब युवाओं में बनी प्रेरणा स्त्रोत

एक बालक के जीवन पर आधारित है किताब, तीन साल में पूरा किया लेखन कार्य

लालसोट क्षेत्र की सबसे कम उम्र की लेखिका बनी अंजलि जोरवाल।

लालसोट/दौसा, (निसं)। मंडावरी गांव की रहने वाली आदिवासी बालिका अंजली जोरवाल द्वारा नाबालिग रहते हुए लेखन की गई कल्पना 'व्हाट इज दिस' नाम की किताब युवाओं में प्रेरणा का स्त्रोत बनी है।

अट्ठारह वर्षीय अंजलि क्षेत्र की पहली एसी बालिका लेखक है जिसने महज 10 साल की उम्र में लिखने का जज्बा पैदा किया एवं 15 साल की उम्र से पहली किताब को लिखने की शुरुआत कर बाल अवस्था समाप्त होने के साथ ही युवा अवस्था के पहले पायदान में ही आतंकवाद के बाद युद्ध जैसी घटनाओं को पनपने पर उससे पैदा हुए हालात एवं उन हालातों से जूझ रहे विषय आधारित एक नाबालिक बालक की जीवनी पर लिखी गई किताब प्रकाशित कर युवाओं को प्रेरणा स्त्रोत बनी है एवं किताब ऑनलाइन काफी चर्चित भी हो रही है।

अंग्रेजी माध्यम में प्रकाशित की गई है किताब व्हाट इज दिस कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है। लेखिका अंजलि ने बताया कि लेखन का कार्य को लेकर उनके दादाजी प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा की दृढ़ता से प्रेरणा मिली है। आदिवासी बालिका अंजलि द्वारा लिखी गई किताब व्हाट इज दिस ऐसी पुस्तक है जो समसामयिक आकर्षक विषय के कारण चर्चा का विषय भी बनी हुई है। अंजलि बताती हैं कि उसके द्वारा आईआईटी में चयन होने से पहले पुस्तक लिखने का दौर जारी था एवं रुड़की आईआईटी कॉलेज में अध्ययन के दौरान इस अंग्रेजी माध्यम की किताब को अंतिम रूप देकर प्रकाशन किया गया। जहां पहली बार पुस्तक लिखने के दौरान उसमें हुई त्रुटियों को उसके सहपाठियों द्वारा किताब में कमियों के बाद की गई आलोचना ने तेजी से बेहद और अच्छे लेखन के अवसर प्रदान किए साथ ही उन्हें लेखन और निखारने का मौका भी मिला। जब वह 10 साल की थी तो उनके द्वारा किताब लिखने का मानस बनाया गया था लेकिन पर्याप्त समझ के अभाव के साथ लेखन कौशल की कमी के चलते समय रहते किताब लिखने का पूरा कार्य नहीं कर पाई थी।

अंजलि ने बताया कि लेखन कार्य को लेकर उनके पिता एडवोकेट एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव रहे कमल मीणा में उनकी माता सुमन मीणा द्वारा नियमित रूप से लिखी जा रही किताब की प्रगति के बारे में पूछ कर प्रोत्साहित किया जाता था इसके कारण लेखन कार्य में ज्यादा बल मिलता था। ग्रामीण क्षेत्र की आदिवासी समुदाय की संभवत पहली बालिका होने के कारण उम्मीद की जा रही है कि अंजलि द्वारा लिखी गई अंग्रेजी माध्यम की इस पुस्तक व्हाट इज दिस को लेकर उनको गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड के खिताब में शामिल किया जा सकता है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 22 अगस्त, 2022

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2079, मृगशिरा नक्षत्र प्रात: 7:41 तक, वज्र योग रात्रि 11:39 तक, बव करण सांय 4:52 तक, चन्द्रमा मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज एकादशी व्रत स्मार्तों का है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:41 तक, शुभ 9:17 से 10:54 तक, चर 2:06 से 3:42 तक, लाभ-अमृत 3:42 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:05, सूर्यास्त 6:54

मेष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सुसंदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों में प्रगति होगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कर्क

व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा है। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

ग्रामीण ओलंपिक खेल 29 से

बीकानेर। ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पहल पर नवाचार के रूप में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल 29 अगस्त से शुरू होंगे।इसके लिए जिले में 8 हजार 387 टीमों का गठन कर दिया गया है। इन टीमों के बीच छह खेलों की स्पर्धाएं ग्राम पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर पर होंगी।

इन खेलों का पूर्वाभ्यास शनिवार को प्रारंभ हुआ तो गांव-गांव के स्कूली विद्याथिर्यों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना देखी जा सकती थी। सभी खिलाड़ी अपनी टीम को विजेता बनाने के उद्देश्य से अभ्यास के लिए उतरे। यह पूर्वाभ्यास 28 अगस्त तक चलेगा। उल्लेखनीय है कि जिले से 1 लाख 12 हजार 551 खिलाडि़यों ने पंजीकरण करवाया है। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नित्या के. ने बताया कि जिले में ग्रामीण ओलंपिक खेलों की तैयारी परवान पर है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल मैदानों का चिन्हीकरण कर लिया गया है। खेल सामग्री की खरीद शुरू कर दी गई है। रेफरी भी नियुक्त कर लिए गए हैं। विभिन्न माध्यमों से इन खेलों का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा।

लोकदेवता बाबा रामदेवजी के जागरण में रातभर झूमें श्रद्धालु

बीकानेर। कोटगेट व्यापार मंडल द्वारा शनिवार की रात्रि 20 अगस्त 2022 को कोटगेट पर लोक देवता श्रीबाबा रामदेवजी का द्वितीय विशाल जागरण का आयोजन किया गया। जो रविवार की भौर तक चला।

जागरण आयोजनकर्ता राजीव मदान ने बताया कि बाहर के और स्थानीय भजन गायक कलाकारों ने रातभर बाबा की महिमा का गुणगान कर उपस्थित बड़ी की तादात में श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। जागरण कार्यक्रम की शुरुआत जोधपुर के भजन कलाकार ललित मेहरिया ने बाबा की जोत आरती एवं गणेश वंदना के साथ की।

इसके बाद राजस्थान ओर बीकानेर के सुपर प्रसिद्ध भजन गायक कलाकार रफीक सागर ने एकर तो दरबार मे बुला दीजे, भक्त खडे तेरे द्वार लिया छोटी सी अरदास, बाबे रे दरबार मे बाजे मार गमागम ओर बाबा माने दर्शन देवों जैसे अपने लिखे भजन गाकर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

श्रीगंगानगर की भजन गायिका सुनिता बागडी ने नाच नाच के आयो रे पसीनों, बाप जी मेलों आयो करो जय जयकार, बेगा चालो डीजे रा धमीडा जोर सुं लागे,शिवजी की बारात चली बन ठन के जैसे भजनों को गाकर बागडी ने मौजूद युवाओं को खूब नचाया। मुम्बई के गायक राजा अलबेला ने बीरा म्हारा रामदेव रे, ध्यान लगावों बाबे रो ओर नफरत की दुनिया छोडकर खुश रहना मेरे यार, बीकानेर के युवा भजन गायक कलाकार मुदित प्रजापत ने मनडे रो मोरियों बोल्यो रे बाबा खम्मा घणी जैसे भजन गाया।

न्याज हसन एवं मास्टर नानू व्यास ने भी अपने भजनों की प्रस्तुतियां दी।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उधोगपति रामदेव अग्रवाल, विशिष्ठ अतिथि बीकानेर नगर निगम महापौर सुशीला कंवर, पूर्व न्यास अध्यक्ष हाजी मकसूद अहमद, बीकानेर देहात भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिव प्रजापत, हिन्दू जागरण मंच के जेठानंद व्यास, राम जी हलवाई, कार्ग्रेस नेता अनवर अजमेरी, बाबु लाल सोनी,राज मोदी पहुंचे थे।

कोटगेट व्यापार मंडल द्वारा शनिवार की रात्रि को कोटगेट पर लोक देवता श्रीबाबा रामदेवजी का द्वितीय विशाल जागरण का आयोजन किया गया

बीमारी रोक के लिए पच्चीस लाख रुपये मंजूर

बीकानेर। केन्द्रीय संसदीय कार्य एवं संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने क्षेत्र में गौवश में फैल रही लम्पी स्किन बीमारी की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए अपने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि कोष में से 25 लाख रू. की राशि उपलब्ध कराई गई ताकि गौवंश का ईलाज हो सके।

अर्जुन राम मेघवाल ने बताया की गौवंश में लम्पी नामक संक्रामक बीमारी फैलने के कारण पशुओं की निरंतर मृत्यु हो रही है। इस भयानक बीमारी से पशुओं की त्वचा पर गांठदार रोग होने के कारण पशुपालकों के लिए संकट खड़ा हो गया है। गोवंश की हो रही निरंतर मृत्यु की वजह से पशुपालकों की आजीविका पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इस गंभीरता को देखते हुए अर्जुन राम मेघवाल द्वारा अपने स्थानीय क्षेत्र विकास निधि कोष में से 20 लाख रू. की राशि बीकानेर जिले व 5 लाख रू. की राशि संसदीय क्षेत्र के अनुपगढ़ विधानसभा के लिए जारी की गई है ताकि वर्तमान में गौवंश में चल रही लम्पी स्किन जैसी भयानक बिमारी पर नियंत्रण पाया जा सके।

सार-समाचार

सलावद महासंघ में बने मीडिया चेयरपर्सन

बीकानेर। अनुसूचित जाति/जनजाति संगठनों का महासंघ अखिल भारतीय महासंघ (रजि.) का प्रांतीय अधिवेशन सुश्रुत सभागार,सवाई मानसिंह चिकित्सालय परिसर जयपुर में आयोजित हुआ जिसमे महासंघ के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजि.राजेंद्र प्रसाद,राष्ट्रीय प्रधान महासचिव के पी चौधरी व प्रदेशाध्यक्ष रामस्वरूप मीणा द्वारा घोषित प्रांतीय कार्यकारणी में शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद को सर्व सहमति से महासंघ में प्रदेश मीडिया चेयरपर्सन व सांस्कृतिक सचिव बनाया गया है।

बैठक 27 व 28 को बैठक

बीकानेर। भारतीय रेलवे मजदूर संघ के पश्चिम क्षेत्र के 5 जोनल रेलवे के प्रतिनिधि की बीकानेर में27 व 28 अगस्त 2022 को प्रस्तावित बैठक को लेकर -आज उत्तर पश्चिम रेलवे कर्मचारी संघ की एक बैठक आहूत की गई जिसमें उक्त बैठक से संबंधित सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई. इस दौरान महामंत्री अजय कुमार त्रिपाठी ने बैठक की तैयारियों का जायजा लिया और इसकी सफलता हेतु आवश्यक निर्देश दिये. बैठक में जगदीश शर्मा, दीन दयाल पूनिया, हनुमान दास, सुनील शादी, शैलेंद्र सिंह, महिपाल सिंह शेखावत, महेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

निशुल्क मैराथन क्लास

बीकानेर। सेक्टर नंबर 3 मुक्ता प्रसाद मेंआज क्षितिज क्लासेस व अर्पण सेवा समिति के द्वारा छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य हेतु सामान्य ज्ञान व करंट अफेयर की निशुल्क मैराथन क्लास का आयोजन किया गया । हेमंत सर ने सामान्य ज्ञान के बारे में बच्चों को पढ़ाया। अर्पण सेवा समिति की महिला जिलाध्यक्ष चंचल साखंला व सचिव रानी पारीक ने दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना की। कार्यक्रम के अंत में अर्पण सेवा समिति के सभी सदस्यों का मालार्पण करते हुए सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में राजकुमार भाटिया आदि मौजूद थे।

भगवान पार्श्वनाथ की शोभायात्रा निकली

बीकानेर। साध्वी मृगावती, सुरप्रिया व नित्योदायाश्रीजी के सान्निध्य रांगड़ी चौक के सुगनजी महाराज के उपासरे में चल रहे भगवान शंखेश्वर पार्श्वनाथ के जाप की पूर्णाहूति पर रविवार को गाजे बाजे से शोभायात्रा निकली। मास खमण (एक माह तक सीमित गर्म जल के साथ उपवास) करने वाली मनीषा कोचर पत्नी उपेन्द्र कोचर का अभिनंदन किया गया। तपस्वी भी गाजे बाजे के साथ जिन मंदिरों में चैत्य वंदन करते हुए उपासरे पहुंची थीं। उपासरे में उन्होंने साध्वीवृंद से आशीर्वाद लिया तथा जिनालयों में लड्डू चढ़ाएं ।

साध्वीवृंद के नेतृत्व में भगवान शंखेश्वर पार्श्वनाथ की शोभायात्रा सुगनजी महाराज के उपासरे से रवाना होकर चिंतामणिजी, आदिश्वरजी, शांतिनाथजी आदि मंदिरों से होते हुए रामपुरिया मोहल्ले के नाहटा निवास पहुंची। शोभायात्रा में श्रावक-श्राविकाएं देव, गुरु व धर्म के नारे लगा रहे थे। भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा को अरिहंत नाहटा व सोनम नाहटा हाथ में लिए हुए चल रहे थे। शोभायात्रा में बैंड नवंकार महामंत्र की धुन बजा रहा था।

मेघाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन

हनुमानगढ़। क्षेत्र के गांव मेघाना स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत होने पर विधायक अमित चाचाण द्वारा उद्घाटन किया गया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व पालिकाध्यक्ष राजेन्द्र चाचाण ने की।

कार्यक्रम में दो दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीण व जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इस मौके पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को क्रमोन्नत करवाने पर विधायक अमित चाचाण का अभिनंदन भी किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि लम्बे समय से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को क्रमोन्नत करने की मांग की जा रही थी। क्रमोन्नत होने के बाद 27 से अधिक गांवों को लाभ होगा। कार्यक्रम में विधायक ने गांव के संस्कृत विद्यालय में विधायक कोटे से दो कमरे व नेहराना व दुर्जाना में शमशान भूमि की चारदीवारी बनाने की घोषणा की। इस मौके पर ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए विधायक अमित चाचाण ने कहा कि मेघाना का स्वास्थ्य केन्द्र क्रमोन्नत होने पर चिकित्सा सुविधाए बढ़ेगी। आस-पास के गांवों के रोगियों को अब इलाज के लिये अन्यत्र नही जाना पड़ेगा। विधायक ने कहा कि उनका प्रयास हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं को और सुदृढ किया जाये। चाचाण ने बताया कि जल्द ही मेघाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन के निर्माण हेतु बजट जारी होगा। विधायक अमित चाचाण ने बताया कि नोहर राजकीय चिकित्सालय में हाल ही के वषो में सुविधाओं में भारी इजाफा हुआ हैं। जिला स्तरीय चिकित्सालय के समकक्ष सुविधाए नोहर चिकित्सालय में मिल रही हैं। चाचाण ने कहा कि ऐसा कोई भी क्षेत्र नही जहां विकास कार्य नही हुये हो। पंचायत समिति प्रधान सोहन ढ़िल ने कहा कि कांग्रेस के शासन में नोहर विधानसभा क्षेत्र में विकास के नये आयाम स्थापित हुये हैं। इस मौके पर दलीप तेतरवाल, सुरेन्द्र भारी, रामचंद्र मील, सरपंच बुधराम शर्मा, देवीलाल रोहिला, सुरेश सोनी, सुभाष डुडी,ओम कठोतिया, विकास सहु, कुरड़ाराम सहु, रजीराम सहु, गोपाल पूनिया, कुलदीप भाटी, करनेल सहारण, कृष्ण सहारण, गोविन्द सिराव, तुलछाराम मेघवाल, हनुमान सहु, रणजीत सिंह राठौड़ आदि मौजूद थे।

यात्रियों की सेवा करेगी शिवक्ति पीठ

बीकानेर। भादवा शुरू होने के साथ ही मेलों का दौर शुरू हो जाता है और भक्त अपने अराध्य को मनाने के लिये पैदल धोक लगाने के लिये प्रभू के द्वार पहुंचते है। रामदेवरा में दसमी को भरने वाले वार्षिक मेले के लिये पैदल यात्रियों की रवानगी शुरू हो गई है।

इन पैदल यात्रियों के सेवा सुश्रुषा के लिये स्वयंसेवी संगठनों ने भी कमर कस ली है। दो साल बाद होने वाले मेलों को लेकर स्वयंसेवी संस्थाओं की ओर से पैदल जातरूओं की सेवा के लिये सेवा शिविर लगाएं जाएंगे। इसी कड़ी में श्री व शिवशक्ति साधना पीठ और राम राम परिवार द्वारा बाबा रामदेव यात्रियों के लिए गजनेर में नींबू शिकंजी और ठंडे जल की सेवा दी जाएगी। जिसके पोस्टर का लोकार्पण रविवार को पंडित नथमल पुरोहित द्वारा किया गया। संस्था से जुड़े संदीप किराडू ने बताया की विमोचन अवसर पर एड मदन गोपाल व्यास, प्रहलाद सेवग, श्रीमोहन किराडू, रमेश प्रधान, गोपीकि शन, गोविन्द व्यास, अभिशेष किराडू आदि मौजूद रहे। पंडित मनमोहन किराडू की प्रेरणा से शिवशक्ति साधना पीठ और राम राम परिवार द्वारा यह सेवा पिछले 8 सालों से यात्रियों की सेवा कर रही है।

बाल भक्तों ने किया भगवान गजानंद अभिषेक

बीकानेर के दाउजी रोड गणेश मंदिर में बाल भक्तों ने भगवान गजानंद का अभिषेक किया।

बीकानेर। ओ माई फ्रेंड गणेशा तू रहना साथ हमेशा की भावना के साथ दाउजी रोड स्थित आदि गणेश मंदिर में बाल भक्तों ने भगवान गजानंद का अभिषेक कर मनवांछित फल की कामना की। बाल भक्तों ने भगवान गणेश का दूध,दही,पंचामृत, केसर,चीनी,शहद से अभिषेक किया। पण्डित सुनील व्यास व विजय श्रीमाली ने मंत्रोच्चारण के साथ बाल भक्तों ने गणेशजी को रिझाया। आयोजन से जुड़े किशन व्यास अभिषेक में तीन माह के बालक से लेकर दस साल तक के नौनिहालों ने हिस्सेदारी निभाई। पूरा प्रांगण बच्चों द्वारा किये गजानंद के जयकारों से गूंज उठा। व्यास ने बताया कि गणेश चतुर्थी पर सुबह 4 बजे अभिषेक से कार्यक्रम होगा। इसके बाद जन्मोत्सव आरती व रात्रि कालीन जागरण किया जाएगा। वहीं 30 व 31 अगस्त को देश व राज्य की सुख समृद्धि तथा शांति के लिए दो दिवसीय पंचकुण्डीय यज्ञ पं.राजेन्द्र किराडू के आचार्यत्व में वेदपाठी ब्राह्मण करेंगे। गणेश चतुर्थी के जन्मोत्सव आरती दोपहर 12 बजे होगी, जिसमें वक्रतुण्ड को 2151 किलो का प्रसाद चढ़ाया जाएगा। शाम को जागरण होगा। इसमें भक्त मंडल के अशोक बांठिया,राजेन्द्र व्यास, मनोज के बिस्सा, सोमदत्त पुरोहित आदि प्रस्तुति देंगे।

जर्जर मकान धराशायी हुआ

बीकानेर, शहर के परकोटे में देखभाल के अभाव में जर्जर हुए पुराने मकान गिर रहे हैं। पूर्व में बिन्नाणी चौक व मोहता चौक के पास मकान गिरने के बाद अब चाय पट्टी एरिया में एक मकान गिर गया। गनीमत रही कि उस समय घर में कोई नहीं था, इसलिए जनहानि नहीं हुई।

चाय पट्टी के पास आसानियों के चौक की गली में नन्दलाल सिंह राजपूत का मकान लंबे समय से जर्जर अवस्था में था। इस मकान के गिरने की आशंका अर्से से बनी हुई थी। रविवार सुबह अचानक ये मकान गिर गया। छत्त की पट्टियों सहित सब कुछ मलबे में तब्दील हो गया। उस समय घर में कोई नहीं था। कुछ लोगों को यहां से बाहर भी निकाल लिया गया। जब मकान गिरा तो आसपास काफी तेज आवाज सुनाई दी। लोग दौड़कर यहां पहुंचे। आसपास के युवाओं ने मलबे में किसी के फंसने की आशंका में सार संभाल की लेकिन कोई नहीं मिला। बाद में कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने ही बाद में नगर निगम के अधिकारियों को सूचना दी। अब मलबे को हटाकर रास्ता फिर से चालू किया जा रहा है। इसी मकान में व आसपास भी काफी लोगों की चहल पहल रहती है।

डूंगर कॉलेज छात्रसंघ चुनाव हेतु मुस्तैद

बीकानेर। संभाग के सबसे बड़े राजकीय डूगर महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव की तैयारियां की पूर्ण कर ली गई है। प्राचार्य डॉ. जी.पी.सिंह ने बताया कि चुनाव के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. इन्द्र सिंह राजपुरोहित रहेगें तथा चुनाव संचालन समिति के प्रभारी डॉ. देवश खण्डेलवाल एवं लिंगदोह समिति के प्रभारी डॉ. राजेन्द्र पुरोहित को नियुक्त किया गया हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि मतदाता सूचियों का प्रकाशन कर दिया गया है तथा कुल वोटर की संख्या 9134 है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. इन्द्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि सोमवार 22 अगस्त को प्रात: 10 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव एवं कक्षा प्रतिनिधियों के उम्मीदवारी हेतु नामांकन पत्र दाखिल करने का समय रहेगा तथा उसी दिन सायं 5 बजे तक आपत्तियां प्राप्त की जावेगी। 23 अगस्त को दोपहर 2 बजे तक नाम वापिस लिये जा सकेगें। उम्मीदवारों की अंतिम नामांकन सूचि का प्रकाशन मंगलवार 23 अगस्त की शाम को कर दिया जावेगा। मतदान दिवस 26 अगस्त को मतदान का समय प्रात: 8 बजे से 1 बजे रहेगा एवं मतगणना 27 अगस्त को 10 बजे से प्रारम्भ होगी एवं उसी दिन विजयी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जावेगी।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विद्याथिर्यों को फोटो पहचान पत्र के वितरण का कार्य निरंतर जारी है एवं विद्यार्थी कार्यालय समय में अपना पहचान पत्र 25 अगस्त को सायं 3 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं। उन्होने विद्याथिर्यों से समय रहते पहचान पत्र महाविद्यालय से प्राप्त करने की अपील की। डॉ. इन्द्र सिंह ने बताया कि मतदान दिवस को बिना फोटो पहचान पत्र के महाविद्यालय में प्रवेश एवं मतदान की अनुमति नहीं होगी।

नोडल अधिकारी ने निरीक्षण किया

हनुमानगढ़। जिले में लम्पी स्किन डिजीज नियंत्रण हेतु मॉनिटरिंग को लेकर गोपालन विभाग द्वारा लगाए गए नोडल अधिकारी संयुक्त निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने रविवार को जिले का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान जि़ले में पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. ओम प्रकाश किलानियां संयुक्त निदेशक पशुपालन एवं वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश कुमार गाँधी नोडल अधिकारी के साथ रहे।

डॉ. किलानिया ने बताया कि नोडल अधिकारी द्वारा जिले में लंपी स्किन डिजीज रोग की रोकथाम, उपचार एवं नियंत्रण हेतु किये जा रहे प्रयासों का निरीक्षण किया गया। जिले की विभिन्न गौशालाओं का भ्रमण कर गौशाला संचालकों से वस्तुस्थिति की जानकारी ली गई। गौशालाओं में रोग नियंत्रण सम्बन्धी किये जा रहे प्रयास, मक्खी, मच्छर से बचाव हेतु कीटनाशक घोल का छिडकाव, गौशाला की सफाई व्यवस्था, मृत गौवंश का निस्तारण का जायजा लिया गया।

जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष का आव्हान

बीकानेर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का 23वां जिला सम्मेलन मदन अजमानी भवन में रामेश्वर शर्मा. लक्ष्मी नारायण वर्मा.कॉ प्रसन्न कुमार शर्मा के अध्यक्ष मंडल के समक्ष आयोजित किया गया।

सम्मेलन में राज्य पर्यवेक्षक राज्य सचिव नरेन्द्र आचार्य ने सम्मेलन का उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में केन्द्र सरकार की जनविरोधी नीतियों से जनता त्रस्त है। महंगाई.बेरोजगारी चरम पर है। देश की सार्वजनिक सम्पतियों को बेचा जा रहा है। देश की अर्थव्यवस्था आईसीयू में पहुंच गई है। देश के लोकतंत्र.संविधान. साम्प्रदायिक सौहार्द के समक्ष गंभीर चुनौतियां है। इसके लिये हमें एक जुट होकर व्यापक एकता जरूरी है। सम्मेलन में जिला सचिव कॉ हनुमान सिंह धारीवाल ने गत् तीन वर्षों की रिपोर्ट प्रस्तुत की. जिस पर जिले की समस्त तहसीलों से आये प्रतिनिधियों ने बहस में भाग लिया.उसके बाद रिपोर्ट पारित सर्वसम्मति से की गई। सम्मेलन में बेरोजगारी. मँहगाई. बिजली. पानी की समस्या.गायों को लम्पी बीमारी.सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति सहित कई प्रस्ताव पारित किये गये. जिस पर आने वाले दिनों में संघर्ष किया जायेगा। सम्मेलन में पार्टी के राज्य सम्मेलन जो 27 और 28 सितम्बर को बीकानेर में आयोजित होने जा रहा है. उसके लिये 11 सदस्यों प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया।

सम्मेलन में 21 सदस्य जिला कौसिंल का चुनाव किया गया। इसमें कॉ अविनाश व्यास को जिला सचिव.कॉ सरजू गहलोत एवम् कॉ मल्ला सिंह को सहायक सचिव चुना गया। कॉ महेश जोशी को कोषाध्यक्ष चुना गया। सम्मेलन में सर्वप्रथम पार्टी का ध्वजारोहण किया गया तथा शहीदों की बेदी पर पुष्पांजली दी गई। सम्मेलन में शोक प्रस्ताव पारित किया गया।

बाबा रामदेवजी का जागरण आज

बीकानेर। सार्दुल गंज में श्री बाबा रामदेव गार्डन (सी 77) रोटरी कूब के सामने सोमवार को बाबा रामदेवजी का जागरण होगा। जागरण में सुप्रसिद्ध कलाकार भक्तिगीतों के साथ नृत्यों की प्रस्तुति देंगे।

बाबा रामदेवजी के जागरण के आयोजक रामदेव अग्रवाल ने बताया कि जागरण रात आठ बजे शुरू होगा। जिसमें राजस्थान के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा बाबा का गुणगान, भव्य झांकियां, शिव तांडव नृत्य, भगवान श्री कृष्ण लीला, कृष्ण सुदामा मिलन एवं अन्य झांकियों का प्रदर्शन भक्ति गीतों के साथ प्रस्तुति दी जाएगी।

जागरण स्थल पर बाबा रामदेवजी का दरबार सजाया जाएगा तथा अखंड ज्योत प्रज्जवलित की जाएगी । जागरण स्वर्गीय हुलास चंद व आत्माराम अग्रवाल रंगवाला की स्मृति में रखा गया है। जागरण में बाबा रामदेव कटला व श्रीराम मार्केट के व्यवसाइयों की भी सक्रिय भागीदारी रहेगी।

'जीने का आनन्द व्यवहार में सुधार से'

बीकानेर। श्री शान्त क्रान्ति जैन श्रावक संघ के 1008आचार्य श्री विजयराज जी महाराज साहब ने मनुष्य जीवन में चार बातें अमूल्य बताई हैं।

इनमें पहली बात मनुष्य की इज्जत, दूसरी स्त्री का शील, तीसरी माता का प्रेम और चौथा पिता का कर्तव्य है। साथ ही कहा कि जिनका कोई मूल्य नहीं होता, उसे अमूल्य कहा जाता है। जैसे आदमी मूल्य देकर पहनने के कपड़े, जूते, चप्पल, सोना- चांदी खरीद सकता है लेकिन मनुष्य की इज्जत अमूल्य है, इसे पैसों से नहीं खरीद सकते। आचार्य श्री ने कहा क इज्जत तो सदाचार से बनती है। अगर जीवन में सदाचार है तो इज्जत है। दुराचारी की कोई इज्जत नहीं होती और बगैर सदाचार के हम इज्जत नहीं बना सकते।

दूसरी अमूल्य बात है नारी का शील, शीलवती नारी भी अमूल्य होती है। शीलवती नारी का शील ही उसे आदर, सम्मान दिलाता है। तीसरा माता का प्रेम होता है। प्रेम शब्द का उच्चारण करते ही मां याद आती है या फिर महात्मा और फिर परमात्मा की याद आती है। मां का प्रेम निश्छल होता है। चौथा पिता का कर्तव्य, जो कर्तव्य पालन अपनी संतान के लिए एक पिता करता है, वह कोई अन्य नहीं कर सकता। इसलिए यह चार चीजें महापुरुषों ने अमूल्य बताई है और यह हमें प्राप्त हो जाती है लेकिन कब...?, जब हमारे जीवन का व्यवहार सुधरता है।

महाराज ने श्रावक-श्राविकाओं से प्रश्न किया कि क्या आपको जीवन में रस या आनन्द आ रहा है। फिर उनके मन की जिज्ञासाओं को शांत करते हुए कहा कि बहुत कम व्यक्ति जीवन का रस ले पाते हैं। अधिकांश तो केवल जीने के लिए जीते हैं। उन्हें आनन्द की अनुभूति नहीं होती है। क्योंकि उनकी दृष्टि में आनन्द है ही नहीं, जब दृष्टि में आनन्द होगा तो जीवन में आनन्द की अनुभूति होगी।

गौमाता के लिए अनोखी ध्वज यात्रा

हनुमानगढ़। रविवार को गौशाला सेवा समिति की ओर से गौमाता के अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए गौधर्म ध्वज यात्रा निकाली गई। यात्रा से पहले विधिवज पूजा-अर्चना की गई। जिसके बाद में जंक्शन दुर्गा मन्दिर धर्मशाला के हॉल में भजन संध्या का आयोजन किया गया।

गौधर्म ध्वज यात्रा दुर्गा मन्दिर धर्मशाला से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई रेलवे स्टेशन, भगत सिंह चौक, बालिका स्कूल होते हुए अबोहर रोड स्थित गौशाला पहुंची। जहां यात्रा का समापन किया गया। यात्रा में सबसे आगे गौ ध्वज उठाए श्रद्धालु और उसके पीछे मुख्य यजमान सिर पर गीता धारण किए शोभायात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। वहीं इस दौरान महिलाएं भी भक्तिगीत गाती नजर आईं।

गौशाला समिति अध्यक्ष इन्द्र हिसारिया ने बताया कि 22 अगस्त से 31 अगस्त तक संगीतमय गीता पाठ और श्रीरामायण पाठ का आयोजन होगा। जिसमें 702 पाठ पाठवाचक वृंदावन से करेंगे। 1 सितम्बर ऋषि पंचमी को रामायाण और गीता का पाठ किया जाएगा।

परिवार घर में सोया रहा, चोर ले गए नकदी-गहने

श्रीगंगानगर। जिले के समेजा कोठी थाना क्षेत्र के गांव भोमपुरा में मकान में नकदी और गहने चोरी होने का मामला सामने आया है। तड़के हुई चोरी के समय परिवार के सभी लोग घर में ही सोए थे। इसके बावजूद चोरों ने घर के सभी ताले तोड़ दिए और आसानी से घर में रखे गहने और नकदी चुरा लिए। इस संबंध में पीड़ित ने शनिवार देर शाम समेजा कोठी थाने में मामला दर्ज करवाया।

पीड़ित गांव भोमपुरा के नविंद्र कुमार पुत्र हंसराज की ओर से समेजा कोठी थाने में दर्ज मामले में कहा गया कि शुक्रवार रात वह उसकी पत्नी, दोनों बेटे संजय कुमार और सुनील कुमार तथा पुत्रवधु घर में ही सोए थे। आधी रात के बाद करीब दो बजे से चार बजे के बीच अज्ञात चोरों ने घर में प्रवेश किया और घर की अलमारियों के ताले तोड़ दिए। इन लोगों ने अलमारी में रखे एक सोने का एक मंगलसूत्र, आठ अंगूठियां, चार जोड़ी पायजेब, एक अन्य गहना और करीब साठ से पैंसठ हजार रुपए चुरा लिए।

मकान मालिक नविंद्र कुमार सुबह उठे तो सामान बिखरा और ताले टूटे देख उन्हें वारदात का पता लगा। इस पर उन्होंने पत्नी और बेटों को जगाया। घर की अलमारियां जांचीं तो इसमें रखे गहने और करीब साठ से पैंसठ हजार रुपए गायब मिले। इस पर वारदात की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से जानकारियां जुटाई। आसपास के सीसीटीवी फुटेज के जरिए भी पुलिस आरोपियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है।

इसके अलावा सूरतगढ़ जिले में जिला पुलिस की स्पेशल टीम व सूरतगढ़ सिटी पुलिस ने अवैध नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। तस्करों से पुलिस को 1 किलो 500 ग्राम अफीम भी बरामद हुई व तस्करी में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी भी जब्त की है।

थाना अधिकारी रामकुमार लेघा ने बताया कि हाईवे पर होमगार्ड के खेल मैदान के नजदीक झाडि़यों में संदिग्ध रूप से बोलेरो गाड़ी खड़ी होने की सूचना मिली। जिस पर टीम ने दबिश दी तो आरोपियों ने भागने का प्रयास किया। टीमों ने पीछा कर गाड़ी को रुकवा कर तलाशी ली, तो गाड़ी से 1 किलो 500 अफीम बरामद हुई।

होनहार विद्यार्थियों को बांटी छात्रवृति

बीकानेर । शाकद्वीपीय ब्राह्मण उच्च शिक्षा समिति ने प्रदेश के होनहार बालक बालिकाओं को तीन लाख पांच हजार की छात्रवृति व प्रोत्साहन राशि वितरित की । सविता साहुकारी समिति को समर्पित इस चतुर्थ संस्करण में भगवान भास्कर, मां सरस्वती की पूजा अर्चना के बाद समिति के स्व. गोपाल दास शर्मा, स्व. लालचंद शर्मा व स्व. पं. रामदेव शर्मा को नमन किया गया ।

श्यामौजी वसंज मूंधाड़ा भोजक सेवगान बगीची परिसर में रेलवे के एडीआरएम निर्मल कुमार शर्मा और बीकानेर के अतिरिक्त जिला समन्वयक गजानंद सेवग के मुख्यातिथ्य में संपन्न और बीएसएनएल के पूर्व महाप्रबंधक महेश भोजक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में जयपुर के तोलाराम भोजक, नागौर के दिनेश शर्मा, फतेहपुर के रविशंकर भोजक, सरदार शहर के राजीव भोजक, बंगलौर के कमल किशोर भोजक विशेष अतिथि थे

पर्वतारोही आर. के.शर्मा ने समिति के उद्देश्य की संपूर्ण जानकारी देते हुए बीकानेर से बाहर के आए विधार्थियों का परिचय करवाते हुए आज के आयोजन को संचालित किया ।

पांच दिवसीय महिला प्रशिक्षण शिविर शुरु

गायत्री शक्तिपीठ पुरानी गिन्नानी बीकानेर में पांच दिवसीय महिला प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ।

बीकानेर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की जिला शाखा गायत्री शक्तिपीठ पुरानी गिन्नानी बीकानेर में पांच दिवसीय महिला प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ केन्द्रीय प्रशिक्षण टोली द्वारा वेद मंत्रोच्चार से देवपूजन कर किया गया। गायत्री परिवार ट्रस्ट प्रबंध ट्रस्टी पवन कुमार ओझा ने बताया कि युग निर्माण योजना शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा देशभर में महिलाओं के जागरूकता अभियान के अंतर्गत पाचं दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 21 से 25 अगस्त तक बीकानेर उपजोन स्तरीय पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षित महिलायें टोली बनाकर तहसील एवं ग्राम स्तर पर जाकर घर घर गायत्री यज्ञ के माध्यम से समाज में फैली भ्रामक कुरितियों बाल विवाह, खर्चिली शादियों, पर्दाप्रथा, अशिक्षा तथा लैंगिक जातिगत भेदभाव को दूर करते हुए जागरूकता अभियान चलायेगी। केन्द्रीय टोली प्रभारी दीना त्रिवेदी ने गायत्री के आध्यात्मिक दर्शन विषय पर उद्बोधन देते हुए कहा कि गायत्री मंत्र कामधेनु है, कल्पवृक्ष है, जप तप ध्यान साधना से गायत्री से जीवन की दिशा तय की जा सकती है। गायत्री साधना में महिलाओं के संबंध में विभिन्न भ्रामक संशयों को दूर किया।

युवती से दुष्कर्म किया

बीकानेर। गंगाशहर क्षेत्र में नहा रही युवती के फोटो खींचने और बाद में इसी फोटो से ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। गंगाशहर पुलिस ने बंगला नगर में रहने वाले एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

आरोप है कि गंगाशहर में एक युवती की नहाते हुए का अश्लील फोटो खींच लिया गया। बाद में बंगला नगर निवासी नंदलाल सोनी ने अपहरण व दुष्कर्म किया। आरोप है कि नंदलाल सोनी चार-पांच महीने पहले महिला के घर आया था। उस समय वह आंगन में नहा रही थी। आरोपी ने उसके अश्लील फोटो ले लिए। बाद में इन फोटो के दम पर उसका शोषण करने लगा। इसके बाद आरोपी ने उसे विवाह के लिए मजबूर करना शुरू कर दिया। एफआईआर में कहा गया है कि मिठाई खिलाकर महिला को बेहोश किया और जयपुर ले गए। वहां भी उसके साथ दुष्कर्म किया गया। आरोप है कि गैर कानूनी तरीके से शादी के कागजों पर हस्ताक्षर करवा लिए। बाद में आरोपी नंदलाल पीडिता को लेकर जयपुर आ गया, जहां पुलिस की मदद से वापस अपने परिजनों के पास पहुंची। इस पर नंदलाल सोनी युवती के एडिटेड फोटो व विवाह के दस्तावेज वायरल कर युवती को बदनाम करने लगा।

मसूदा सीएचसी परिसर में तीन दिन से मृत पड़ी है लम्पी रोगग्रस्त गाय

कीड़े पड़ने से मृत गाय अब बदबू मारने लगी है, मरीजों को उठानी पड़ सकती है हानि

मसूदा, (निसं)। चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग लोगों को स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता का संदेश देने का ढिंढोरा पीटता रहता है, पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अपने चिकित्सालय में स्वच्छता के प्रति कितना गंभीर है इसका अंदाजा मसूदा के सामुदायिक चिकित्सालय परिसर में लंपी स्किन रोग से ग्रस्त गाय पिछले 3 दिनों से मृत पड़ी होने से सहज ही लगाया जा सकता है।

- कुछ मीटर की दूरी पर ही स्थित है उपखंड अधिकारी का कार्यालय
- चिकित्सालय प्रभारी एवं बीसीएमओ डॉ. शैलेंद्र लखन भी मृत पड़ी गाय से अनभिज्ञ

सीएचसी परिसर में मृत पड़ी गाय।

इस घटना की जानकारी मिलने पर चिकित्सालय परिसर में देखा गया कि चिकित्सालय के आईसीयू वार्ड एवं मोर्चरी के बीच गैलरी में लंपिक स्किन रोग से ग्रस्त एक गाय मृत पड़ी है। जानकारी करने पर यह बात सामने आई कि उक्त गाय पिछले 3 दिनों से पड़ी है और अब उसमें कीड़े तक पड बदबू तक आने लगी है। आश्चर्य तो इस बात का है कि इससे चिकित्सालय प्रशासन भी अनभिज्ञ रहा। रविवार को इस घटना की जानकारी मीडिया कर्मियों को मिलने पर इस संबंध में मीडिया कर्मियों ने बीसीएमओ डॉ शैलेंद्र लाखन जो इस चिकित्सालय के प्रभारी भी है से जानकारी करने पर उन्होंने चिकित्सालय परिसर में मृत गाय के पड़े होने के संबंध में अनभिज्ञता व्यक्त करते हुए मृत गाय को चिकित्सालय से उठवाने की व्यवस्था करने का अवश्य आश्वासन दिया। मामले का अत्यंत गंभीर विचारणीय बिंदु तो यह है कि चिकित्सालय जहां पर मरीजों का इलाज होता है उस चिकित्सालय के आईसीयू वार्ड एवं मोर्चरी के बीच लंपी स्किन रोग से ग्रस्त मृत गाय 3 दिन से पड़ी होने की जानकारी चिकित्सालय प्रभारी तक को नहीं है।

चिकित्सालय प्रशासन की लापरवाही का एक और नजारा उस समय देखने को मिला जब चिकित्सालय परिसर में उगी घास एवं बीमारियों को निमंत्रण देता बहुतायत मात्रा में कचरा देखने को मिला। वही कुछ ही मीटर की दूरी पर उपखंड अधिकारी कार्यालय स्थित है पर जब चिकित्सालय प्रभारी को ही इसकी जानकारी नहीं रही तो उपखंड अधिकारी अथवा उपखंड प्रशासन को इसकी होने की क्यों और कैसे उम्मीद की जा सकती है। मृत गाय के मामले में चिकित्सा प्रभारी को दी गई जानकारी के तत्काल बाद मृत गाय को जेसीबी से उठाने की कार्रवाई अवश्य शुरू होने के साथ ही परिसर में पड़े कचरे एवं उगी हुई घास को जेसीबी की सहायता से उठाने की कार्रवाई भी शुरू हो गई तथापि चिकित्सालय परिसर में मृत गाय के 3 दिन तक पड़ी रहने के बारे में चिकित्सालय प्रभारी की अनभिज्ञता के बारे में भी जांच की जानी चाहिए।

मृत पशुओं का उचित निस्तारण नहीं होने से बीमारियां फैलने का डर

सुजानगढ़ में डम्पिंग यार्ड के बाहर खुले में पड़े मृत पशु।

सुजानगढ़, (निसं)। पशुओं में लगातार बढ रहे लम्पी वायरस के प्रकोप से शहर में रोजाना औसतन 50 से अधिक गाय एवं गौवंश की मौत हो रही है, लेकिन नगरपरिषद प्रशासन द्वारा मृत गायों का सही तरीके से निस्तारण नहीं करने से बस्तियों में बिमारियां फैलने का भय आम आदमी को सताने लगा है। शहर के विभिन्न मौहल्लों से मृत पशु लाकर नगरपरिषद के ठरडा स्थित डम्पिंग यार्ड के आस-पास जगह-जगह डाले जा रहे हैं, वहीं गौशाला की गोचर भूमि में भी मृत पशु डालने जाने की शिकायतें लगातार नगरपरिषद को की जा रही है।

गोचर भूमि में मृत पशु डालने की शिकायत लेकर गत दिवस प्रधान मनभरीदेवी मेघवाल ने भी नगरपरिषद कार्यालय में दो घंटे से अधिक समय तक धरना दिया था और सभापति व आयुक्त के नहीं मिलने पर सभापति कार्यालय पर ज्ञापन चस्पा कर वे लौट गईं। लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। डम्पिंग यार्ड एवं गोचर के अलावा शहर के बाहरी क्षेत्रों में डाले जा रहे मृत पशुओं के उचित निस्तारण को लेकर नगरपरिषद द्वारा कोई प्रभावी कार्यप्रणाली विकसित नहीं किए जाने से इनके आस-पास की बस्तियों के लोग परेशान है।

मृत पशुओं से निकलने वाली बदबू से बस्तियों में रहने वालों का खाना-पीना दूभर हो रहा है, वहीं मक्खियों व मच्छरों की भरमार से लोगों का बैठा रहना मुश्किल हो रहा है। डम्पिंग यार्ड के पास की बस्ती के लोगों का कहना है कि खुले में मृत पशु डालने से उनका यहां पर रहना मुश्किल हो गया है तथा मक्खियों एवं मच्छरों से बिमारियां फैलने का डर सता रहा है। ठरडा निवासी विक्रमसिंह बीदावत ने बताया कि खुले में मृत पशु डालने से ठरडा एवं आस-पास के घरों में महामारी फैलने का डर है। बीदावत ने विधायक, नगरपरिषद प्रशासन एवं पंचायत समिति प्रशासन से मृत पशुओं का उचित निस्तारण करने की मांग की है। नगरपरिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीणा ने फोन पर बताया कि मृत पशु उठाने के लिए पहले एक टीम थी, लेकिन अब दो टीमें कर दी गई है।

'चुनाव आयोग का फैसला भी शिंदे के पक्ष में आएगा'

जोधपुर में पत्रकार वार्ता में बोले केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले

जोधपुर, (कासं)। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में बनी सरकार अभी लंबा चलेगी और एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका दिया है। असली शिवसेना शिंदे के साथ है और चुनाव आयोग का फैसला भी शिंदे के पक्ष में आएगा। यह कहना है केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले का, जो दो दिवसीय दौरे पर जोधपुर में है।

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने रविवार को सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद पत्रकारों से वार्ता की। अठावले ने कई मुद्दों पर खुलकर अपने विचार रखे। अठावले ने कहा कि केंद्र सरकार हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली सरकार है और सरकार ने सभी वर्गों को ध्यान में रखकर कई योजनाएं चलाई है। अगला लोकसभा चुनाव नरेंद्र मोदी वर्सेज अरविंद केजरीवाल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मोदी वर्सेस केजरीवाल, ममता, नीतीश और हर डाल पर पंछी बैठे हैं लेकिन मोदी का सामना करना मुश्किल है।

समान नागरिक संहिता पर वे भाजपा के साथः- समान नागरिक संहिता से जुड़े सवाल के जवाब में अठावले ने कहा कि वह भाजपा के साथ है। देश मे जनसंख्या नियंत्रण आवश्यक है और इसके लिए दो संतान का बिल लाना आवश्यक है। बिहार की राजनीतिक घटनाक्रम पर अठावले ने कहा कि नीतीश कुमार को हमने छोड़ा है, लेकिन 2024 में नीतीश कुमार वापस हमारे साथ आएंगे। 2024 के चुनाव में जीत का दावा करते हुए अठावले ने कहा कि भाजपा अपने दम पर 400 सीटें लाएगी और एनडीए 450 से अधिक सीटें जीतेगी।

मंहगाई के मुद्दे पर राजस्थान सरकार को घेराः- राजस्थान विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी की भूमिका के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी भाजपा का साथ देगी। महंगाई के मुद्दे पर अठावले ने राज्य सरकार पर निशाना साधा और कहा कि राज्य सरकार को पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले वैट को कम करना चाहिए। केंद्रीय योजनाओं का गुणगान करते हुए अठावले ने कहा कि जन धन योजना उज्जवला योजना और अन्य योजनाओं से आम जनता को फायदा पहुंचा है।

दलित छात्र की मौत पर कहाः- जालोर में दलित स्कूली छात्र के मौत के मामले पर बोलते हुए अठावले ने कहा कि वह परिवार से मिलकर आए हैं और टीचर ने मटके के हाथ लगाने पर बच्चे के साथ पिटाई की थी। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय की ओर से 8, 50000 की आर्थिक सहायता पीडित परिवार को की जा रही है , वहीं तीन लाख रुपए के आर्थिक सहायता उनकी पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया की ओर से की जाएगी। अठावले ने राज्य सरकार से पीडित परिवार को 25, लाख की आर्थिक सहायता और एक सरकारी नौकरी देने की मांग की है। अठावले ने जालौर में संत की खुदकुशी के मामले की भी जांच की मांग की।

द्वारकाधीश मंदिर मुखिया प्रदीप सांचौहर का निधन

राजसमंद, (निसं)। द्वारकाधीश मंदिर कांकरोली के मुख्य मुखिया प्रदीप सांचीहर का रविवार को निधन हो गया। वे 71 साल के थे और कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे।

शनिवार को नंद महोत्सव के अवसर पर वे नंदबाबा बनने के लिए मंदिर पहुंच अपनी सेवा पूर्ण की। इसके बाद घर पहुंचने के बाद रात्रि को अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। इसी बीच उनका निधन हो गया। प्रदीप सांचीहर का पूरा परिवार द्वारकाधीश मंदिर से वर्षों से जुडा रहा है। उनके निधन पर पूरे द्वारकाधीश मंदिर में शोक की लहर छा गई।

जेल में कैदियों के पास मिला मोबाइल

हनुमानगढ़, (निस)। जिला जेल में बंद 2 बंदियों से मोबाइल फोन और धूम्रपान सामग्री बरामद हुई है। इस मामले में जेल प्रशासन की ओर से जंक्शन पुलिस थाना में 2 बंदियों के खिलाफ कारागृह अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

जिला जेल के मुख्य प्रहरी विकास कुमार ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि जिला जेल में बंद नरेन्द्र उर्फ कालू पुत्र अर्जुन और अशोक कुमार पुत्र मलकीत सिंह के कब्जे से एक मोबाइल फोन, सिम और जर्दा के 10 पैकेट बरामद हुए हैं। मामले की जांच एएसआई मुसे खां कर रहे हैं। पुलिस की ओर से जांच के तहत जिला जेल में बंद दोनों बंदियों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया जाएगा। दोनों से पूछताछ कर पुलिस यह पता लगाएगी कि इनके पास जेल में प्रतिबंधित सामग्री कैसे पहुंची। इससे पहले भी जिला कारागृह में बंदियों से कई बार मोबाइल फोन सहित अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद हो चुकी है।

जेल प्रशासन के अलावा जिला प्रशासन की ओर से भी समय-समय पर जेल की तलाशी ली जाती है। इसके बाद भी बंदियों तक प्रतिबंधित सामग्री पहुंचने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है।

गहलोत के शासनकाल में कानून और व्यवस्था छिन्न-भिन्न हुईः अरुण सिंह

उदयपुर प्रवास के दौरान भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री ने अरुण सिंह ने की प्रेसवार्ता

उदयपुर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश भाजपा के प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि गहलोत सरकार केवल तुष्टीकरण की नीति पर चलती हुई एक वर्ग को खुश करने वाली सरकार है, जिस के शासन में कानून और व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गई है। पूरा प्रदेश एक जंगलराज हो गया है यहां पर कोई कानून व्यवस्था नहीं है। किसी थाने में व्यवस्थित रूप से कोई केस दर्ज कराने जाए तो वहां होता नहीं है। केवल कुर्सी बचाए रखना और अपना शासन बनाए रखना यह गहलोत सरकार की प्राथमिकता है राजस्थान को विकास के नजरिए में कई मिल पीछे छोड चुके हैं गहलोत।

उक्त विचार अरुण सिंह रविवार को यहाँ महिला मोर्चा कि प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्य समिति के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिवस पर एक सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में उदयपुर प्रवास के दौरान पत्रकारवार्ता में व्यक्त किये ।उन्होंने कहा कि सबसे अधिक अत्याचार महिला उत्पीडन अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों के ऊपर जिस प्रकार से अत्याचार हो रहे हैं।

आंकडों के मुताबिक 3 वर्षों में 397000 मुकदमे दर्ज हुए हैं महिला अपराध में महिलाओं के दुष्कर्म की घटनाओं में 20 प्रतिशत बढोतरी हुई है 15 से 18 दुष्कर्म की घटनाएं रोज हो रही है। प्रदेश में गैंगरेप बढ रहे हैं अनुसूचित जाति के लोगों पर अत्याचार के मुकदमे करीब 26 हजार से अधिक दर्ज हुए हैं जयपुर में एक अध्यापक को जलाया गया झालावाड में हत्या लगातार हुई। जुलाई-अगस्त में घटनाए बढी है जिसमें दौसा के आदिवासी महिला के साथ दुष्कर्म की घटना, जालौर में दलित बालक की हत्या, अलवर के चिरंजी लाल सैनी को पीट-पीटकर मार डालना, अवैध खनन का बोलबाला पूरे प्रदेश में है। साधु को आत्महत्या करने पर मजबूर होना पडा। भरतपुर में आज भी अवैध खनन खुलेआम चल रहा है, क्योंकि सरकार की इसमें मिलीभगत है सरकार इस में सम्मिलित है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक-एक करके प्रतिदिन घटनाएं होती है जिसमें हत्या अपहरण बैंक डकैती की घटनाएं आम है। कानून का राज नहीं अपराधी को पुलिस का डर नहीं। अपराधी खुलेआम हथियार लहराता है अपराध करता है। खुद गृह मंत्री का दायित्व निभाने वाले मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी बचाने के लिए अपने एमएलए एवं निर्दलीय विधायकों के कहने पर भ्रष्ट एवं निकम्मे अधिकारियों की पोस्टिंग देकर अपनी कुर्सी बचाने की फिराक में रहते हैं। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी लगातार इन सभी मामलों को लेकर आंदोलित है। राजस्थान के लोग घरों में बंद है घर से निकलते हैं तो डरते हैं कि सुरक्षित वापस घर पहुंचेंगे कि नहीं महिलाएं एवं युवतियां डरती है कि बाहर निकले कि नहीं निशा जंगलराज की स्थिति उत्पन्न कर दी गई है प्रदेश में।

उन्होंने कहा कि धोखे और झूठे वादों के साथ सत्ता में आई सरकार को जनता अब सहन नहीं कर रही है। प्रदेश में जनता गुस्से में है और आने वाले चुनाव में जनता ही धक्के के माध्यम से इस निरंकुश कुशासन जंगलराज वाली सरकार को उखाड फेंकने का काम करेगी और तीन चौथाई बहुमत के आधार पर भाजपा सरकार बनाएगी कांग्रेस की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

जोधपुर संभाग में कल हो सकती है भारी बारिश

जोधपुर, (कासं)। इस बार मानसून की मेहर रही कि पूरे जोधपुर संभाग को भीगो दिया है। औसत बारिश का आंकड़ा पूरा कर चुका मानसून जाने में अभी 20 दिन शेष है। इधर एक बार फिर बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव क्षेत्र से प्रदेश में फिर से मानसून की सक्रि यता बढ गई है। मौसम विभाग ने जोधपुर संभाग में भी 23 को भारी या अतिभारी बारिश की संभावना व्यक्त की है। रविवार को जोधपुर संभाग में बादल छाए रहे। उमस भी बढ़ने लगी है। हवा की गति मंद पड़ी होने से कुछ गर्मी का अहसास भी बना रहा। रविवार को अवकाश के चलते पर्यटनों स्थलों पर भी लोगों की आवाजाही बढ गई। बादलों के छाने से मौसम सुहावना बना हुआ है।

शहर में दो दिन से थमा बारिश का सोमवार से फिर शुरू होने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी से एक कम दबाव का क्षेत्र सक्रिय हुआ है, जोकि अब प्रदेश की तरफ बढ़ चुका है। इसके असर से प्रदेश के कई जिलों में मध्यम से तेज बारिश की संभावना बनी है। दो तीन दिनों में जोधपुर जिले में भी भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने जोधपुर सहित 19 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। मंगलवार को यहां दिखेगा ज्यादा असर:- मौसम विभाग की मानें तो मारवाड़ के जोधपुर, सिरोही, जालोर, बाड़मेर व पाली जिले में भी भारी बारिश के आसार है। रविवार को अभी तक कहीं बारिश नहीं हुई। सुबह से बादल छाए हुए है। दोपहर में धूप छांव की स्थिति बनी रही। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं अधिकतम तापमान 31 डिग्री तक बना रहा।

20 से अधिक बदमाशों ने दो परिवारों पर किया हमला

थानागाजी, (निसं)। कस्बे के समीपवर्ती ग्राम बिहारीसर में शनिवार देर रात बीस से अधिक बदमाश दो परिवारों पर रंजिश के चलते हमला कर गंभीर रूप से घायल कर फरार हो गए।

- तीन जने घायल, एक जने का जयपुर में इलाज जारी

पुलिस में दिए गए परिवाद में बताया कि शनिवार रात्रि करीब 9:30 बजे एक बोलेरो व चार मोटरसाइकिल से करीब 20-25 लोग हथियारों से लैस होकर गांव बिहारी सर में आये तथा मंदिर के पास स्थित सुवालाल के घर में घुसकर सुवालाल पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर मारपीट की जिससे सुवालाल के सिर में गंभीर चोटें आई जिसे मृत समझकर मौके पर छोड़ा गया। इसके बाद हमलावरों ने पड़ौस के लीलाराम के घर में फायरिंग की जिससे खिड़की का सीसा टूट गया एवं घर का दरवाजा तोड़कर घर में मौजूद महिलाओं के साथ अश्लील हरकतें करते हुए जबरन उठा कर ले जाने लगे। तो महिला रुपा देवी पत्नी लीलाराम ने छुड़ाने की कोशिश की जिस पर बदमाशों ने हथियारों से उस पर हमला किया जिससे गंभीर रूप से घायल हो गई। इस पर बाड़े में सो रहे लीलाराम मारपीट की आवाज सुन घर आया तो उन्होंने हरिराम मीणा, ढल्लू मीणा, रामप्रताप मीणा, राहुल मीणा, सुभाष मीणा, रोहतास मीणा, गोवर्धन मीणा, शेरसिंह मीणा, चुनचुन मीणा, चिंटू मीणा, सुनील मीणा, भज्जी राम मीणा, राजू मीणा, टिंकू मीणा, माली राम मीणा, सुरेश उर्फ सुभे सिंह मीणा, कांति मीणा, अमर चंद मीणा, कालूराम मीणा, ज्ञानी मीणा, गिर्राज मीणा पर मारपीट के आरोप लगाए।

घटना के बाद घायलों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र थानागाजी लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जयपुर रैफर किया गया। इस हमले में सुवालाल का एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर में उपचार चल रहा है। जिनकी हालत स्थिर बनी हुई है तथा निशा पुत्री लीलाराम, रूपा पत्नी लीलाराम को उपचार के बाद छुट्टी दी गई। पुलिस ने घटना की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी रामजी लाल मीणा ने बताया कि रात्रि की घटना में फायरिंग की पुष्टि नहीं हो पाई है।ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

प्रत्याशी चयन को लेकर दो गुटों में बंटी एबीवीपी

मालपुरा, (निसं)। आगामी 26 अगस्त को होने वाले महाविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के लिए प्रत्याशी चयन को लेकर मालपुरा में एबीवीपी दो गुटों में बटी नजर आई। विद्यार्थी परिषद के प्रान्त कार्यालय व जिला कार्यालय से महज एक घंटे के अंतराल में छात्रसंघ प्रत्याशियों के पैनल के दो पत्र जारी किये जाने से संगठन की गुटबाजी खुलकर सामने आ गई।

संगठन के जिला प्रमुख दिपेन्द्र सिंह, जिला संयोजक विनोद खींची, विभाग संयोजक धारासिंह व नगरमंत्री कार्तिकेय के हस्ताक्षरों से जारी सूची में परिसर की ओर से अध्यक्ष पद के लिए दीपक गुर्जर, उपाध्यक्ष निकिता वर्मा, महासचिव नमन सैनी, संयुक्त सचिव मोना बैरवा के नामों की घोषणा की गई तो कुछ ही देर बाद प्रान्तमंत्री शौर्य जेमन ने परिषद की दूसरी सूची जारी करते हुए अध्यक्ष पद के लिए यशपाल चौधरी, उपाध्यक्ष आशीष शर्मा, महासचिव राकेश सैनी, संयुक्त सचिव पद के लिए राहुल वर्मा को प्रत्याशी बना सूची जारी की गई।

वहीं दूसरी ओर कांग्रेस समर्थित छात्र संगठन एनएसयूआई खेमे के छात्र नेताओं ने प्रत्याशी चयन पर सर्वसम्मति बना अपना पैनल घोषित किया गया। भाजपा समर्थित छात्र संगठन एबीवीपी ने इस प्रकार दो-दो सूची जारी होने का क्रम बीते कई सालों से चला आ रहा है जो कि इस बार भी देखा गया है। स्थानीय जिला

- प्रान्त व जिला कार्यालय से अलग-अलग जारी हुई सूची

व प्रान्त पदाधिकारियों ने राजनैतिक हस्तक्षेप के चलते प्रत्याशी चयन को लेकर सहमति नहीं बनने से बीते कई सालों से महाविद्यालय में परिषद का अधिकृत पैनल जीत दर्ज करने के बजाय दोनों खेमों से अलग-अलग प्रत्याशी जीत का सहरा बांध रहे हैं। इस बार परिषद में गुटबाजी के बाद एनएसयूआई खेमे में खुशी की लहर देखी जा रही है। आज प्रात: 10 बजे से महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव के लिए नामांकन होगा तो 26 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव व 27 को परिणाम घोषित होंगे।

सूत्रों से मिली जानकारी में प्रान्त कार्यालय से जारी सूची क्षेत्रिय विधायक खेमे की मानी जा रही है। प्रान्त सूची में बनाया गया अध्यक्ष प्रत्याशी यशपाल जो कि भाजपा मंडल कार्यकारिणी पदाधिकारी होने के साथ-साथ क्षेत्र से कांग्रेस डीआर व कांग्रेस के युवा नेता एवं क्षेत्रिय विधायक प्रतिद्वंदी खेमे का विरोधी व विधायक समर्थित होने के चलते परिषद की सूची में अध्यक्ष प्रत्याशी बनना राजनैतिक गलियारे में सुर्खियों में बना हुआ है। तो छात्र मतदाता परिषद के अधिकृत प्रत्याशी को लेकर असंमजस में है। जिनका झुकाव एनएसयूआई की ओर होता प्रतीत हो रहा है।

दुकान में आग लगी, लाखों का नुकसान

बीकानेर, (कासं)। जिले के अरजनसर में मोबाइल की दुकान में आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया। क्षेत्र में फायर ब्रिगेड नहीं होने से आग बुझाने के लिए पानी टैंकर मंगवाने पड़े। पानी पहुंचता उससे पहले सबकुछ जलकर राख हो चुका था। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है।

अरजनसर कस्बे के बाजार में स्थित इस दुकान में कई कंपनियों के महंगे मोबाइल के साथ ही ईमित्र कार्य के लिए कम्प्यूटर और अन्य सामान भी पड़ा था। एक अनुमान के मुताबिक करीब दस लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया। श्रीराम मोबाइल एंड ई मित्रा नामक ये दुकान चंद्रपाल वर्मा और रामपाल वर्मा की है। दोनों पार्टनरशिप में यहां काम करते हैं। देर रात शार्ट सर्किट के कारण आग लगी। दुकान व बाजार बंद थे, ऐसे में शुरूआत में किसी को पता नहीं पड़ा। बाद में आसपास के लोगों ने दुकान मालिक को फोन किया। आसपास से पानी के टैंकर मंगवाए गए। टैंकर आते तब तक सब कुछ जलकर राख हो गया था। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। फिलहाल आग लगने का कारण शार्ट सर्किट ही माना जा रहा है।

दुकान में आग इतनी जबर्दस्त थी कि दुकान की पट्टियां तक गिर गई। इसी कारण दुकान में रखा बचा हुआ सामान टूट गया। दुकान के पास ही सब्जी की दुकान है। वहां कोई नुकसान नहीं हुआ। बीकानेर के ग्रामीण क्षेत्रों में फायर ब्रिगेड नहीं होने से बड़ी समस्या हो रही है।

काछोला में सरपंच और बीडीओ ने मिलीभगत कर फर्जी पट्टे बनाए

जांच में व्यवसायिक भूमि पर पुश्तैनी पट्टे जारी करने का मामला सामने आया

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र के ग्राम पंचायत काछोला में व्यवसायिक भूखण्डों व निर्मित दुकानों के नियम विरुद्ध पट्टे जारी करने का मामला सामने आया है। सरपंच और बीडीओ ने अतिक्रमी भूखण्डधारियों से मिलीभगत कर प्रति पट्टा लाखों की राशि निजी तौर पर वसूली कर राज कोष को करोड़ों की चपत लगाई है।

मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल को उक्त मामले की जानकारी मिलने पर विधायक ने पंचायत राज विभाग जयपुर को उक्त फर्जीवाडे की शिकायत की। इस पर पंचायत राज विभाग जयपुर ने 15 नवम्बर 2021 को पत्र क्रमांक 3099 से जिला परिषद भीलवाडा को जांच के आदेश दिए। जिला परिषद भीलवाडा ने एक माह बाद मांडलगढ विकास अधिकारी को काछोला ग्राम पंचायत द्वारा जारी किए गए फर्जी पट्टों की जांच का आदेश दिया।

मांडलगढ़ पंचायत समिति के अतिरिक्त विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने उक्त प्रकरण की जांच शुरू की। काछोला ग्राम पंचायत सरपंच प्रहलाद नट ने जनवरी 2020 में पदभार ग्रहण करने के 6 माह बाद काछोला के मुख्य स्टेट हाइवे मार्ग के दोनों ओर तथा अन्य सरकारी भूमि में अतिक्रमण कर निर्माण करने वालों का जायजा लिया और अतिक्रमियों को स्वयं के हस्ताक्षर से नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने का डर बताया गया फिर दलालों के मार्फ़त अतिक्रमियों से सांठगांठ कर पट्टे जारी करने की पत्रावलियां माह अगस्त 2020 से तैयार करना शुरू किया गया।

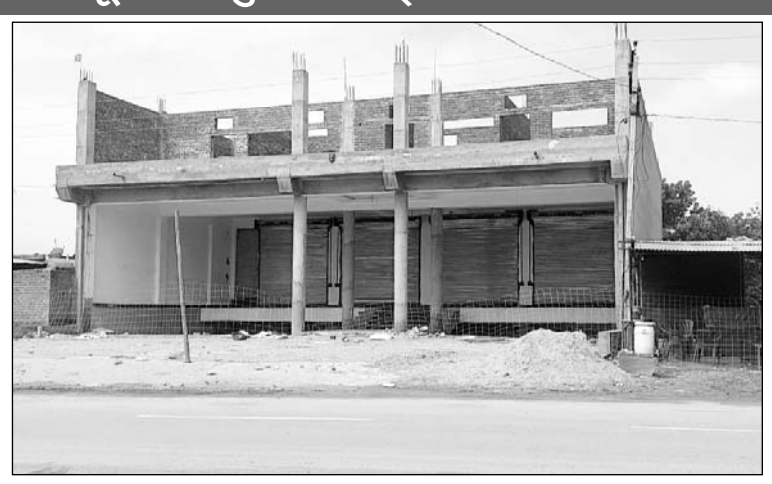

काछोला पँचायत में हाइवे किनारे फर्जी पट्टे के भूखण्ड पर बनी दो मंजिला इमारत।

काछोला पंचायत के सरपंच प्रहलाद नट, ग्राम विकास अधिकारी गोवर्धन पुरी पर दलालों के मार्फ़त एक पट्टा जारी करने के बदले 3 से 5 लाख रुपए वसूलने का आरोप पट्टाधारियों ने लगाये हैं। जांच में करीब एक दर्जन से अधिक पट्टे नियम विरुद्ध सामने आए हैं। जिसमे एक ही परिवार को खाली भूखण्डों के 9 पुश्तैनी पट्टे दिए हैं।

इसी प्रकार स्टेट हाइवे मार्ग के किनारे व्यवसायिक तौर पर नव निर्मित दुकानों के बडी साइज के भूखण्ड के अन्य 7 लोगों को पुश्तैनी पट्टे जारी कर करोडों के राजस्व की चपत लगाई गई हैं। वहीं फर्जी पट्टों की रजिस्ट्री काछोला उप तहसील में एक वकील परमेश्वर धाकड़ से कराई गई। गौरतलब हैं कि वकील के खिलाफ पूर्व में भी कई कृषि भूमि की फर्जी रजिस्ट्रियां कराने के मामले की जाँच पुलिस कर रही हैं। उक्त मामले में जनवरी 2022 में मांडलगढ़ पंचायत समिति विकास अधिकारी द्वारा सरपंच और बीडीओ को नोटिस जारी कर जवाब मांगा लेकिन कोई जवाब नहीं दिया गया हैं।

मांडलगढ़ पंचायत समिति के तत्कालीन बीडीओ मुकेश जैमन ने उक्त फर्जी पट्टों को लेकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर भीलवाड़ा के यहां फर्जी पट्टों को निरस्त करने की अनुशंषा कर निगरानी याचिका दायर की है। मांडलगढ़ पंचायत समिति के विकास अधिकारी ने 13 जून 2022 को सरपंच प्रहलाद नट, बीडीओ गोरधन पुरी ओर पट्टाधारियों को नोटिस जारी कर भीलवाडा में अतिरिक्त जिला कलेक्टर के यहां 24 अगस्त को उपस्थित होने को पाबंद किया गया हैं। जिससे पट्टाधारियों में खलबली मची हुई हैं।

जांच अधिकारी राजेन्द्र सेन के मुताबिक काछोला के पूर्व सरपंच स्वर्गीय रामगोपाल मीणा द्वारा भी एक दर्जन से अधिक नियम विरुद्ध पट्टे जारी किए जाने की शिकायत मिली हैं। जिसकी जांच जारी है। उक्त मामले में काछोला सरपंच प्रहलाद नट ओर ग्राम विकास अधिकारी गोवर्धनपुरी का कहना है कि आबादी क्षेत्र की भूमि में दिए गए पट्टों के बदले बड़ी राशि लेने का आरोप तथ्यहीन और बेबुनियाद है। जबकि काछोला वासियों ने बताया कि प्रहलाद नट पहले सब्जी विक्रेता का काम करता था। सरपंच बनने के बाद लग्जरी लाइफ स्टाइल के साथ बोलेरो जीप, ट्रेक्टर, कई दुपहिया वाहन का उपभोग कर रहा है। वहीं ग्रामीणों ने सरपंच और वीडियो के खिलाफ संभागीय आयुक्त और लोकायुक्त को शिकायत कर पद से हटाने की मांग की है। उधर पंचायत समिति प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि 24 अगस्त को उक्त पट्टे निरस्त होने के बाद अतिक्रमण हटाने के साथ आबादी भूमि को नियम विरुद्ध विक्रय करने पर पुलिस में मामला दर्ज कराया जाएगा।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाला दिल्ली से भागचंद गिरफ्तार

वर्ष 1998 में 22 साल की उम्र परिवार समेत पाकिस्तान से भारत आया था आरोपी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले दिल्ली निवासी भागचंद को राजस्थान इंटेलिजेंस ने दबोचा है। उसे 6 साल पहले ही भारतीय नागरिकता मिली थी, वह वर्ष 1998 में 22 वर्ष की उम्र में वीजा लेकर परिवार समेत दिल्ली आकर रहने लगा था। पाक खुफिया एजेंसी ने आरोपी के पास मोबाइल और सिम कार्ड भिजवाए थे, ताकि वह जानकारी भेज सके। इनका नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ है।

दरअसल गत 14 अगस्त को राजस्थान इंटेलीजेंस ने भीलवाड़ा से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले नारायणलाल गाडरी को पकड़ा था। उससे कड़ी पूछताछ के बाद दिल्ली से एक और आरोपी भागचंद पुत्र बल्लू राम (46) निवासी संजय कॉलोनी भाटी माइंस का नाम सामने आया। इस पर इंटेलीजेंस सतर्क हुई और तुरंत भागचंद

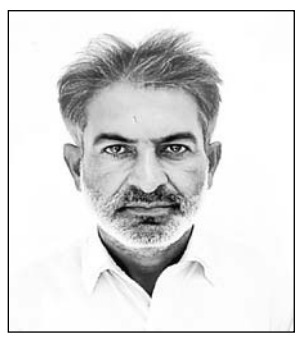

पाकिस्तानी जासूस भागचंद

- 6 साल पहले भारतीय नागरिकता ली, पिछले 2-3 साल से पाक हैंडलिंग अफसर के संपर्क में था
- राजस्थान इंटेलीजेंस ने गत 14 अगस्त को भीलवाड़ा से पाक जासूस नारायणलाल डागरी को पकड़ा था, उससे पूछताछ में भागचंद का नाम सामने आया था

को दबोचा।

बताया जा रहा है कि आरोपी 3-4 साल से पाकिस्तानी हैंडलर ऑफिसर के संपर्क में था और उन्हें भारतीय मोबाइल नंबर और सिम कार्ड उपलब्ध करा रहा था। जासूसी की एवज में पेटीएम के जरिए धनराशि प्राप्त करता।

डीजीपी इंटेलिजेंस उमेश मिश्रा ने बताया कि पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वालों पर हमारी निगरानी है। भीलवाड़ा में बेमाली निवासी नारायण लाल गाडरी (27) को 14 अगस्त को गिरफ्तार किया था।

नारायण फिलहाल न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है। उससे पूछताछ में दिल्ली निवासी भागचंद के बारे में जानकारी मिली। भागचंद भी पाक हैंडलिंग अफसर के संपर्क में रहते हुए जासूसी कार्यों में लिप्त है। नारायण ने जारी करवाये गए सिम कार्ड को भागचंद ने दिल्ली के कश्मीरी गेट बस स्टैंड स्थित खान मार्केट ट्रैवल्स ऑफिस में मंगा कर प्राप्त किये।

पाकिस्तानी हैंडलिंग अफसर से प्राप्त रकम में से भागचंद ने 1 सेकंड हैंड कीपैड फोन भाटी माइंस बाजार से खरीदा। नारायण ने जो सिम कार्ड भेजे थे, उसे फोन में लगाकर आए हुए ओटीपी शेयर कर पाकिस्तान में भारतीय मोबाइल नंबर से सोशल मीडिया अकाउंट संचालन करने के लिए व्हाट्सएप व सिगनल एप डाउनलोड करवाएं। बाद में उन सिम कार्डस को बच्चों के कपड़ों एवं एमडीएच मसाले के पैकेट में छिपाकर पार्सल से मुंबई भेजा।

राजस्थान इंटेलीजेंस की जांच में सामने आया कि भागचंद का जन्म पाकिस्तान में हुआ था। साल 1998 में 22 वर्ष की उम्र में वीजा लेकर वह परिवार समेत दिल्ली आकर रहने लगा। साल 2016 में उसे भारत की नागरिकता मिल गई और वह दिल्ली में ही टैक्सी चलाने व मजदूरी का कार्य करने लगा। भागचंद के रिश्तेदार और अन्य परिजन पाकिस्तान में रहते हैं। जिनके माध्यम से वह तीन-चार वर्षों से पाक हैंडलिंग अफसर के संपर्क में था। 2-3 साल पहले भागचंद ने पाक हैंडलिंग अफसर के चाहे जाने पर अपने नाम से सिम कार्ड खरीद कर भारतीय नंबर उपलब्ध कराए थे और लगातार उनके संपर्क में था। जासूसी की एवज में पेटीएम के माध्यम से बैंक खाते में रकम प्राप्त कर रहा था।

उत्साह से मनाई महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय की जयंती

जयपुर, (का.सं.)। महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय की 111वीं जयंती आज जयपुर में उत्साह के साथ मनाई गई। राम निवास बाग में सुबह जयपुर के पूर्व महाराजा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर एमएसएमएस संग्रहालय की कार्यकारी ट्रस्टी, रमा दत्त के साथ-साथ संग्रहालय की निदेशक डॉ. रीमा हूजा भी उपस्थित थीं। सिटी पैलेस और एमएसएमएस संग्रहालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर रमा दत्त ने कहा कि स्वर्गीय महाराजा मान सिंह मॉर्डन जयपुर के निर्माता थे। जयपुर में बड़ी संख्या में कॉलेज, अस्पताल, स्कूल, चौड़ी सड़कें, सिटी स्टेडियम आदि सभी उनके समय में और उनकी पहल पर बनाए गए थे। वे राजस्थान के पहले राजप्रमुख भी थे।

जयपुर के अशोक क्लब में रविवार को सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल के.के.सिंह ने महाराजा मान सिंह द्वितीय को पुष्पांजलि अर्पित की।

शाम को अशोक क्लब में बड़ी संख्या में क्लब के सदस्यों ने स्वर्गीय महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

दिन में, सिटी पैलेस और संग्रहालय में बड़ी संख्या में आगंतुकों ने सर्वतोभद्र चौक पर महाराजा की तस्वीर के सामने पुष्पांजलि अर्पित की।

जयपुर में रविवार को बारिश का दौर फिर से शुरू हुआ। दोपहर करीब तीन बजे आसमान घटाटोप बादलों से घिर गया और अचानक तेज बरसात शुरू हो गई।

विधानसभा सत्र 19 सितंबर से फिर शुरू होगा

जयपुर, (का.प्र.)। विधानसभा का मानसून सत्र 19 सितंबर से शुरू होने जा रहा है। सरकार और विधानसभा स्तर पर इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। यह विधानसभा के सातवें सत्र की बैठक ही होगी। बैठक में कई नए विधेयक पास होने की भी संभावना जताई जा रही है। विधानसभा सत्र को लेकर गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है।

इससे पहले विधानसभा के सातवें सत्र की कार्यवाही 28 मार्च को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। बताया जा रहा है आगामी विधानसभा सत्र काफी हंगामेदार रहना तय है, क्योंकि अगला वर्ष चुनावी वर्ष है लिहाजा मौजूदा विधानसभा सत्र में ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी

- संक्षिप्त सत्र में विपक्ष के साथ ही सत्ता पक्ष के नाराज विधायक भी बन सकते हैं परेशानी का कारण

तकरार विभिन्न मसलों पर देखने को मिलेगी। वहीं मार्च से लेकर अभी तक कानून-व्यवस्था को लेकर कई घटनाएं राजस्थान में हो चुकी हैं तो उन्हें लेकर भी भाजपा की ओर से सरकार पर हमले बोले जाएंगे। वैसे आगामी विधानसभा सत्र संक्षिप्त ही रहेगा और संक्षिप्त सत्र होने के चलते इसमें केवल महत्वपूर्ण विधेयक ही पारित करने का काम होगा। इस सत्र की समाप्ति के बाद सरकार अपने कार्यकाल के 4 साल भी पूरे करेगी। उसके बाद चुनावी वर्ष शुरू हो जाएगा। ऐसे में सिर्फ विपक्षी दल ही नहीं बल्कि कांग्रेस के वह विधायक भी सरकार पर हमलावर हो सकते हैं, जो मंत्री और अफसरों के खिलाफ खुलेआम शिकायतें करते रहे हैं। ऐसे में सरकार के लिए इस सत्र में सब कुछ आसान नहीं रहने वाला है।

दूसरी ओर सरकार की कोशिश होगी कि चुनावी वर्ष में जाने से पहले इस महत्वपूर्ण संक्षिप्त सत्र के दौरान वह कुछ ऐसे विधेयक पारित करा ले, जिसका असर आम जनता पर सीधा पड़े। क्योंकि इसके बाद में 2 सत्र ओर हो सकते हैं तथा उसके बाद में चुनावी तैयारियां शुरू हो जाएंगी।

200 लोगों ने ली कांग्रेस की सदस्यता

जयपुर, (का.प्र.)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने वार्ड नंबर 35 में सैकड़ों नागरिकों की जन सुनवाई करते हुए कहा कि पूरे जयपुर में और राजस्थान में अच्छी बरसात के कारण लोगों की आंख में चमक है। भगवान भोलेनाथआराध्य देव ठाकुर गोविंद देव जी की कृपा से बीसलपुर बांध भी भर जाएगा, सब बांधों में चादर चलेगी तो प्रदेश सरकार को और जनता को बड़ा फायदा होगा।

खाचरियावास ने कहा कि बरसात के कारण पूरे जयपुर की सड़कें टूट गई है, सभी सड़कें बरसात के बाद नई बनाई जायेंगी। पार्षद मनोज मुदगल द्वारा आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में वार्ड अध्यक्ष दीपक गुप्ता, जिला कांग्रेस महासचिव एस पी अग्रवाल को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर 240 नागरिकों ने कांग्रेस का दुपट्टा पहन कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

प्रदेश में करोना संक्रमण से चार और लोगों की मौत हुई रविवार को

राज्य में पिछले छह दिनों में इस बीमारी से 17 लोगों की मौत हो चुकी है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में पिछले छह दिनों से लगातार करोना संक्रमण से मौतें हो रही है। रविवार को भी राज्य में इससे 4 लोगों की मौत हुई है। वहीं 402 नए संक्रमित मिले हैं। हालांकि इस बीच 467 मरीज रिकवर हुए हैं।

प्रदेश में करोना संक्रमण से होने वाली मौतों का सिलसिला तेज हो गया है। पिछले छह दिनों में इस बीमारी से 17 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में रविवार को अजमेर, भरतपुर, जयपुर और करौली में 1-1 मरीज की मौत हुई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक करोना से 9610 लोगों की जान जा चुकी है। उधर प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 21 जिलों में 402 नए संक्रमित

- प्रदेश में रविवार को 402 नए संक्रमित मिले, इनमें सबसे ज्यादा 123 रोगी जयपुर में पाए गए हैं।

मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 561 रोगी पाए गए थे। आज भी सबसे ज्यादा 123 नए मरीज जयपुर में मिले हैं। इसके अलावा भरतपुर में 66, जोधपुर में 36, अलवर में 34, दौसा में 33, चित्तौड़गढ़ में 23, उदयपुर व बांसवाड़ा में 14-14, पाली में 13, अजमेर व सीकर में 11-11, नागौर में 7, झालावाड़ व डूंगरपुर में 4-4, कोटा में 3, जैसलमेर, बारां, बाड़मेर, चूरू, हनुमानगढ़ और करौली में एक-एक नया संक्रमित मिला है।

राज्य में रविवार को 467 मरीज ठीक हुए हैं। नए संक्रमितों के मुकाबले रिकवरी अधिक होने से एक्टिव केस घटकर 4244 रह गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 1560 लोगों का इलाज जयपुर में चल रहा हैं। इसके अलावा भरतपुर में 546, अलवर में 388 और उदयपुर में 263 मामले हैं।

राजधानी जयपुर में रविवार को 46 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा मालवीय नगर और मानसरोवर में 10-10 नए मरीज पाए गए हैं। इसके अलावा सिरसी रोड व वैशाली नगर में 6-6, अजमेर रोड, जगतपुरा व सांगानेर में 5-5, झालाना डूंगरी व निर्माण नगर में 4-4, बस्सी, चांदपोल, जवाहर नगर, कोटपूतली, शाहपुरा, एसएमएस अस्पताल व सोड़ाला में 3-3, चाकसू, सी-स्कीम, दुर्गापुरा, झोटवाड़ा, लालकोठी, शास्त्री नगर व टोंक रोड इलाके में 2-2 तथा आमेर, बापूनगर, भांकरोटा, गंगापोल, गलता गेट, गोपालपुरा, जयसिंहपुरा, जालूपुरा, जामड़ोली, जेएलएन मार्ग, जोबनेर, खातीपुरा, मुरलीपुरा, फुलेरा, प्रताप नगर, राजापार्क, रामबाग, रामगंज, रेनवाल, सुभाष नगर, बाइस गोदाम और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 11 संक्रमितों का पता गलत मिला है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 118 मरीज ठीक हुए हैं।

कुलपतियों को अतिरिक्त कार्यभार

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने राज्य के 6 विश्वविद्यालयोंके कुलपतियों के कार्यकाल समाप्त होने को देखते हुए नवीन कुलपति नियुक्त होने तक वहां का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने के आदेश जारी किए हैं।

राज्यपाल मिश्र द्वारा जारी आदेशों के अंतर्गत स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति डॉ. सतीश गर्ग को, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति प्रो. कन्हैया लाल श्रीवास्तव को, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार कोटा विश्वविद्यालय, कोटा कीकुलपति प्रो. नीलिमा सिंह को दिए जाने के आदेश जारी किए गए हैं।

इसी तरह उन्होंने जगदगुरु रामानंदाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय,जयपुर की कुलपति प्रो.सुधि राजीव को, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा के कुलपति प्रो.आई वी त्रिवेदी को एवं कृषि विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार कोटा विश्वविद्यालय कीकुलपति प्रो. नीलिमा सिंह को दिए जाने के आदेश जारी किए हैं। राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के अतिरिक्त कार्यभार के यह आदेश राज्य सरकार की सलाह से जारी किए हैं।

देश भर से 30 प्रतिभागी सीख रहे अभिनय की बारीकी

जयपुर, (का.सं.)। युवा कलाकारों में अभिनय का हुनर तराशने के लिए जवाहर कला केंद्र में रविवार को एक्टर ट्रेनिंग वर्कशॉप की शुरुआत हुई। इस 15 दिवसीय वर्कशॉप में राजस्थान, केरल, दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश के 30 प्रतिभागी वर्कशॉप में हिस्सा ले रहे हैं। वर्कशॉप में देश के जाने-माने विशेषज्ञों पद्मश्री शशधर आचार्य, युकी एलियस, मल्लिका प्रसाद, एसएनए अवॉर्डी प्रसन्ना, बहारूल इस्लाम, विनय कुमार व नसरीन इशाकी अभिनय की बारीकियां सिखाएंगे।

- जवाहर कला केंद्र में आयोजित एक्टर ट्रेनिंग वर्कशॉप में कई राज्यों के 30 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं

वर्कशॉप के पहले दिन रविवार को पद्मश्री शशधर आचार्य व युकी एलियस प्रतिभागियों से रूबरू हुई। शशधर आचार्य ने प्रतिभागियों को छऊ नृत्य की जानकारी देने समेत अभिनय के गुर भी सिखाए। उन्होंने कहा कि छऊ नृत्य एक ऐसी विधा है जो अभिनय के सबसे करीब है। छऊ में बॉडी मूवमेंट अधिक होता है, तन और मन स्वस्थ रहने से रचनात्मकता बढ़ती है। वे 15 दिन तक छऊ का प्रशिक्षण देंगे। युकी एलियस ने सिखाया कि बॉडी मूवमेंट के साथ भावनाओं के अनुरूप आवाज निकालकर अभिनय को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। कलाकार को हर क्षेत्र और हर तबके की भावनाओं को जाहिर करना होता है, इसलिए उन्हें अवलोकन क्षमता पर भी काम करना चाहिए।

केरल से पहुंचे प्रतिभागी अमरनाथ ने कहा कि जेकेके में कलाकारों के लिए बेहतर माहौल है। यूपी के देवेन्द्र गंगवाल ने बताया कि छऊ नृत्य के बारे में किसी विशेषज्ञ से जानने का अवसर उन्हें पहली बार मिला है। दिल्ली की श्रेष्ठा आर्य ने कहा कि वर्कशॉप के दौरान अलग-अलग विशेषज्ञों से सीखने का मौका मिला है।

सूचना सहायक के 38 नवीन पदों का सृजन

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में सूचना सहायक के 38 नवीन पद सृजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। इस स्वीकृति से विभाग में सूचना सहायक के जिला स्तर पर 35 पद, मुख्यालय पर 2 पद एवं नई दिल्ली स्थित कार्यालय में1 पद सहित कुल 38 नवीन पद सृजित होंगे।मुख्यमंत्री की स्वीकृति से राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं,कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों का सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार की नवीन तकनीकों के माध्यम से और अधिक प्रभावी तरीके से प्रचार-प्रसार हो सकेगा।

'विद्यार्थियों में कौशल विकास करता है माइंडरी टैक्नोलॉजीज़'

जयपुर। माइंडरी टेक्नोलॉजीज़ संगठन जयपुर शहर में छात्रों को करियर परामर्श और नेटवर्क प्रशिक्षण देने के साथ-साथ उनमें कौशल विकास करने में जुटा है। दरअसल माइंडरी टेक्नोलॉजीज़ एक वेलनेस संचालित संगठन है, जिसका लक्ष्य सभी आयु वर्ग के लोगों को एक स्वस्थ जीवन शैली तैयार करने के काबिल बनाना है। जयपुर में शुरू माइंडरी टेक्नोलॉजीज चिकित्सकों, पोषण विशेषज्ञों, मनोवैज्ञानिकों, परामर्शदाताओं व कॉर्पोरेट अधिकारियों का एक समूह है।

अपने परिवार और संस्कारों में क्षत्रियों और शूरवीरों की गाथाओं का करें वर्णन : कलराज मिश्र

जयपुर, (का.सं.)। समय के साथ बदलते इतिहास ने हमारे देश के क्रांतिकारियों और शूरवीरों को आतंकवादी जैसा स्वरुप दे दिया है। मुझे ख़ुशी है कि आज देश में मौजूद सभी संस्थानों के माध्यम से इतिहास का पूर्णलेखन हो रहा है और इस लेखन से आने वाली पीढ़ियों को सही इतिहास जानने का मौक़ा मिलेगा, ये कहना था राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्रा का।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा (1897) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की भव्य बैठक आयोजन टोंक रोड स्थित होटल क्लारियो बेला कासा में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल कलराज मिश्रा द्वारा की गई। साथ ही मुख्य अतिथि के तौर पर महाराजा जम्मू कश्मीर डॉ. करण सिंह, केंद्रिय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया ने शिरकत की। इसी के साथ संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यादवेंद्र सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वी.पी. सिंह, राष्ट्रीय महासचिव वीरेंदर सिंह सोलंकी मौजूद रहे।

राजस्थान द्वारा पहली बार होने जा रही मेजबानी में देश के 23 राज्य राजस्थान, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, पांडिचेरी, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, उड़ीसा, झारखण्ड, गुजरात,

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में राज्यपाल कलराज मिश्रा ने संबोधित किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मौजूद रहीं।

हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, बिहार, चंडीगढ़ और तेलंगाना के लगभग 150 राष्ट्रीय पदाधिकारी, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जयपुर में मौजूद रहे। साथ ही जयपुर से उपस्थित होने वाले सभा के मेंबर्स सहित लगभग 500 लोग कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रिय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज क्षत्रिय का गौरवान्वित इतिहास सरकार लिखे, ये सही नहीं है। हमारे इतिहास के क्षत्रियों का इतिहास हम खुद लिखेंगे और इसे आगे बढ़ाने के लिए हमें खुद को साथ आकर काम करना पड़ेगा। आज आने वाली पीढ़ी इतिहास से कटती जा रही है ये ग़लत है। जरुरी है कि समाज इस बात की जिम्मेदारी ले और अपने परिवारों में, अपने संस्कारों क्षत्रिय धर्म के इतिहास का नियमित वर्णन करे।

कार्यक्रम के दौरान ग़रीबी और भ्रष्टाचार को देश की बड़ी मुसीबत बताते हुए महाराजा डॉ करण सिंह ने कहा कि ग़रीबी इस देश की आज़ादी के बाद सबसे बड़ी परेशानी बन चुकी है। शादी विवाह पर फ़िज़ूल खर्ची एक बड़ी परेशानी बनती जा रही है। विवाह में फ़िज़ूल खर्च होने वाला सारा धन अपनी बेटी को दीजिए और उसका भविष्य सुरक्षित करे। साथ ही आज युवा पीढ़ी को ड्रग, तम्बाकू और ड्रग्स के ज़हर से भी बचाना ज़रूरी है।

- देशभर से 150 अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पदाधिकारी रहे मौजूद, आरक्षण और गरीबी जैसे मुद्दों पर हुई चर्चा
- क्षत्रियों का इतिहास हम खुद लिखेंगे :गजेन्द्रसिंह शेखावत

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्य में बारे में बताया कि इस राष्ट्रीय कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य कुछ ऐसे मुद्दों को रोशनी में लाना है जिसके लिए हम कई सालों से प्रयत्न कर रहे है। आज़ादी के बाद किसी भी राजपूत को भारत रत्न नहीं दिया गया है हम सरकार से निवेदन करना चाहते है कि महाराजा कश्मीर डॉ करण सिंह को उनके समाज को योगदान के लिए भारत रत्न का सम्मान मिलना चाहिए। साथ ही जातिगत आरक्षण को समाप्त कर आर्थिक आधार पर किया जाए।

निहारिका को ए.बी.वी.पी. के बागी लोकेंद्र ने दिया समर्थन

बागी महेश चौधरी ने रितु बराला को समर्थन दिया

जयपुर (कासं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से बागी होकर छात्र संघ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे लोकेंद्र सिंह ने रविवार को एनएसयूआई की बागी निहारिका जोरवाल को समर्थन दे दिया। इस दौरान निहारिका ने कहा कि जिस तरह मेरी पार्टी में मेरा शोषण हुआ वैसे ही लोकेंद्र का उनकी पार्टी में शोषण हुआ है। ऐसे में अब हम दोनों मिलकर छात्र संघ चुनाव में दोनों पार्टियों को सबक सिखाएंगे। वहीं, दूसरी तरफ बागी होकर चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके महेश चौधरी ने चुनाव नहीं लड़ने की बात कही है। रविवार को महेश एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक के साथ राजस्थान यूनिवर्सिटी पहुंचे। जहां उन्होंने रितु बराला को समर्थन दिया है।

महेश चौधरी ने कहा कि मैं पिछले 4 साल से लगातार यूनिवर्सिटी में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा था। लेकिन आखरी वक्त पर मुझे टिकट नहीं मिला। इसलिए मैंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया था। लेकिन पिछले कुछ दिनों से यूनिवर्सिटी में पहले जातिवाद के माहौल को खत्म करने के लिए अब मैं रितु को समर्थन करता हूं। मैं चाहता हूं कि इस बार चुनाव में किसान की बेटी राजस्थान यूनिवर्सिटी की अध्यक्ष बने। रितु बराला ने कहा कि मैं पिछले 6 सालों से लगातार संघर्ष कर रही थी, इसलिए संगठन ने मुझे मौका दिया है। महेश के समर्थन के बाद हम और ज्यादा मजबूत होंगे और ऐतिहासिक जीत हासिल करेंगे।

दरअसल, की ओर से 4 प्रत्याशी अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी कर रहे थे। ऐसे में रितु बराला को अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद महेश चौधरी, संजय चौधरी और निहारिका जोरवाल ने बागी होकर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी।

ऐसे में अब महेश के समर्थन के बाद एनएसयूआई को थोड़ी राहत जरूर मिली है। लेकिन निहारिका और संजय को मना पाना अब भी परेशानी बना हुआ है।

पुष्कर सरोवर में नहाने के दौरान डूबने से रामदेवरा जातरू की मौत

सीकर निवासी इस मृतक का शव करीब आधे घंटे बाद सरोवर से निकाला जा सका

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में रविवार को पवित्र सरोवर में स्नान करते वक्त एक रामदेवरा जातरू की रविवार को दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस के अनुसार सीकर निवासी रतनलाल पुत्र मोतीराम 23 वर्ष गुर्जर घाट पर अपने साथियों के साथ स्नान कर रहा था। उसी दौरान गहरे पानी में चले जाने से उसकी डूबने से मौत हो गई। साथियों के चिल्लाने पर वहां मौजूद जोधपुर की एक लड़की और स्थानीय लोग और पुलिस मित्र के कैलाश तुरंत कूदे लेकिन युवक के गहरे पानी में चले जाने से करीबन आधे घंटे तक तलाश करने के बाद मिला और युवक को निकाला लेकिन तब तक युवक ने दम तोड़ दिया।

मृतक युवक के साथी बीरबल ने बताया कि हम चार-पांच साथी रामदेवरा दर्शन के लिए जा रहे थे उसी दौरान पुष्कर रुके और सुबह स्नान करने के लिए गुर्जर घाट गए। उस दौरान रतनलाल स्नान करते वक्त गहरे पानी में चले जाने से डूब गया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और पुलिस मित्र की टीम व सिविल डिफेंस टीम तुरंत पहुंची और युवक के शव को पुष्कर अस्पताल पहुँचाया। पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि घाटों पर आए दिन हादसे हो रहे हैं। पूर्व में भी एक युवक की डूबने से मौत हो गई वहीं आज फिर हादसा हो गया।

पुलिस को जानकारी देते मृतक के साथी युवक।

स्थानीय लोगों ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन की तरफ से भी घाटों पर कोई सुरक्षा के इंतजाम नहीं होने के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। बरसात के दिनों में सरोवर में 8 से 10 फुट पानी आने के बावजूद तथा भादवा का मेला चल रहा है। भारी भीड़ के होने के बाद भी अभी तक नगर पालिका प्रशासन ने घाटों पर कोई भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए और नही गहरे पानी के संकेत के लिए लाल झंडिया लगाई। इसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। वहीं स्थानीय लोगों ने स्थानीय गोताखोरों को ही लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पुष्कर के पुरोहितों और स्थानीय गोताखोरों के द्वारा आए दिन सरोवर में डूबते लोगों को बचाया जा रहा है लेकिन उसके बाद भी प्रशासन और नगर पालिका उनको नजरअंदाज कर रही है। इसलिए पुष्कर सरोवर में हादसों को रोकने के लिए स्थानीय गोताखोरों की नियुक्ति की जाए। हालांकि सिविल डिफेंस की टीम पुष्कर के घाटों पर लगी हुई है लेकिन टीम में काफी कम लोग हैं और भीड़ खूब ज्यादा इन दिनों पड़ रही है जिसकी वजह से इस प्रकार की घटनाएं घट रही और समय रहते हैं उनको बचाया नहीं जा सकता है।

कोटा की मिलाट नगर में 10 फीट धंसी सड़क, युवक घायल

सीवरेज लाइन डालने के बाद बनाई गई सड़क अचानक धंसने से लोगों में आक्रोश उत्पन्न हो गया।

कोटा, (निसं)। भाजपा शहर जिला कोटा के पूर्व कार्यसमिति सदस्य इरशाद अली ने आरोप लगाया है कि कोटा शहर की गली-गली में चल रहे सीवरेज लाईन के कार्य में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है, नियमों को ताक पर रखकर मनमर्जी से सड़कें को उधेड़ दिया गया है और उसकी मरम्मत के नाम पर लीपापोती हो रही है। बरसात के मौसम में जगह-जगह सड़कें धंस रही हैं खड़ी हुई गाड़ियां भी जमीन में बैठ जाती है लेकिन फिर भी कोटा के स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल इनके खिलाफ कदम उठाने के बजाय 180 करोड़ की नई सड़कें बनाने की घोषणा कर रहे हैं इससे स्पष्ट है कि सीवरेज लाईन डालने से जो पोलें हुई हैं उसे नई सड़कों के नाम पर 180 करोड़ की लागत से भरा जायेगा।

शनिवार रात बोरखेड़ा की मिलाट नगर कॉलोनी में सीवरेज लाईन डालने के बाद बनाई गई सड़क धंस गई और 10 फीट का गहरा गड्ढ़ा हो गया जिसमें गिरने से कॉलोनी के मोहित शर्मा घायल हो गये, हालांकि आसपास के लोगों ने उन्हें निकाल लिया लेकिन उनका मोबाईल गड्ढ़े में से नहीं निकाला जा सका। नाराज लोगों ने गड्ढ़े पर पाताल के रास्ते का बोर्ड लगा दिया और इरशाद अली को मौके पर बुला लिया। इरशाद अली ने आरयूआईडीपी के अधीक्षण अभियंता राकेश गर्ग को दूरभाष पर पूरी घटना की जानकारी देते हुए अभियंता को मौके पर भेजने को कहा। अधीक्षण अभियंता गर्ग के आदेश पर कनिष्ठ अभियंता राजकुमार मिलाट नगर पहुंचे जहां मौजूद इरशाद अली और स्थानीय निवासियों ने नाराजगी प्रकट करते हुए उन्हें अविलम्ब गड्ढ़ा भरने के लिए कहा। लोगों के आक्रोश को देखते हुए कुछ ही देर में जेसीबी और डब्लूआरएम से भरी हुई गाडियां मिलाट नगर में पहुंच गई लेकिन गड्ढा इतना बड़ा था कि 2 ट्रोली डब्लूआरएम डालने के बाद भी गड्ढ़ा नहीं भरा जिस पर और डब्लूआरएम मंगवाकर किसी तरह गड्ढ़े को भरा गया। इस अवसर पर मिलाट नगर अध्यक्ष अर्जुन सिंह राणा, सत्यप्रकाश आदि उपस्थित थे।

धरना प्रदर्शन कर रहे पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रविंद्र सिंह भाटी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर में छात्रसंघ चुनाव की सरगर्मियां तेज होने के साथ ही छात्रों के गुट आमने सामने होने लगे है। शनिवार को एक बूथ को बंद किए जाने के प्रयास में छात्र नेता अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। सुबह तक धरने पर बैठे छात्र नेताओं से समझाइश की बात नहीं बनी तो पूर्व छात्र नेता को पुलिस ने शांति भंग में गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई।

इधर इस बात को लेकर छात्रों में अब आक्रोश फेल गया है। वहीं सोमवार को प्रत्याशियों के नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। भाटी शनिवार से विश्वविद्यालय केंद्रीय कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे थे। विवि के केंद्रीय कार्यालय में ही दोपहर से धरना से चले धरने प्रदर्शन के बाद रात 10 बजे तक मांग नहीं मानने पर स्टूडेंट्स ने खाना वहीं खाया। 11.30 बजे बिस्तर भी लगा दिए। आखिर रविवार की सुबह पुलिस ने आकर धरना स्थल खाली करवाया और भाटी को गिरफ्तार किया।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव में विश्वविद्यालय में इस साल पुराना परिसर स्थित वाणिज्य संकाय के पोलिंग बूथ और नामांकन केंद्र को हटाकर सेनापति भवन के सामने रातानाडा स्थित प्रबंधन विभाग में कर दिया। इस परिवर्तन का विरोध में एसएफआई के प्रत्याशी और उनके समर्थकों ने प्रदर्शन किया। एसएफआई के प्रत्याशियों और पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रविंद्र सिंह भाटी और समर्थकों का कहना था कि वाणिज्य संकाय के परंपरागत बूथ बिना कारण बदल कर कुछ विशेष लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए प्रबंधन विभाग में मतदान करवाया जाएगा।

इधर जब हंगामा चल रहा था, तभी एनएसयूआई के समर्थक छात्र एवं कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। एसएफआई और एनएसयूआई दोनों के बीच आमने सामने नारेबाजी शुरू हो गई। जिसके चलते भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। एसएफआई के ने मतदान का बूथ वापस वाणिज्य संकाय में नहीं किए जाने तक धरना जारी रखा। पूरी रात एसएफआई के समर्थक विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय में सीआरओ ऑफिस के सामने धरने पर बैठे रहे। आज सुबह पूर्व छात्र नेता रविंद्र सिंह भाटी को पुलिस पकड कर ले गई। बाद में धरना भी उठा दिया गया।

बारिश से कच्चा मकान गिरा

धौलपुर, (निस)। धौलपुर जिले के मनियां थाना क्षेत्र के खेरली के पास स्थित गांव भगपुरा में शनिवार को बारिश की वजह से खेत पर बना एक कच्चा मकान गिर गया। जिसमें दबने से बुजुर्ग की मौत हो गई। बताया जा रहा

- **दबने से बुजुर्ग की हुई मौत**

है कि बारिश की वजह से खेत में चारों और जलभराव हो गया। जिसकी वजह से झोपड़ीनुमा कच्चा मकान गिर गया। जिस कारण अंदर मौजूद एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे शनिवार को जिला अस्पताल धौलपुर लाया गया। जहां अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार तड़के बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। बुजुर्ग के दम तोड़ दिए जाने के बाद परिजन उसके शव को बिना पोस्टमार्टम कराए अपने साथ घर ले गए। जानकारी के अनुसार घटना में 66 वर्षीय छोटेलाल की मृत्यु हुई है।

हादसे होने के बावजूद दोबारा पेड़ पर लगा दिया बिजली मीटर

बामनवास, (निसं)। फुलवाड़ा ग्राम में एक ऐसा ही मामला देखने को मिला जहां पर बिजली विभाग द्वारा बिजली मीटर को व्यवस्थित जगह लगाने की बजाय एक पेड़ पर अव्यवस्थित बांधकर दुर्घटना को दस्तक देने के लिए छोड़ दिया गया है। सवाल उठता है कि बिजली विभाग के कार्मिकों द्वारा इस तरह गलत तरीके से मीटर पेड़ पर क्यों बांधा गया।

उस जगह पहले भी दो बिजली हादसे हो चुके हैं जिसमें दो जनहानियां भी हो चुकी है, फिर भी बिजली विभाग के अधिकारी कर्मचारी उनकी लापरवाही के कारण हो रहे इन हादसों से सबक नहीं ले रहे हैं एवं बिजली यंत्रों को गाइडलाइन के विपरीत अनियमितता बरतने गलत जगह लगाकर बिजली हादसों को निमंत्रण देने जैसा कार्य करने में लगे हुए है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि यहां के बिजली विभाग के सहायक अभियंता रामनिवास मीणा पर भी समय-समय पर भ्रष्टाचार एवं उपभोक्ताओं द्वारा बिजली की शिकायतों का समय पर निवारण नहीं कर अनियमितता बरतने के आरोप लगाए जाते रहे हैं। बामनवास में बिजली सेवा संबंधित अनियमितता जिले में सबसे ज्यादा है एवं इसकी शिकायत कुछ दिनों पूर्व जिला कलेक्टर को भी की गई थी लेकिन हालात जस के तस बने हुए है।

बामनवास के फुलवाड़ा ग्राम में पेड़ पर बंधा बिजली का मीटर।

घटिया निर्माण के चलते तीन महीने बाद ही उधड़ गई नव निर्मित सड़क

सुजानगढ़, (निसं)। दुलिया बास में सालासर चुंगी नाका रोड पर स्थित नाईयों के श्मसान से होली धोरा में कायमखानी गेस्ट हाऊस की ओर से आ रही रोड में जुडने वाली सम्पर्क सडक अपने निर्माण के तीन माह में कंकर-कंकर हो गई। दुलिया पम्प हाऊस के पास निर्मित इस सडक पर जगह-जगह गड्ढे हो गए, जिनमें घरों का पानी ठहरने लगा है तथा सडक पर गडढे होने से राहगीर, खासकर बुर्जुग चोटिल हो रहे हैं, वहीं पूरी सडक पर कंकर बिखरने से दिन में दो-चार मोटरसाइकिल सवार रपट ही जाते हैं।

मौहल्ले के शब्बीर खान ने बताया कि सडक निर्माण के दौरान उन्होने सभापति प्रतिनिधि इदरीश गौरी को फोन कर घटिया निर्माण के बारे में जानकारी दी थी, लेकिन उन्होने कोई सुनवाई नहीं की। मो. अली ने बताया कि सडक निर्माण के दौरान ठेकेदार द्वारा मात्र दो

- **सड़क पर जगह-जगह गड्ढ़े हो गए है जिनमें घरों का पानी ठहरने लगा है**

इंची माल डालने तथा घटिया निर्माण को लेकर सडक का निर्माण कार्य रूकवाया था, तब कहा गया था कि सडक का निर्माण होने के बाद आप देखना, तब से हम इसे बिखरते हुए ही देख रहे हैं। मो. अली ने बताया कि पम्प हाऊस तक जाने वाला नाला भी जगह-जगह से क्षतिग्रस्त है, जिसके बारे में भी अनेक बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। मौहल्लेवासियों ने नगरपरिषद से दोबारा सडक निर्माण करवाने की मांग की है।

सुजानगढ़ में कंकरीट में तब्दील हुई नवनिर्मित सड़क।

नकबजनी के तीन आरोपी गिरफ्तार

देवगढ़, (निसं)। देवगढ़ थाना पुलिस लगातार क्षेत्र में बढ़ रहे अपराधों पर लगाम लगाने के लिए कडी मेहनत करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी के निर्देशन में कार्यवाही करते हुए रविवार को बडी सफलता प्राप्त करते हुए नकबजनी की वारदात का खुलासा किया है। जानकारी के अनुसार देवगढ थाना अधिकारी शैतान सिंह नाथावत ने बताया कि 16 अगस्त को थाना का मंड निवासी प्रहलाद मेवाडा पिता भंवरलाल मेवाडा ने देवगढ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि 15 अगस्त को फोन से मेरे घर के दरवाजे का ताला टूटे होने की सूचना मिलने पर मैं सूरत से देवगढ थाना का मर्डर अपने पैतृक घर आया। और जांच पडताल करने पर पता लगा कि घर में से काफी सामान नहीं था और सोने के हार सोने की रखडी चांदी का कंदोरा पाइजेब सहित अन्य जेवरात गायब थे। मुखबिर की सूचना पर कन्हैयालाल, श्याम लाल और महावीर को गिरफ्तार किया।

रामदेवरा मेले में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस ने बंदोबश्त किए

बीकानेर, (कासं)। पाली में हुए सड़क हादसे से सबक लेते हुए जिला पुलिस रामदेवरा जातरुओं के लिए सुरक्षा बंदोबश्त करने शुरू कर दिए हैं। हादसों को रोकने के लिए बीकानेर से दियातरा तक हर 25 से 30 किलोमीटर पर अस्थायी रूप से फिक्स पिकेट लगाई जा रही है। महाजन, लूणकरनसर, जामसर, बीछवाल, नयाशहर, नाल, गजनेर व कोलायत थाना पुलिस रात्रि के समय गश्त करेंगी।

हर आने-जाने वाले वाहनों की जांच होगी। वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियां होने पर कार्रवाई की जाएगी। वाहन चालकों की ब्रीथ-एनालाइजर से जांच की जाएगी। चालक के शराब पीकर वाहन चलाने पर वाहन जब्त करने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रामदेवरा मेले के मद्देनजर अतिरिक्त स्टाफ सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया है। इसके अलावा कोलायत, गजनेर व कोडमदेसर में तालाबों के पास सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे ताकि कोई हादसा न हो। पैदल जातरुओं व वाहनों के पीछे पुलिस रिफ्लेक्टर लगा रही है।

बीकानेर से रामदेवरा जाने वाले जातरुओं के लिए राजमार्गों पर अवैध कट बंद करवाएं जा रहे हैं। पैदल मार्ग को दुरुस्त करवा रहे हैं- क्रॉसिंग वाली जगहों पर पुलिस जाब्ता तैनात रहेगा। साथ ही यातायात सूचकांक लगाएंगे जाएंगे। रात्रि के समय संबंधित थाना पुलिस अपने-अपने क्षेत्र में राजमार्ग पर जातरुओं को सड़क से दूर चलने व यातयात नियमों की पालना करने के लिए अलाउंसमेंट करेंगे- बीकानेर से दियातरा तक जहां-जहां जातरुओं का भार अधिक होगा उस जगह को चिन्हित कर यातयात को डायवर्ट करेंगे। जिला पुलिस ने आमजन से अपील की है कि रात के समय सड़क के बीचोंबीच नहीं चले। रात के समय पदयात्रा करते समय हाथ में टॉर्च रखें- ऊंटगाड़े-ट्रेक्टर-ट्रॉलियों व अन्य साधनों पर रिफ्लेक्टर जरूर लगावें। सड़क पर बैठ कर आराम नहीं करें- रात्रि विश्राम के लिए सड़क से 15-20 मीटर की दूरी पर डेरा लगाए।

योगेश यादव, पुलिस अधीक्षक का इस सम्बंध में कहना है कि जातरुओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। इसी के मद्देनजर राजमार्ग परिस्थित सभी थानाधिकारियों को विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। बीकानेर जिले की सीमा तक गश्त, फिक्स पिकेट व सादावर्दी में पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। विशेष तौर पर रात्रि के समय चेकिंग रहेगी। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के वाहन सीज करने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

चूरू शहर में खुले पड़े हैं सीवरेज योजना के चैम्बर

चूरू, (कासं)। वार्ड 23 में बने सीवरेज योजना के चैम्बर काफी दिनों से खुले पड़े हैं। इस समस्या को लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अख्तर खान ने रोष व्यक्त किया है। जिलाध्यक्ष अख्तर खान ने बताया कि शहर के इस वार्ड में काफी दिनों से ये चैम्बर खुले पड़े हैं। यहां कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस समस्या को लेकर प्रभारी सचिव व जिला कलेक्टर को उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के साथ जाकर अवगत कराया जा चुका है। प्रभारी सचिव नीरज के पवन ने कहा था कि सात दिन में इस समस्या का हल करवा देंगे, लेकिन अभी तक इस समस्या की कोई सुध नहीं ली है।

उन्होंने कहा कि अब तो नगर परिषद में सभापति अपना काम संभाल चुकी है। लेकिन फिर भी इस समस्या का कोई हल नहीं हो रहा है। वार्ड में एक मस्जिद ताजूशाह तकिया, एक निजी स्कूल व एक दक्ष प्रजापति भवन बना हुआ है। आसपास में काफी दुकानें व नजदीक के घरों में रहने वाले लोगों को

- **प्रभारी सचिव के निर्देश के बाद भी नहीं ली सुध**
- **स्कूल में अध्ययन करने वाले बच्चों को दिक्कत आ रही है**

बदबू का सामना करना पड़ता है। मस्जिद में नमाज अदा करने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। भवन में भी शादी-विवाह एवं अन्य आयोजनों को करने में काफी दिक्कत होती है। निजी स्कूल में अध्ययन करने वाले बच्चों को काफी दिक्कत आ रही है। वार्ड के बाबू टेलर ने बताया कि इन खुले चैम्बरों में से आ रहे गन्दे पानी से मौसमी बीमारियां फैल रही है। वार्ड के आरिफ, बिलाल, नदीम व भवन के राधेश्याम प्रजापत आदि उपस्थित थे।

तेजाब से भरा टैंकर पलटा

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बोरानाडा स्थित पेप्सी चौराहा के पास में रविवार की अलसुबह एक तेजाब से भरा टैंकर पलट गया। टैंकर में करीब 30 हजार लीटर तेजाब था। तेजाब सडक़ पर फैलने से धुंआ उठा और पूरे एरिया में गंध फैल गई। सूचना पर बोरानाडा फायर ब्रिगेड से दो दमकलें मौके पर पहुंची और पानी डाल कर धुंआ कंट्रोल किया। हालांकि अल सुबह हुए इस हादसे में गनीमत यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

दमकल सूत्रों ने बताया कि बोरानाडा के पेप्सी चौराहे के पास सुबह 5.30 बजे बाड़मेर की ओर से आ रहे तेजाब से भरा टैंकर पलट गया। टैंकर चालक चौराहे से टैंकर को मोड़ रहा था अचानक संतुलन बिगडा और टैंकर पलट गया। मौके से चालक सुरक्षित निकल गया। पलटते ही टैंकर का ढक्कन खुल गया और तेजाब सडक़ पर फैल गया। जिससे क्षेत्र में इतना धुंआ फैल गया। एक बार कुछ नजर नहीं आया। मौके से फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। क्षेत्र में दहशत फैल गई। बोरानाडा से पाल रोड तक तेजाब की बदबू फैल गई।

विद्यापीठ में होंगे क्रांतिकारी बदलाव: प्रो. सारंगदेवोत

जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ का 86वां स्थापना दिवस मनाया

उदयपुर, (कासं)। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ का 86 वां संस्था स्थापना दिवस रविवार को स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साईंसेंस के सभागार में विद्यापीठ के सभी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में हर्षोल्लास से मनाया गया।

कुलपति प्रो. एस.एस.सारंगदेवोत ने प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यापीठ की गौरवमयी यात्रा को बताते हुए कहा कि मातृ भूमि और मातृसंस्था के लिए सेवा भाव चेतना जागृत होने पर ही सामने आती है और यही चेतना देश और संस्थानों के उत्थान का मार्ग प्रशस्त करता है। हमें सूर्य की भांति निरन्तर गतिशील और क्रियाशील रह कर कर्तव्यपथ को प्रकाशित करना होगा ताकि राष्ट्र को विकास के पथ पर अग्रसित किया जा सके। देश के विकास का ये स्वप्न समाज के निचले और पिछडे तबके तक शिक्षा की अलख पहुंचाएं बिना अधूरा है। देशभक्ति की इसी भावना और सोच को साकार रूप देने के लिए ही राजस्थान विद्यापीठ की स्थापना जनार्दन राय नागर ने की थी। संस्थापक जन्नूभाई के सपने को पूरा करने और राष्ट्र उन्नित में अपनी भूमिका के दायित्व को पूर्ण करने की दिशा में हम पूर्ण समर्पण से प्रयत्नशील है।

जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ के स्थापना दिवस के अवसर पर उपस्थित अतिथिगण।

आजादी के 10 वर्ष पूर्व संस्थापक जनुभाई ने वंचित, आदिवासी व श्रमजीवी को शिक्षा की मुख्य धारा से जोडने के उद्देश्य से पांच कार्यकर्ता व तीन रूपये के बजट से 1937 में स्थापित संस्था ने अपना वट वृक्ष का रूप ले लिया है।

प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि संस्था में आगामी दिनों में कई क्रांतिकारी बदलाव करने जा रहा है। स्थापना के 50 वर्ष बाद संस्थान को पांच पाठयक्रमों के साथ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया। आज 25 संकाय के साथ 10 हजार विद्यार्थी नियमित रूप से अध्ययन कर रहे है। विद्यापीठ शिक्षा के साथ वंचित वर्ग तक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस क्षेत्र में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभाने जा रहा है। इसी कडी में 15 करोड़ की लागत से 120 बेड के हॉस्पीटल का शुभांरभ आगामी दिनों में किया जायेगा। डबोक परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का इंडोर स्टेडियम व तरणताल, श्रमजीवी परिसर में शुटिंग रेंज बनाई जायेगी ,जिससे विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिलेगा। 300 विद्यार्थियों के लिए आधुनिक सुविधा से युक्त हास्टल का निर्माण अंतिम चरणो में है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चित्तौड़ के सांसद सी.पी. जोशी ने कहा संस्था ने देश ही अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ख्याति प्राप्त की है यह हमारे लिए गौरव की बात है। आज क्षेत्र में अग्रणी संस्था है।

राजस्थान विद्यापीठ के कुलाधिपति प्रो. बलवन्त राय जानी ने स्थापना दिवस समारोह में कहा कि विद्यापीठ सदैव से ही स्वयं से ज्यादा समाज और देश के प्रति अपने दायित्व के प्रति सजग रह का चिन्तन मनन करता है। मुख्य अतिथि उपमहापौर पारस सिंघवी ने कहा कि विद्यापीठ की बदौलत ही आज मैं इस मुकाम पर पहुंचा हूँ। 86 वर्ष पुर्व जनुभाई ने दिन में काम करने वालो को शिक्षा के जोडने के लिए श्रमजीवी महाविद्यालय की स्थापना की।

अगर कोई सोचता है कि मैं एक या दो दिनों के भीतर चीजों को बदल सकता हूं या कोई और इसे बदलने के लिए आएगा, तो हम मूर्खों के राज्य में रह रहे हैं।

- शाकिब अल हसन

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के कप्तान, एशिया कप को लेकर

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा जैसे ही एशिया कप में टीम इंडिया के लिए मैदान पर उतरेंगे उनके नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो जाएगा।एशिया कप 2022 की शुरुआत इसी महीने यूएई में 27 अगस्त हो रही है। भारतीय टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में अपना पहला मैच चीर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के साथ 28 अगस्त को दुबई में खेलने उतरेगी।दरअसल रोहित शर्मा लगातार सात बार एशिया कप में खेलने वाले पहले क्रिकेट बन जाएंगे। रोहित 2008 से लगातार इस टूर्नामेंट में खेलते आ रहे हैं। वहीं वह इस टूर्नामेंट में अबतक कुल 32 मैच खेल चुके हैं।

क्या आप जानते हैं ?... विश्वकप फुटबॉल इतिहास की पहली हैट्रिक अर्जेन्टीना के खिलाड़ी गुलियो स्टेविल ने मैक्सिको के खिलाफ की थी।

कमजोर जिम्बाब्वे पर क्लीन स्वीप करने उतरेगा मजबूत भारत

तीसरा एक दिवसीय आज

हरारे, 21 अगस्त। पहले दो मैचों में एकतरफा जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम जिंबाब्वे की कमजोर टीम के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतना चाहेगी और क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

भारत ने पहले दो मैचों में जिंबाब्वे को खेल के हर क्षेत्र में परास्त किया और तीसरे मैच में भी कहानी बदलने की संभावना नहीं है। जिंबाब्वे अभी तक भारतीय टीम के सामने फिसड्डी साबित हुआ है।

भारतीय टीम ऐसे में अगले साल होने वाले आईसीसी विश्व कप जैसी प्रतियोगिताओं को ध्यान में रखकर प्रयोग करना जारी रख सकती है। कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल ने अब तक युवा खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करके टीम में अपनी जगह पक्की करने का पूरा मौका दिया है।

इसमें संदेह नहीं कि भारतीय खिलाड़ियों को अभी तक कड़ी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है लेकिन इस अनुभव से उन्हें एक क्रिकेटर के रूप में खुद को निखारने में मदद मिलेगी।

भारतीय गेंदबाजों ने अभी तक जिंबाब्वे पर किसी तरह की दया नहीं दिखाई है। जिंबाब्वे की टीम पहले मैच में 189 जबकि दूसरे मैच में 161 रन पर आउट हो गई थी जिससे पता चलता है कि भारतीय गेंदबाजों के सामने उसके बल्लेबाज रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं।

दूसरी तरफ उसके गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों को परेशानी में डालने में नाकाम रहे हैं जिसमें वनडे के कुछ बेहतरीन खिलाड़ी शामिल हैं। केवल शिखर धवन के वनडे के आंकड़ों से ही इसका अनुमान लगाया जा सकता है।

बेहद प्रतिभाशाली शुभमन गिल ने इस दौरे में अब तक जैसा प्रदर्शन किया है निश्चित तौर पर वह उससे संतुष्ट नहीं होंगे और एक बार फिर से जिंबाब्वे के गेंदबाजों पर हावी होने की कोशिश करेंगे।

पिछले मैच में धवन के साथ राहुल स्वयं पारी का आगाज करने के लिए उतरे थे लेकिन वह ज्यादा देर तक नहीं टिक पाए। इसके बावजूद वह फिर से पारी की शुरुआत करने के लिए उतर सकते हैं।

कुछ प्रमुख गेंदबाजों की अनुपस्थिति में भी भारतीय गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है तथा दीपक चाहर, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर, प्रसिद्ध कृष्णा और अक्षर पटेल के प्रयास को प्रतिद्वंद्वी के कमजोर होने के कारण कम नहीं आंका जा सकता।

बल्लेबाजों में यदि ईशान किशन को एक और मौका मिलता है तो वह इसका पूरा फायदा उठाना चाहेंगे।

जिंबाब्वे ने पहला मैच 10 विकेट से गंवाने के बाद दूसरे मैच में हार का अंतर को कम किया लेकिन से बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए उन्हें अपना सब कुछ झोंक देना होगा।

भारत के सामने उनकी टीम भले ही कमजोर नजर आती है लेकिन पिछले कुछ समय से जिंबाब्वे के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे सिकंदर रजा और सीन विलियम्स को ऊपरी क्रम में भेज कर वह कुछ चुनौती पेश कर सकता है।

वॉर्नर ने 10 साल बाद की बिग बैश लीग में वापसी

सिडनी, 21 अगस्त। डेविड वॉर्नर ने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में 10 साल बाद वापसी करते हुए सिडनी थंडर्स के साथ दो वर्ष का अनुबंध किया है।

सिडनी थंडर्स ने रविवार को जारी एक प्रेस विज्ञिप्त में कहा कि वॉर्नर जनवरी में समाप्त होने वाली दक्षिण अफ्रीका टेस्ट शृंखला के बाद टीम से जुड़ेंगे और करीब पांच मैचों में सिडनी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

बीबीएल के पहले और तीसरे सीज़न में थंडर के लिए एक-एक गेम खेलने वाले वार्नर ने कहा, "मैं उस क्लब के साथ बिग बैश में वापस आने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं, जहां से मैंने शुरुआत की थी। मुझे खेल की बहुत परवाह है, और मैं इस बात से अवगत हूं कि एक पेशेवर क्रिकेटर के रूप में मैं जिन परिस्थितियों का आनंद मिलता है, उनका श्रेय बड़े पैमाने पर अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों को जाता है।"

उन्होंने कहा, "यह खेल इसी तरह बना है। मैं जानता हूं कि बीबीएल के भविष्य में मेरे योगदान से मेरे सेवानिवृत्त होने के बाद अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को लाभ होगा।"

कप्तानी पर लगे आजीवन प्रतिबंध को हटाने के लिए क्रिकेट आस्ट्रेलिया से बात करना चाहते हैं वॉर्नर

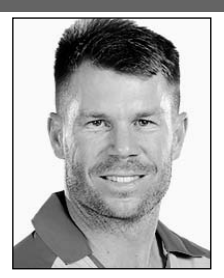

सिडनी, 21 अगस्त। डेविड वॉर्नर ने रविवार को कहा कि वह उन पर लगे कप्तानी के आजीवन प्रतिबंध को हटाने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ बातचीत करने को तैयार हैं।

दक्षिण अफ्रीका में 2018 में गेंद से छेड़छाड़ के मामले के बाद तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ से कप्तानी छीन ली गई थी और उन पर दो साल तक ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व नहीं करने का प्रतिबंध लगाया गया था।

दूसरी तरफ वॉर्नर को और कड़ी सजा दी गई और उन्हें कप्तानी से आजीवन प्रतिबंधित कर दिया गया था।

वर्तमान टेस्ट कप्तान पैट कमिंस सहित कई पूर्व और वर्तमान खिलाड़ी वॉर्नर पर लगे आजीवन प्रतिबंध को खत्म करने की अपील कर चुके हैं।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार वॉर्नर ने कहा, "इस मामले में कभी बातचीत हुई ही नहीं। मैं कई बार कह चुका हूं कि अब बोर्ड पर निर्भर है कि वह इस मामले में मुझसे बातचीत करे। बोर्ड अपने दरवाजे खोले और तब मैं उनके साथ बैठकर इस मामले पर बातचीत कर सकता हूं।"

वॉर्नर, स्मिथ और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को गेंद से छेड़छाड़ के मामले में उनकी भूमिका को लेकर कुछ समय के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से प्रतिबंधित कर दिया गया था।

वॉर्नर और स्मिथ पर एक साल का प्रतिबंध लगा था जबकि बैनक्रॉफ्ट को नौ महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया था।

आर्मी ग्रीन ने युनाइटेड को सौंपी लगातार दूसरी हार

गुवाहाटी, 21 अगस्त। आर्मी ग्रीन ने डुरंड कप 2022 में रविवार को नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी को 3-1 से हराते हुए क्लब को टूर्नामेंट की लगातार दूसरी हार सौंपी।

ग्रीन के कप्तान पीसी लल्लवमकिमा ने अपनी टीम के लिये दो गोल किये जबकि तीसरा गोल सोमेश कोठारी ने किया। दीपू मिर्धा ने युनाइटेड का सांत्वना गोल किया।

पहले हाफ में दोनों टीमों ने शानदार शुरुआत की लेकिन मैच में आगे बढ़ते हुए आर्मी ग्रीन के खिलाड़ियों ने अपनी पकड़ बनाना शुरू कर दी। उन्होंने 9वें मिनट में ही अपने कप्तान के माध्यम से पहला गोल किया।

इसके बाद ग्रीन ने युवा युनाइटेड पर दबाव बनाना शुरू किया, जिसके नतीजे में दूसरा गोल हुआ। सोमेश ने दाईं ओर से गोल के करीब चबिन रभा को बॉल पास की। रभा ने गोल की ओर निशाना लगाया मगर गोलकीपर ने उसे रोक लिया, हालांकि बॉल वापस सोमेश के पास पहुंची जिन्होंने सफलतापूर्वक अपनी टीम की बढ़त को 2-0 किया। कप्तान लल्लवमकिमा ने 55वें मिनट में एक और गोल किया जिससे ग्रीन की बढ़त 3-0 हो गयी।

इंजरी टाइम में दीपू ने युनाइटेड के लिए एक गोल किया भी, मगर यह नाकाफी रहा और उनकी टीम को 1-3 से हार का मुंह देखना पड़ा। यह डूरंड कप 2022 में ग्रीन्स का पहला मैच था और अब उन्होंने जीत के 100 प्रतिशत रिकॉर्ड के साथ ग्रुप-डी में ओडिशा एफसी की बराबरी कर ली है।

उल्लेखनीय है कि ओडिशा एफसी ने 18 अगस्त को पहले ग्रुप डी मैच में युनाइटेड को 6-0 से मात दी थी, जबकि ग्रुप की अन्य दो टीमों सुदेवा एफसी और केरल ब्लास्टर्स ने उसी दिन एक दूसरे के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था। आर्मी ग्रीन फुटबॉल टीम 25 अगस्त को सुदेवा दिल्ली एफसी से और एनईयूएफसी 27 अगस्त को केरल ब्लास्टर्स से भिड़ेगी।

भारत-ए की कप्तानी के लिये पांचाल, विहारी का नाम आगे

मुंबई, 21 अगस्त। गुजरात रणजी टीम के अनुभवी खिलाड़ी प्रियांक पांचाल सितंबर में भारत आने वाली न्यूज़ीलैंड-ए टीम के खिलाफ भारत-ए की अगुवाई कर सकते हैं। क्रिकबज़ ने रविवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत-ए की कप्तानी कर चुके पांचाल को एक बार फिर यह जिम्मेदारी दी जा सकती है।

क्रिकबज़ ने सूत्रों के हवाले से कहा कि यदि पांचाल किसी कारण शृंखला में हिस्सा नहीं ले पाते तो हनुमा विहारी टीम की कप्तानी करेंगे। पांचाल इस समय बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं।

उल्लेखनीय है कि न्यूज़ीलैंड-ए टीम सितंबर में भारत का दौरा करेगी। यहां वह बेंगलुरु में तीन चार-दिवसीय मैच, और चेन्नई में तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। न्यूज़ीलैंड-ए इससे पहले 2017 में भारत आयी थी।

क्रिकबज़ ने कहा कि रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया जा सकता है, लेकिन टीम कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ियों को भी मौका देना चाहेगी, जो लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं।

भारत-ए की चयन प्रक्रिया ऐसे खिलाड़ियों को आजमाने पर आधारित होगी जो राष्ट्रीय खिलाड़ियों के चोटिल होने पर टीम में उनकी जगह ले सकें।

सूत्रों ने इसपर रोशनी डालते हुए कहा, "यदि रविंद्र जडेजा चोटिल हो जाते हैं तो टीम में उनकी जगह किसे रखा जाएगा?"

राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने हालांकि भारत-ए टीम को चुनने पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित नहीं किया है क्योंकि एक चयनकर्ता जिम्बाब्वे में हैं, और दूसरे अभी-अभी विदेश से लौटे हैं। सूत्रों ने संकेत दिया है कि कुछ रिपोर्टों के सुझाव के विपरीत शुभमन गिल को कप्तान बनाए जाने की संभावना बेहद कम है। माना जा रहा है कि गिल फिलहाल एक काउंटी के साथ बातचीत कर रहे हैं।

भारत दौरे के लिए न्यूज़ीलैंड क्रिकेट (एनज़ेडसी) ने दो कप्तानों की घोषणा की है।

हाल ही में एनज़ेडसी की एक विज्ञिप्त में कहा गया है, "टॉम ब्रूस (सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स) और रॉबी ओडॉनेल (ऑकलैंड) को दौरे के लिए सह-कप्तान बनाया गया है।"

न्यूज़ीलैंड ए: टॉम ब्रूस (कप्तान), रोबी ओडॉनेल (कप्तान), चाड बोवेस, जो कार्टर, मार्क चैपमैन, डेन क्लीवर (विकेटकीपर), जैकब डफी, मैट फिशर, कैमरन फ्लेचर (विकेटकीपर), बेन लिस्टर, रचिन रवींद्र, माइकल रिपन, सीन सोलिया, लोगान वैन बीक और जो वॉकर।

गार्सिया, क्विटोवा सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में

मेसन, 21 अगस्त। फ्रांस की कैरोलिना गार्सिया और चेक गणराज्य की पेट्रा क्विटोवा ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में जगह बना ली है।

गार्सिया ने शनिवार को बेलारूस की अरिना साबालेनका को 6-2, 4-6, 6-1 से हराकर फाइनल में कदम रखा, जबकि क्विटोवा ने फाइनल में जगह बनाने के लिये अमेरिका की मैडिसन कीज़ को 6-7(6), 6-4, 6-3 से मात दी।

गार्सिया ने जीत के बाद कहा, "मेरा खयाल है कि किसी ने मेरे फाइनल में पहुंचने की उम्मीद नहीं की होगी। क्वालीफायर्स से यहां पहुंचने तक का सफर बहुत लंबा रहा है।"

गार्सिया पैर की चोट के कारण कुछ समय के लिये कोर्ट से दूर हो गयी थीं, लेकिन वह मई में रोलां गैरो में लौट आईं और क्रिस्टीना म्लादेनोविक के साथ युगल खिताब जीता। अब वह सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीतने से बस एक कदम दूर हैं।

दूसरी ओर, पेट्रा क्विटोवा वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन के फाइनल में जीतकर अपना 30वां एकल खिताब जीतना चाहेंगी।

क्विटोवा ने सेमीफाइनल में कीज़ को हराने के बाद कहा, "यह एक शानदार मुकाबला था। मुझे कहना होगा कि मैडिसन ने एक बेहतरीन टेनिस खेला। यह एक बेहद करीबी मैच था। मैं आज मैच से पहले खुद को बता रही थी कि मैंने यहां फाइनल में जगह नहीं बनायी है। मुझे नहीं पता कि कल नतीजा क्या होगा, लेकिन यह मेरे लिये बहुत बड़ा कदम है।"

अब गार्सिया और क्विटोवा फाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगी, जो भारतीय समयानुसार रविवार को रात 11:30 बजे खेला जाएगा।

20 स्वर्ण के साथ लखनऊ ओवलआल चैंपियन

लखनऊ 21 अगस्त। मेजबान लखनऊ के खिलाड़ियों ने प्रथम यूपी सेंट्रल जोन ताइक्वाण्डो चैंपियनशिप में सर्वाधिक 20 स्वर्ण पदक जीतते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप ट्राफी पर कब्जा जमा लिया। चैंपियनशिप में बरेली की टीम उपविजेता रही और सीतापुर को तीसरा स्थान मिला।

उत्तर प्रदेश ताइक्वाण्डो संघ के तत्वावधान में लखनऊ जिला ताइक्वाण्डो संघ द्वारा आयोजित चौक स्टेडियम के लाल जी टंडन बहुउद्देशीय हाल में रविवार को संपन्न चैंपियनशिप में लखनऊ के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया और 20 स्वर्ण, 10 रजत व 35 कांस्य पदक सहित कुल 65 पदक अपने नाम किए। चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रही बरेली ने 15 स्वर्ण, नौ रजत व 20 कांस्य सहित 44 पदक जीते। सीतापुर की टीम 13 स्वर्ण, तीन रजत व 15 कांस्य सहित कुल 31 पदक के साथ तीसरे स्थान पर रही।

जोहान्सबर्ग में शामिल हुए फाफ, मोईन

चेन्नई/जोहान्सबर्ग, 21 अगस्त। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) टी20 लीग में जोहान्सबर्ग फ्रेंचाइजी की मालिक चेन्नई सुपर किंग्स ने फाफ डू प्लेसिस और मोईन अली सहित पांच खिलाड़ियों को लीग के पहले सत्र के लिये टीम में शामिल किया। चेन्नई सुपर किंग्स क्रिकेट लिमिटेड (सीएसकेसीएल) ने रविवार को यह घोषणा की।

सीएसकेएल ने बताया कि फाफ डू प्लेसिस (दक्षिण अफ्रीका), मोईन अली (इंग्लैंड), महीश तीक्षणा (श्रीलंका), रोमारियो शेफर्ड (वेस्ट इंडीज) और गेराल्ड कोएट्ज़ी (दक्षिण अफ्रीका) को जोहान्सबर्ग फ्रेंचाइजी में शामिल किया गया है।

सीएसकेसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी केएस विश्वनाथन ने कहा, क्रिकेट साउथ अफ्रीका के नियमों के अनुसार, हम उपलब्ध खिलाड़ियों की अनुबंधित सूची से चार खिलाड़ियों को चुन सकते हैं। इन चार खिलाड़ियों में से एक दक्षिण अफ्रीका का प्रमुख खिलाड़ी हो सकता है, जबकि अन्य तीन में दो से अधिक एक देश से नहीं हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, "हमने फाफ, मोइन, महीश और रोमारियो सहित चार खिलाड़ियों को चुनने का फैसला किया है जिन्हें क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने अनुबंधित किया है। हमें दक्षिण अफ्रीका से एक युवा खिलाड़ी लेने की भी अनुमति है। हमने फाफ की सिफारिश के अनुसार गेराल्ड को चुनने का फैसला किया है।"

विश्वनाथन ने फाफ के चयन पर कहा, "फाफ पिछले 10 साल से आईपीएल में सीएसके की रीढ़ रहे हैं। वह हमारी टीम के लिए सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। आईपीएल में पिछली नीलामी के दौरान उन्हें चुनने का सौभाग्य हमें नहीं मिला। हम जिस मौके की तलाश में थे वह सीएसए टी20 लीग में आया।"

उन्होंने कहा, "हम खुश हैं कि फाफ सुपर किंग्स परिवार में वापस लौट आये हैं। फाफ के लिए वापस आने और सीएसके के लिए अच्छा प्रदर्शन करने का यह एक बेहतरीन मौका होगा। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी और कप्तान के रूप में उनका अनुभव और परिस्थितियों की समझ अमूल्य है। मुझे यकीन है कि टीम में उनके प्रवेश के साथ, हमारा भविष्य अच्छा हो पायेगा।"

'मेडिकल आधार पर फिट' होने पर ही लुसाने डायमंड लीग में खेलेंगे नीरज : सुमरिवाल

नयी दिल्ली, 20 अगस्त। चोट के कारण राष्ट्रमंडल खेलों से नाम वापिस लेने वाले ओलंपिक चैम्पियन भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 'मेडिकल आधार पर फिट' होने पर ही 26 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में भाग लेंगे।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने यह बात कही। चोपड़ा का नाम 26 अगस्त को होने वाले टूर्नामेंट के प्रतियोगियों की सूची में है। सुमरिवाला ने पीटीआई को बताया "वह मेडिकल आधार पर फिट होगा तो ही खेलेगा।" चोपड़ा को अमेरिका के यूजीन में पिछले महीने विश्व चैम्पियनशिप के दौरान ग्रोइन में खिंचाव आ गया था। उन्होंने वहां रजत पदक जीता था।

फाइनल में भिड़ेंगे सितसिपास, कोरिक

मेसन, 21 अगस्त। यूनान के तीसरी सीड स्टेफानोस सितसिपास और क्रोएशिया के बोर्ना कोरिक ने रविवार को अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में जगह बनायी।

चौथी सीड सितसिपास ने फाइनल में पहुंचने के लिये डेनिल मेडवेडेव को 7-6(6), 3-6, 6-3 से मात दी। दूसरी ओर, कोरिक ने 90 मिनट चले दूसरे सेमीफाइनल में ब्रिटेन के कैमरून नॉरी को 6-3, 6-4 के सीधे सेटों में मात दी। सितसिपास ने मैच के बाद कहा, "मुझे पता था कि तीसरा सेट मेरे लिये मुश्किल होने वाला है। उन्होंने (मेडवेडेव) इसे मेरे लिये बहुत ही मुश्किल बनाया भी। मैंने उनकी कुछ छूटी हुई पहली सर्विस का लाभ उठाया। मुझे लगता है कि मेरे पास कुछ मौके थे जहां ऐसा लग रहा था कि मैच मेरी तरफ जा रहा है। वह लगातार पहली बार सर्विस करने से चूकते रहे और इससे मुझे अपने अगले कदम के बारे में थोड़ा और स्पष्ट सोचने का समय मिला।"

सितसिपास पहली बार सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में और दूसरी बार किसी मास्टर्स 1000 हार्ड-कोर्ट प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे हैं।

दूसरी ओर, बोर्ना कोरिक ने नॉरी को हराकर अपने दूसरे एटीपी मास्टर्स फाइनल में जगह बनायी।

विश्व के पूर्व 12वें नंबर के खिलाड़ी ने मैच के बाद कहा, "यह दिन बहुत कठिन और लंबा था। मैंने 7:30 बजे खेलने की उम्मीद नहीं की थी। मैं यहां तीन बजे आया था और मुझे लगा कि मैं थोड़ा पहले खेलने जा रहा हूं। फिर मुझे लगा कि मैं देरी के कारण बाद में खेलने जा रहा हूं। यह बेहद रोमांचक दिन था लेकिन अंत में यह बहुत अच्छा रहा। मैं स्पष्ट रूप से आज अपने टेनिस से बहुत खुश था।"

अब सितसिपास और कोरिक फाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगे जो भारतीय समयानुसार देर रात दो बजे खेला जाएगा।

गगनजीत भुल्लर कोरिया में पांचवें स्थान पर रहे

जेजू आईलैंड (दक्षिण कोरिया), 21 अगस्त। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम दौर में चार अंडर 67 के स्कोर के साथ रविवार को यहां अंतरराष्ट्रीय सीरीज कोरिया में संयुक्त पांचवें स्थान पर रहे।

टूर्नामेंट की शुरुआत एक ओवर 72 के स्कोर से करने वाले भुल्लर ने अगले तीन दौर में 65, 69 और 67 का स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर 11 अंडर रहा।

अंतिम दौर में भुल्लर ने पांच बर्डी की लेकिन वह एक बोगी भी कर गए जिससे उनका स्कोर चार अंडर रहा।

अन्य भारतीय गोल्फर के लिए नतीजे उतने अच्छे नहीं रहे। अंतिम दौर में 68 के अच्छे स्कोर के बावजूद वीर अहलावत संयुक्त 29वें स्थान पर रहे। एसएसपी चौरसिया (71) ने संयुक्त 51वां स्थान हासिल किया जबकि राशिद खान (72) और शिव कपूर (72) क्रमशः संयुक्त 62वें और संयुक्त 68वें स्थान पर रहे।

स्थानीय दावेदार तेइहून ओक ने हमवतन बायो किम को एक शॉट से पछाड़कर खिताब जीता। तइहून का कुल स्कोर 15 अंडर रहा।

छगन और कविता ने जीती मुंबई हाफ मैराथन

मुंबई, 21 अगस्त। महाराष्ट्र के छगन बोम्बले और आंध्र प्रदेश की कविता रेड्डी ने रविवार को यहां बांद्रा कुर्ला परिसर में मुंबई हाफ मैराथन 2022 में क्रमशः पुरूष और महिला खिताब अपने नाम किये।

छगन ने जियो गार्डन्स से शुरू हुई 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन एक घंटे 16.11 मिनट में खत्म की और दूसरे स्थान पर रहने वाले भगतसिंह वाल्वी से एक मिनट आगे रहे।

भगतसिंह वाल्वी एक घंटे 17.51 मिनट के समय से दूसरे और अनिल जिंदल एक घंटे 18.20 मिनट के समय से तीसरे स्थान पर रहे।

महिलाओं की स्पर्धा भी एकतरफा रही जिसमें कविता रेड्डी ने एक घंटे 37.03 मिनट में रेस समाप्त की जिससे वह अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी तन्मया कर्माकर से तीन मिनट आगे रहीं। तन्मया कर्माकर ने एक घंटे 40.18 मिनट का समय लिया।

केतकी साठे एक घंटे 44.55 मिनट के समय से तीसरे स्थान पर रही।

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने रेस शुरू की और विजेताओं को सम्मानित किया।

तेंदुलकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "महामारी के कारण पिछले दो साल हर किसी के लिये काफी चुनौतीपूर्ण रहे लेकिन उसके बाद शहर में आयोजित हुई पहली बड़ी मैराथन में इतने लोगों को देखकर मुझे काफी खुशी हो रही है।"

पुरूषों की 10 किलोमीटर रेस में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली जिसमें अमित माली (0:33:42) पहले स्थान पर रहे। करण शर्मा दूसरे और संजय जकाने तीसरे नंबर पर रहे।

महिलाओं की 10 किलोमीटर स्पर्धा में रोहिणी माया पाटिल (0:41:32) प्रथम रहीं। प्रियंका पाइकाराव ने रजत और प्रियंका कैलाश ने कांस्य पदक जीता।

तिरंगा गोल्फ कप सम्पन्न

जयपुर, 21 अगस्त। रामबाग गोल्फ क्लब में दो दिवसीय तिरंगा गोल्प कप टूर्नामेन्ट आज सम्पन्न हुआ। रामबाग गोल्फ क्लब के कप्तान डॉ. अशोक गुप्ता ने बताया कि यह टूर्नामेन्ट आजादी के सेनानियो को समर्पित किया गया। इस टूर्नामेन्टमें 200 गोल्फर्स ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें से आज लगभग 110 गोल्फर्स खेले। टूर्नामेन्ट का 00-09 हैण्डिकेप विनर कामरान शम्सा व हैण्डिकेप रनरअप रोहित गोठवाल रहे। 10-15 हैण्डिकेप विनर ऋषभ चनाना व 10-15 हैण्डिकेप रनरअप सुनील शारदा रहे। 16-21 हैण्डिकेप विनर डॉ. हरविन्दर सिंह व 16-21 हैण्डिकेप रनरअप संजय पलारिया रहे। 22 एण्ड अबव हैण्डिकेप विनर अभय मालावत व 22 एण्ड अबव हैण्डिकेप रनर अप हमीर सिंह राठौड़ रहे। इसी प्रकार बेस्ट सीनियर वैटर्न गोल्फर विनर डॉ. बी.एम. रातुड़ी व इसी प्रकार बेस्ट सीनियर वैटर्न गोल्फर रनर अप दर्शन सिंह रहे। बेस्ट वैटर्न गोल्फर विनर हर्षिता पटवा व बेस्ट वैटर्न गोल्फर रनर अप रानू झामरिया रहे। बेस्ट जूनियर गोल्फर विनर निपुण शर्मा व बेस्ट जूनियर गोल्फर रनर अप देववृत सिंहरहे। लॉंगेस्ट ड्राईव पीयुष रूंगटा, नियरेस्ट टू पिन डॉ. बी.एम. रातुड़ी व स्ट्रेट ड्राईव विपुल मिश्रा रहे।

उसिक ने खिताबी मैच में जोशुआ को हराया

जेद्दाह, 21 अगस्त। यूक्रेन के मुक्केबाज ऑलेक्ज़ेंडर उसिक ने अपने ब्रिटिश प्रतिद्वंद्वी एंथनी जोशुआ को हराकर डब्ल्यूबीए (विश्व मुक्केबाजी महासंघ), डब्ल्यूबीओ (विश्व मुक्केबाजी संगठन) और आईबीएफ (अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ) हेवीवेट खिताब अपने पास रखा है।

उसिक ने सऊदी अरब के जेद्दा सुपरडोम एरिना में शनिवार रात हुए रिमैच को 12-राउंड के विभाजन निर्णय के साथ जीता।

इससे पहले उसिक ने सितंबर 2021 में लंदन के टोटेनहम हॉटस्पर स्टेडियम में जोशुआ को सर्वसम्मत निर्णय से हराया था।

यूक्रेन के 35 वर्षीय मुक्केबाज ने पेशेवर रिंग में 20 मैच (नॉकआउट से 13) जीते हैं। दूसरी ओर, 32 वर्षीय जोशुआ ने 24 बाउट (22 नॉकआउट से) जीते हैं जबकि तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

मोहम्मदन ने जमशेदपुर को 3-0 से रौंदा

कोलकाता, 21 अगस्त। मोहम्मदन एफसी ने डूरंड कप 2022 में रविवार को एकतरफा मैच में जमशेदपुर एफसी को 3-0 से मात दी। मोहम्मदन की ओर से फज़लू रहमान (38), प्रणॉय हालदर (71) और एसके फैयाज़ (74) ने एक-एक गोल किया। दूसरी ओर, जमशेदपुर एक बार भी बॉल को मोहम्मदन के नेट तक नहीं पहुंचा सकी। इस आसान जीत के साथ मोहम्मद डूरंड कप 2022 के ग्रुप-ए में शीर्ष पर बरकरार है, जबकि जमशेदपुर अब भी अपनी पहली जीत के इंतजार में है।

पाकिस्तान ने नीदरलैंड के खिलाफ बनाया अपना न्यूनतम एकदिवसीय स्कोर

रॉटरडैम, 21 अगस्त। नीदरलैंड ने बास डी लीड (तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान को तीसरे एकदिवसीय मैच में रविवार को 206 रन पर ऑल आउट कर दिया। यह नीदरलैंड के खिलाफ पाकिस्तान का सबसे छोटा एकदिवसीय स्कोर है।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी लेकिन यह फैसला उनके लिये खासा कारगर साबित नहीं हुआ और एकदिवसीय क्रिकेट में अपना पदार्पण कर रहे अब्दुल्लाह शफीक दूसरे ही ओवर में महज दो रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

फखर ज़मान ने हालांकि 26 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया और दूसरे विकेट के लिये कप्तान बाबर आज़म के साथ 55 रन जोड़े। आगा सलमान ने भी 42 गेंदों पर 24 रन की पारी खेली और बाबर के साथ तीसरे विकेट के लिये 46 रन की साझेदारी की।

सलमान के आउट होने के बाद नीदरलैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट लिये और विपक्षी टीम को 206 रन पर समेट दिया।

पाकिस्तान के लिये बाबर ने 125 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से सर्वाधिक 91 रन बनाये। इसके अलावा मोहम्मद नवाज़ ने भी 35 गेंदों पर एक चौका और दो छक्के लगाते हुए 27 रन जोड़े।

यह एकदिवसीय क्रिकेट में नीदरलैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान का सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले उन्होंने पार्ल 2003 में अपने 50 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 253 रन बनाये थे।

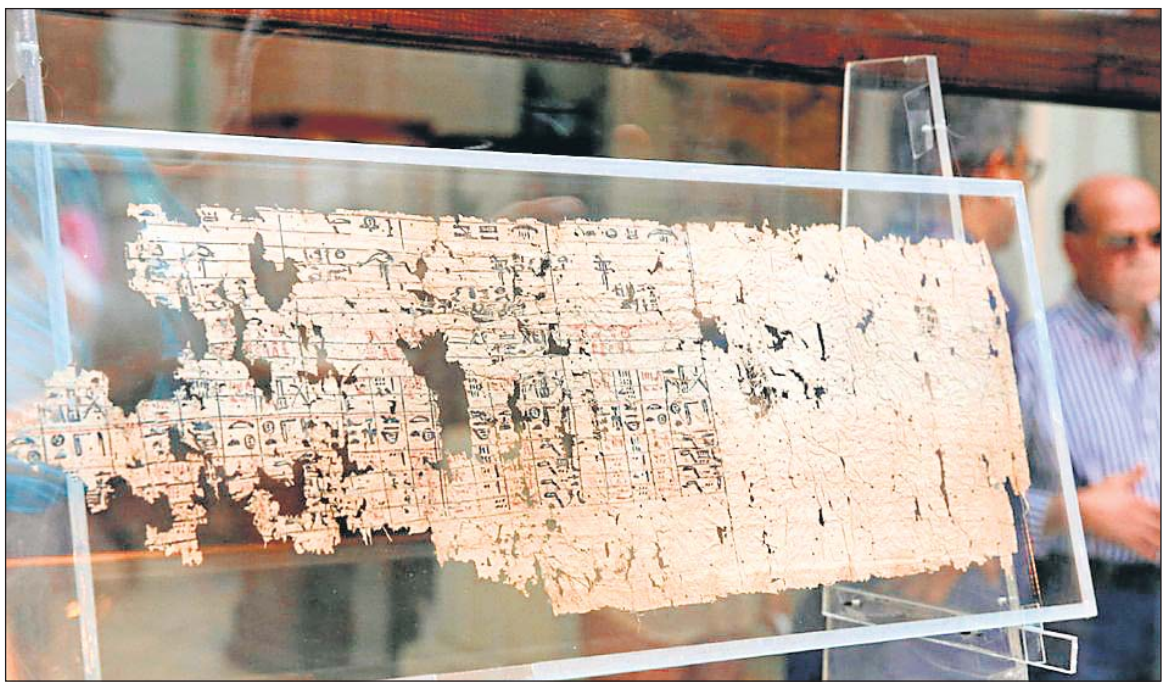

गीज़ा के ग्रेट पिरामिड विश्व की सबसे बड़ी पहेलियों में से एक हैं, लोग यह सोच नहीं पाते कि, प्राचीन काल में आधुनिक मशीनरी की मदद के बिना इतनी विशालकाय इमारतें कैसे बनाई गईं? इनमें सबसे बड़ा और पहला है खूफ़ू का पिरामिड, जो 146 मीटर ऊँचा है और 800 साल पहले तक इसे पृथ्वी पर इंसान द्वारा निर्मित सबसे ऊंची संरचना माना जाता था। पिरामिड्स का रहस्य शायद कभी पूरी तरह से सुलझ नहीं पाएगा, लेकिन कुछ ऐसी खोजें हुईं, जिनसे यह समझने में मदद मिली कि, किस प्रकार असंभव को संभव किया गया होगा। ऐसी ही एक खोज वर्ष 2013 में वादी-अल-जर्फ नामक स्थान पर हुई थी। रैंड सी तट पर यह एक बंदरगाह था। यहाँ पर कुछ इमारतों व मानव निर्मित गुफाओं के उत्खनन में पुरातत्वविद् पियर टैले और ग्रैंगरी महवा को पपायरस के रोल मिले। कुछ तो कई फीट लम्बे थे और कुछ टुकड़ों में थे। ये मिस्र की कर्सिव स्क्रिप्ट हायरोग्लिफिक्स और साथ ही हायरैटिक में लिखे हुए थे। इनमें से कुछ तो किंग खूफ़ू द्वारा कराई गई, "13 वीं मवेशी गणना के एक वर्ष बाद" के थे। अर्थात् उसके शासन के 26 वें या 27 वें वर्ष के। इसलिए इन्हें सबसे पुराने पपायरस दस्तावेज कहा जा सकता है। इससे भी अधिक हैरानी की बात यह थी ये उन लोगों ने लिखे थे जो ग्रेट पिरामिड्स के निर्माण में शामिल थे। इन दस्तावेजों में से कुछ तो बही खाते थे, जिनमें पिरामिड स्थल पर रह रहे 20 हज़ार से अधिक कामगारों के खान-पान व यातायात का हिसाब लिखा हुआ था। कुछ अन्य "जर्नल" सरीखे थे, जिनमें रोजमर्रा की गतिविधियां लिखी हुई थीं। इनमें से एक दस्तावेज मीया नाम के इंस्पैक्टर ने लिखा था, जो 200 लोगों की टीम का मुखिया था। यह टीम मिस्र के एक सिरे से दूसरे सिरे तक यात्रा करती थी, सामान लाने ले जाने के लिए। इनका मुख्य काम था गीज़ा से 15-20 कि.मी. दूर "तूरा" की खदानों से गीज़ा तक लाइमस्टोन पहुंचाना। पिरामिड की बाहरी परत इसी लाइमस्टोन से बनी थी जो समय के साथ नष्ट हो गई। इस तरह, मीया के रिकॉर्ड में खूफ़ू के शासन के उस अंतिम ज्ञात वर्ष का उल्लेख मिलता है, जब ग्रेट पिरामिड को फिनिशिंग टच दिया जा रहा था। मीया के रिकॉर्ड में बताया गया है कि किस तरह उसकी टीम तूरा से नावों में स्टोन भरकर उन्हें नील नदी से ही गीज़ा तक ले गई। मीया ने अपने दस्तावेज में सामंत अंख-हफ का भी उल्लेख किया है, जो खूफ़ू का सौतेला भाई था और पिरामिड का प्रोजैक्ट मैनेजर था। यह पहली बार है, जब पिरामिड के निर्माण की देखरेख करने वाले किसी व्यक्ति की पहचान हुई है। मिस्र के पुराविशेषज्ञ ज़ाही हवास ने इसे 21 वीं सदी में मिस्र की महान खोज बताया है। माना जाता है कि काम खत्म होने के बाद ये दस्तावेज़ वादी अल-जर्फ में छोड़ दिए गए थे।

5 राज्यों में भारी बारिश व लैण्डस्लाइड के कारण 50 लोगों की मौत

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में बारिश और बाढ़ ने सैकड़ों गाँवों को तबाह किया

नई दिल्ली, 21 अगस्त। देश के कई राज्यों में हुई मूसलाधार बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन की वजह से अब तक 50 लोगों की जान जा चुकी है। इसके अलावा कई लोगों के फंसे होने की भी संभावना है। जो मौते हुई हैं उसमें ज्यादातर लोग हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और ओडिशा के हैं। ये तीन ऐसे प्रमुख राज्य हैं जो फिलहाल कुदरत के कहर की मार झेल रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में बारिश ने सैकड़ों गांवों को तबाह कर दिया, मिट्टी के घर बह गए, सड़कों पर पानी भर गया और पुल क्षतिग्रस्त हो गए। भारतीय मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि अगले दो दिनों तक इस क्षेत्र में भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहेगी।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के बाद लापता हुए पांच लोगों का रविवार को भी पता नहीं चल पाया। राज्य में शनिवार को बारिश से जुड़ी घटनाओं में 22 लोगों की मौत हो गई और 12 घायल हो गए। सबसे ज्यादा नुकसान मंडी, कांगड़ा और चंबा जिलों में हुआ है।

हिमाचल प्रदेश में शनिवार को बादल फटने की घटना के बाद कई परिवार बागी और ओल्ड कटोला के बीच स्थित अपने-अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने पहुंचे। मोख्ता ने कहा कि शोघी और तारा देवी के बीच सोनू बंगला में भूस्खलन के बाद शनिवार शाम को शिमला-चंडीगढ़ राजमार्ग अवरुद्ध कर दिया गया था। हालांकि, अब वहां वाहनों की आवाजाही की मंजूरी दे दी गई है।

वहीं, उत्तराखंड में देहरादून, टिहरी और पौडी के बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों में बचाव दलों ने रविवार को भी तलाश और राहत अभियान जारी रखा जिसमें 24 लोगों को बचा लिया गया है जबकि 12 अन्य लोग अभी भी लापता हैं। अभी तक मिली सूचना के अनुसार, देहरादून, पौडी और टिहरी में शनिवार को अत्याधिक बारिश के कारण आई बाढ के कारण चार लोगों की मौत हो गई जबकि 12 अन्य लापता हो गए थे।

ओडिशा के बालासोर और मयूरभंज के जिला प्रशासन ने सुवर्णरेखा और बैतरणी नदी में बाढ़ से निपटने के लिए निचले इलाकों में बड़े पैमाने पर निकासी अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य पहले से ही लगातार बारिश के कारण महानदी में बाढ़ के प्रभाव से जूझ रहा है, जिससे सात लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें से लगभग पांच लाख अब भी 763 गांवों में फंसे हुए हैं।

हिमाचल प्रदेश में पिछले तीन दिनों में कम से कम 36 लोगों की मौत हुई है। सैकड़ों लोग बाढ़ के कारण अपने घरों से विस्थापित होने के बाद राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। उत्तराखंड में, शनिवार को बादल फटने की एक घटना में चार लोगों की मौत हो गई और 13 लापता हो गए क्योंकि नदियों ने किनारों को तोड़ दिया और कुछ घर बह गए। बचाव दल फंसे हुए लोगों को बाहर निकाल रहे थे।

ओडिशा में जारी मूसलाधार बारिश के बीच कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। ओडिशा में बाढ़ से लगभग 8 लाख लोग प्रभावित हुए हैं और हजारों लोग अपने घरों से विस्थापित हुए हैं, बारिश से बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित हुई है, और सड़क के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। राज्य ने अब तक प्रभावित क्षेत्रों से 120,000 लोगों को निकाला है।

बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक गहरे दबाव के कारण हुई भारी वर्षा और बाद में झारखंड से गलुडीह बैराज से बाढ़ का पानी छोड़े जाने के कारण उत्तरी ओडिशा की सभी नदियां उफान पर आ गई हैं।

झारखण्ड के रामगढ़ जिले में शनिवार को उफनती नलकारी नदी के पानी में पांच लोग बह गए। रामगढ़ जिले के एक अधिकारी माधवी मिश्रा ने कहा कि, अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं।

- **ओडिशा में भारी बारिश के कारण सुवर्णरेखा और बैतरणी और महानदी के बहाव क्षेत्र में आने वाले इलाकों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। करीब 7 लाख लोगों घरों से निकालकर अन्य स्थानों पर शिफ्ट किया गया है।**
- **झारखण्ड के रामगढ़ जिले में शनिवार को उफनती नलकारी नदी के पानी में पांच लोग बह गए। रामगढ़ जिले के एक अधिकारी माधवी मिश्रा ने कहा कि, अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं।**

राकेश टिकैत गिरफ्तार

नई दिल्ली, 21 अगस्त। देश में बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन में हिस्सा लेने जा रहे किसान नेता राकेश टिकैत को रविवार को दिल्ली में एंट्री करने से पहले ही गाजीपुर बॉर्डर पर पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता और संयुक्त किसान मोर्चा के अहम चेहरे टिकैत को गाजीपुर बॉर्डर पर दोपहर के आसपास रोक लिया गया। विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) दीपेंद्र पाठक ने बताया कि राकेश टिकैत को हिरासत में ले लिया गया और मधु विहार थाने ले जाया गया, जहां पुलिस ने उनसे लौट जाने का अनुरोध किया।

विशेष पुलिस आयुक्त ने बताया कि टिकैत ने पुलिस के अनुरोध को स्वीकार कर लिया और उन्हें वापस भेज दिया गया। सूत्रों ने बताया कि टिकैत को इसलिए हिरासत में लिया गया, क्योंकि दिल्ली पुलिस राष्ट्रीय राजधानी में 'अनावश्यक भीड़भाड़' रोकने का प्रयास कर रही है।

मु.मंत्री का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डॉक्टर को थप्पड़ मार रही थीं।

बुधवार की इस घटना से डॉक्टरों में रोष हैं। शनिवार को 800 से ज्यादा डॉक्टरों ने कथित हमले की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों में से एक डॉक्टर ने कहा कि छांगते ने आइजोल स्थित चर्म रोग विशेषज्ञ पर हमला किया था। डॉक्टर ने छांगते से कहा कि उन्हें क्लीनिक पर अप्वाइंटमेंट लेकर आना चाहिए था, जिस पर वह भड़क गईं और उन्होंने हमला किया। आई.एम.ए. की मिजोरम इकाई ने बयान में कहा, हम चाहते हैं कि डॉक्टरों के साथ इस तरह का व्यवहार दोबारा न हो।

रिश्वत केस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। रिश्वत का कथित भुगतान यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया था कि अंबाला कैंट की अधिकांश निविदाएं/ ऑर्डर उक्त निजी ठेकेदारों को दी जाएगी। सी.बी.आई. ने जाल बिछाकर 22.48 लाख रुपये की लेन-देन करते हुए दोनों अधिकारियों और निजी ठेकेदारों को पकड़ा।

यह सच है,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यूयॉर्क के यू.एन. मुख्यालय जा रहा था। प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अनौपचारिक रूप से विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी को अपने चैम्बर में बुलवाया और उन्हें यू.एस. सत्र में शामिल होने वाले भारतीय डैलीगेशन का पूर्ण अधिकृत सदस्य मनोनीत कर दिया।

सत्र के बाद वाजपेयी वहां रूक कर अपना इलाज करवा सकते थे। इसी वजह से वाजपेयी इलाज करवा पाए। और शायद इसी वजह इतनी उम्र मिली कि वे भारत के प्रधानमंत्री बन पाए।

तब भारतीय राजनीति में इतना भद्र व्यवहार देखने को मिलता था, जो अब दुर्लभ है।

भाजपा ने दिल्ली की शराब नीति विवाद में मु.मंत्री के.सी.आर. को भी घसीटा

भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया कि, दिल्ली की विवादित शराब नीति के मुख्य कर्ताधर्ता मु.मंत्री के.सी.आर. भी हैं

नई दिल्ली, 21 अगस्त। भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) को भी अब रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति को लेकर चल रहे विवाद में घसीट लिया है। प्रवेश वर्मा ने रविवार को यह दावा किया कि केसीआर के परिवार के सदस्य आबकारी नीति बनाए जाने के लिए दिल्ली के एक फाइव स्टार होटल में हुई बैठकों में शामिल हुए थे।

प्रवेश वर्मा ने कहा कि तेलंगाना में इसी प्रकार की आबकारी नीति है और यह पश्चिम बंगाल में भी लागू की गई है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के परिवार के सदस्यों ने दिल्ली आबकारी नीति बनाने के लिए एक होटल में आयोजित बैठकों में भाग लिया था।

केसीआर के परिवार ने पंजाब में इसी प्रकार की नीति लागू कराई। उन्होंने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ मिलकर दिल्ली के लिए एक योजना बनाई।

वर्मा ने सिसोदिया के खिलाफ जारी लुकआउट सर्कुलर पर कहा कि सी.बी.आई. द्वारा आबकारी नीति घोटाला मामले की जांच शुरू करने के बाद से दो आरोपी देश से भाग गए हैं। उन्होंने कहा कि अन्य लोगों को फरार होने से रोकने के लिए लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है।

भाजपा सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि सिसोदिया और उनकी पत्नी ने 2014 से 2021 के बीच सरकारी अस्पतालों की सेवाएं न लेकर निजी अस्पतालों से इलाज पर करीब 22 लाख रुपये खर्च किए। इस बयान पर आम आदमी पार्टी ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

इसके साथ ही, प्रवेश वर्मा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकल्प के तौर पर पेश करने के आम आदमी पार्टी (आप) के दावों पर पलटवार करते हुए शनिवार को कहा था कि इस तरह के दावे केवल चार लोग कर रहे हैं और उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए।

- **प्रवेश वर्मा ने कहा कि, मु.मंत्री के.सी.आर. और उनके परिवार के सदस्यों ने दिल्ली के फाइव स्टार होटलों में बैठकर दिल्ली की शराब नीति बनाई थी।**

'भारत 2050 तक पैट्रोल से 740 अरब डॉलर बचा सकता है'

नई दिल्ली, 21 अगस्त (वार्ता)। इंटरनैशनल काउंसिल फॉर क्लीन ट्रांसपोर्टेशन (आई.सी.सी.टी.) की शोधकर्ता शिखा रोकड़िया ने कहा कि, देश में वर्ष 2035 तक नये बिकने वाले दो पहिया वाहन 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक हो जाएं तो वर्ष 2020-50 के बीच पैट्रोल की मांग में 50 करोड़ टन और इससे संबंधित लागत में 740 अरब डॉलर से ज्यादा की कमी आ सकती है। द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) और आई.सी.सी.टी. की गत दिनों जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि देश में पिछले कुछ वर्षों में विद्युत दोपहिया वाहनों की मांग बढ़ने से इलेक्ट्रिक परिवहन के विस्तार के प्रयास में गति मिली है। नीति आयोग और टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड असेसमेंट काउंसिल (टी.आई.एफ.ए.सी.) की एक रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 तक देश में 100 प्रतिशत दोपहिया इलेक्ट्रिक हो जाने की संभावना है।

आई.सी.सी.टी. के भारत उत्सर्जन मॉडल के अनुमानों के मुताबिक वर्ष 2021 में सड़क परिवहन में हुई कुल पैट्रोल की खपत और कुल पेट्रोलियम की खपत में दोपहिया वाहनों का हिस्सा क्रमश: 70 प्रतिशत और 25 प्रतिशत था। देश में अगर पैट्रोल से चलने वाले दोपहिया वाहनों को ही बढ़ाते रहे तो वर्ष 2050 तक जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता दोगुने से भी अधिक हो जाएगी।

रोकड़िया ने कहा, वर्ष 2035 तक नए बिकने वाले 100 प्रतिशत दोपहिया वाहनों को इलेक्ट्रिक कर लिया जाए, तो भारत में 2020 से 2050 के बीच पैट्रोल की मांग में 500 मिलियन टन (एम.टी.ओ.ई.) से ज्यादा और इससे संबंधित लागत में 740 अरब डॉलर से ज्यादा की कमी आ सकती है। प्रदूषण के लिहाज से देखें तो भारत ने पिछले दशक में बी.एस.-6 उत्सर्जन मानक अपनाने समेत नीतिगत मोर्चे पर कुछ अहम कदम उठाए हैं। इससे वायु प्रदूषण में होने वाली वृद्धि को काफी हद तक कम किया जा सका है। टेरी के सीनियर विजिटिंग फेलो आई. वी. राव ने कहा, दोपहिया के मामले में तेजी से ई.वी. की ओर कदम बढ़ने से पैट्रोल की मांग पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

- **इंटरनैशनल काउंसिल फोर क्लीन ट्रांसपोर्टेशन की रिपोर्ट के अनुसार, 2035 तक नये बिकने वाले सभी टू व्हीलर्स इलैक्ट्रिक हो जायें तो 50 करोड़ टन पैट्रोल की बचत होगी।**

काबुल में भारतीय दूतावास फिर से शुरू हुआ

काबुल, 21 अगस्त। भारत ने करीब एक साल बाद अफगानिस्तान के साथ निलंबित राजनयिक संबधों को फिर से बहाल कर दिया है। काबुल में भारतीय दूतावास ने सोमवार, 15 अगस्त से अपने काम फिर से शुरू कर दिए हैं। तालिबान की ओर से अफगानिस्तान पर कब्जा जमाये जाने के बाद पिछले साल अगस्त में भारतीय दूतावास ने काबुल में अपने ऑफिस को निलंबित कर दिया था। वहीं, अधिकारी भी काबुल छोड़ दिए थे। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल कहार बल्खी ने कहा कि, भारत के राजनयिक वाणिज्य दूतावास में काम फिर से शुरू करने के उद्देश्य से 13 अगस्त को काबुल पहुंचे। हम भारतीय राजनयिकों का स्वागत करते हैं। उन्होंने अफगानिस्तान में पूरा सहयोग और सुरक्षा का आश्वासन दिया। यह कहते हुए कि तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार भारत सहित सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाने की इच्छुक है, बाल्खी ने कहा कि देश की ओर से शुरू की गई विभिन्न परियोजनाएं अफगानिस्तान में अधूरी हैं।

- **तालिबान की ओर से अफगानिस्तान पर कब्जा जमाये जाने के बाद भारतीय दूतावास ने काबुल में अपने ऑफिस को निलंबित कर दिया था।**

'आपकी सारी रेड फेल हो गई, सी.बी.आई. को कुछ नहीं मिला'

मनीष सिसोदिया ने कहा कि, सारी साजिशें विफल होने के बाद उनके खिलाफ अब लुकआउट नोटिस जारी किया गया है

नई दिल्ली, 21 अगस्त (वार्ता)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को कहा कि केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) ने दिल्ली आबकारी नीति लागू करने में कथित अनियमितताओं की जांच के कुछ नहीं मिलने पर उनके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया है।

सिसोदिया ने कहा, छापे के दौरान सी.बी.आई. को कुछ नहीं मिला। अब, आपने लुक आउट नोटिस का इस्तेमाल किया है कि सिसोदिया उपलब्ध नहीं है, इसके बावजूद मैं राष्ट्रीय राजधानी में स्वतंत्र रूप से घूम रहा हूं और आसानी से उपलब्ध हूं। मुझे बताएं कि कहां आना है।

सिसोदिया ने हिंदी में ट्वीट करके नोटिस को नौटंकी करार दिया। एक अन्य ट्वीट में सिसोदिया ने लिखा, हमारे ऊपर लगाया गया कोई भी झूठा आरोप नहीं चलेगा, हमारे खिलाफ हर केस खारिज हो जाएगा। भगवान हमारे साथ हैं.. हम ईमानदारी से काम करते रहेंगे, उनकी हर साजिश विफल होगी और सच्चाई की हमेशा जीत होगी।

सिसोदिया ने अपने ट्वीट में कहा, आपकी सारी रेड फेल हो गयी, कुछ नहीं मिला, एक पैसे की हेरा फेरी नहीं मिली, अब आपने लुक आउट नोटिस जारी किया है कि मनीष सिसोदिया मिल नहीं रहा। ये क्या नौटंकी है मोदी जी? मैं खुलेआम दिल्ली में घूम रहा हूँ, बताइए कहाँ आना है? आपको मैं मिल नहीं रहा?

इस बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, ऐसे समय में जब आम आदमी महंगाई से जूझ रहा है, करोड़ों युवा बेरोजगार हैं, केंद्र सरकार को सभी राज्य सरकारों के साथ मिलकर बेरोजगारी और महंगाई से लड़ना चाहिए। लेकिन वे ऐसा न करके पूरे देश से लड़ रहे हैं। हर सुबह वे जागते हैं और सी.बी.आई. और ई.डी. का खेल शुरू करते हैं। ऐसा देश कैसे आगे बढ़ेगा? उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को आबकारी पुलिस को 'देश में सर्वश्रेष्ठ' करार दिया था। उन्होंने कहा, पुलिस ने पूरी 'पारदर्शिता' और ईमानदारी के साथ काम किया, लेकिन भाजपा ने इस पर बेवजह हंगामा किया। भाजपा का नई आबकारी नीति से कोई लेना-देना नहीं है। अरविंद केजरीवाल की देश भर में बढ़ती लोकप्रियता के साथ इसकी एकमात्र समस्या है। इसलिए उनका एकमात्र मकसद केजरीवाल को किसी भी तरह से रोकना है। सिसोदिया ने कहा, भाजपा नई आबकारी नीति को लागू करने में कई करोड़ के घोटाले का दावा कर रही है, जबकि मेरे घर तलाशी के लिए आए सी.बी.आई. अधिकारियों ने मुझे बताया कि यह सिर्फ एक करोड़ रुपये (उनके स्त्रोतों के अनुसार) की जांच है।

- **मनीष सिसोदिया ने कहा कि, मैं कहीं गुमशुदा नहीं हूं, जो मेरे खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने की नौटंकी की गई है। मैं यहीं दिल्ली में हूं, जिसको मुझसे मिलना है आकर मिल ले।**

'भ्रष्टाचार चाहें एक करोड़ का हो या हजार करोड़ का घोटाला तो घोटाला ही है'

भाजपा ने कहा कि, आप सरकार कह रही है कि, भाजपा जितना बता रही है, शराब घोटाला उतना बड़ा नहीं है

नई दिल्ली, 21 अगस्त (वार्ता)। भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भ्रष्टाचार एवं घोटालों के सरगना करार करते हुए आज आरोप लगाया कि उन्होंने दिल्ली के लोगों की गाढ़ी कमाई को शराब माफियाओं पर लुटाने तथा सरकारी राजस्व में चोरी करने और अपना खजाना भरने का पाप किया है।

भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया और दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आज पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में केजरीवाल सरकार पर जम कर हमला बोला। भाटिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी सबसे बड़ी भ्रष्टाचारी पार्टी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और उनके कई नेता भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं। आज भारत की जनता कह रही है कि यह आप नहीं पाप है, भ्रष्टाचारियों का बाप है और जनता के लिए अभिशाप है। भारतीय जनता पार्टी ने अरविंद केजरीवाल जी से सवाल पूछा कि यदि दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार की आबकारी नीति सही और अच्छी थी तो फिर उसे वापस क्यों लिया गया तो इस पर केजरीवाल सरकार का जवाब आता है कि विदेशी अखबार कहता है कि दिल्ली सरकार का शिक्षा मॉडल बड़ा अच्छा है!

भाटिया ने कहा कि जब दिल्ली की जनता कोविड की दूसरी लहर में परेशान थी थी तो जनता को ऑक्सीजन, बेड्स और दवाई उपलब्ध कराने की जगह अरविंद केजरीवाल की कलम आबकारी नीति पर दस्तखत कर शराब माफियाओं को फायदा पहुंचाने में लगी हुई थी। अरविंद केजरीवाल अकाउंटेंट बनकर ये देख रहे थे कि आम आदमी पार्टी के खजाने में जनता के पैसे की कितनी लूट आई है। आज लोग कह रहे हैं - जिसने भी दिल्ली को ठगा है, वह अरविंद केजरीवाल का सगा है। अरविंद केजरीवाल की नाक के नीचे भ्रष्टाचार हुआ।

उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल, आपका मकसद केवल लूट-खसोट करना है, भ्रष्टाचार का पार्टी की तिजोरी भरना है। क्या इसलिए आप राजनीति में आये थे? इसका उत्तर न तो न्यूयॉर्क टाइम्स का आर्टिकल हो सकता है, न राजनीतिक द्वेष की बात करना हो सकता है।

मनीष सिसोदिया को घेरते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि मनीष सिसोदिया प्रेस कांफ्रेंस करके कह रहे हैं कि भाजपा कहती है कि हजारों करोड़ का घोटाला हुआ लेकिन सी.बी.आई. की एफ.आई.आर. कहती है कि केवल एक करोड़ रुपये का घोटाला हुआ! आप इनकी नीयत और सोच देखिए कि आम आदमी पार्टी घोटाले को भी जायज़ ठहरा रही है। कहती है कि यह तो छोटा घोटाला है। उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल, जिस हिसाब से तथ्य लगातार सामने आ रहे हैं, उससे हर भारतीय को यकीन है कि सच जल्द ही बाहर आयेगा। शराब घोटाले की जैसे-जैसे खुल रही है कड़ी, वैसे-वैसे पास आ रही है हथकड़ी। दूसरी बात यह कि घोटाला एक रुपये का हो या 1,000 करोड़ रुपये का - घोटाला तो घोटाला है, भ्रष्टाचार तो भ्रष्टाचार है। सवाल तो आपकी ईमानदारी का है कि दिल्ली की जनता के पैसे से आपने अपनी तिजोरी क्यों भरी?

जब आप ये कहते हैं कि एक करोड़ रुपये का घोटाला लिखा है सी.बी.आई. की एफ.आई.आर. में तो कहीं न कहीं आप ये कह रहे हैं कि घोटाला तो हुआ लेकिन उतना बड़ा नहीं जितना बड़ा भाजपा बता रही है।

भाटिया ने केजरीवाल से सवाल पूछा कि अगर उनमें थोड़ी सी भी नैतिकता बची है, तो 24 घंटे के अंदर बताएं कि यदि उनकी आबकारी नीति सही थी, तो उसे वापस क्यों लिया? शराब माफियाओं को बिना कैबिनेट स्वीकृति के 144 करोड़ रुपए क्यों दे दिए?

राष्ट्रपति पुतिन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जांच में पाया गया है कि कार के निचले हिस्से के नीचे चालक की तरफ एक विस्फोटक उपकरण लगाया गया था।

फिलहाल, जांचकर्ता दुर्घटनास्थल का निरीक्षण कर रहे हैं। बाद में एक विशेष पार्किंग स्थल में ले जायी गयी जली हुई कार की जांच एक विस्फोटक विशेषज्ञ की भागीदारी से की गई।

जांचकर्ताओं ने कार के रिकॉर्ड से एक वीडियो रिकॉर्डिंग जब्त की है। सुरक्षा सेवाओं को शामिल लोगों और गवाहों की पहचान करने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा, जैविक, आनुवंशिक, भौतिक, रासायनिक और विस्फोटक फोरेंसिक जांचों सहित विशेषज्ञ परीक्षण किये जा रहे हैं।

जांच समिति के प्रमुख अलेक्जेंडर बैस्ट्रीकिन ने संबंधित अधिकारियों को आगे व्यापक और उद्देश्यपूर्ण जांच के लिए दुगिना की हत्या पर आपराधिक मामले को मुख्य जांच विभाग में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908